शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

किसानों, हिंदुओं से क्यों नाराज हैं सीएम? विजयेंद्र @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | गुरुवार, 05 दिसंबर, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-6 | अंक-335

36000 से अधिक मंदिर ध्वस्त कर बनाई गई मस्जिदें

हिंदुओं का दावा तो सिर्फ 10 पर हैं..!

9 नवम्बर 2019... सुप्रीम कोर्ट का खचाखच भरा हुआ कमरा। चीफ जस्टिस रंजन गोगोई समेत 5 जज हिंदुओं के 500 वर्षों के संघर्ष की परिणिति तय कर देते हैं। अयोध्या में जहां पर हिंदुओं के आराध्य रामलला का मंदिर तोड़ कर मस्जिद बनाई गई थी, वह जगह वापस हिंदुओं को मिलती है। हिंदू भव्य मंदिर का निर्माण करते हैं। लेकिन यह सिर्फ एक धार्मिक स्थल की बात है। देश में कम से कम 36000 जगह पर मंदिर तोड़ कर मस्जिद बनाई गई है। इसका इतिहास गवाह है और इसके दस्तावेजी और स्थापत्य प्रमाण उपलब्ध हैं।

ऐसी 1800 जगह की सूची बाकायदा सार्वजनिक भी हो चुकी है। अयोध्या के साथ ही काशी और मथुरा में भी मंदिरों पर किए गए इस्लामिक आक्रमण के खिलाफ आजादी के बाद से ही लड़ाई चालू हो गई थी। लेकिन अभी इसका परिणाम नहीं आया है। संभल-बदायूं पर हाल में हुई हिंसा के बाद ऐसे कई स्थल चर्चा में हैं जहां संघर्ष जारी है। ऐसे ही 10 मामलों पर एक नजर डालते हैं जिनके लिए विभिन्न अदालतों में कानूनी लड़ाई जारी है।

कमाल मौला मजार बनाम भोजशाला: मध्य प्रदेश के धार जिले में स्थित भोजशाला विवाद बहुत पुराना है। हिंदू पक्ष का मत है कि ये माता सरस्वती का मंदिर है जहां देवी-देवताओं के चित्र और संस्कृत में श्लोक आज भी लिखे हुए हैं। सदियों पहले मुसलमानों ने इसकी पवित्रता भंग करते हुए यहां मौलाना कमालुद्दीन की मजार बना दी थी जिसके बाद यहां मुस्लिमों का आना जाना शुरू हो गया और अब इसे नमाज के लिए प्रयोग में लाया जाता है। इस मामले में हिंदू कोर्ट पहुंचे थे। हिंदू पक्ष की याचिका पर सुनवाई करते हुए मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने मार्च 2024 में एएसआई सर्वे का आदेश दिया था। एएसआई यहां सर्वे कर चुकी है। रिपोर्ट में एएसआई ने कहा है कि भोजशाला का वर्तमान परिसर यहां पहले मौजूद मंदिर के अवशेषों से बनाया गया था। एएसआई ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट को सौंपी गई अपनी रिपोर्ट में बताया था, खंभों और दीवारों की सजावट और

प्रमाण के साथ 1800 मंदिरों की सूची सार्वजनिक

उन पर बने भित्तिचित्रों की वास्तुकला से यह कहा जा सकता है कि वह पहले मंदिर का हिस्सा थे। बेसाल्ट के ऊंचे परिसर पर मस्जिद के स्तम्भ बनाते समय इनका दोबारा इस्तेमाल हुआ है। एक स्तम्भ, जिसमें चारों दिशाओं में खाने बने हुए हैं, उसमें देवताओं की नष्ट की हुईं छवियां भी हैं।

अटाला मस्जिद बनाम अटाला देवी: उत्तर प्रदेश

शुभ-लाभ सरोकार

के जौनपुर में बनी अटाला मस्जिद को लेकर भी हिंदू कोर्ट पहुंचे हैं। मई 2024 में इस संबंध में एक वकील अजय प्रताप सिंह ने याचिका दायर की थी। उन्होंने अपने दावे में कई पुस्तकों में उल्लेखित संदर्भों का हवाला दिया है। साथ ही पुरातत्व विभाग के निदेशक की रिपोर्ट का भी जिक्र किया है। माना जाता है कि अटाला माता मंदिर का निर्माण कन्नौज के राजा जयचंद्र राठौर ने करवाया था। अजय प्रताप सिंह ने कहा है कि इस मंदिर को तोड़ने का पहला हुक्म फिरोज शाह ने दिया था। बाद में इब्राहिम शाह ने इस पर कब्जा कर मस्जिद बना दिया। वकील अजय प्रताप सिंह की यह याचिका अभी कोर्ट में लंबित है।

टीले वाली मस्जिद बनाम शेषनाग मंदिर: उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में टीले वाली मस्जिद के खिलाफ भी हिंदू कोर्ट पहुंचे हैं। साल 2013 में लखनऊ स्थित भगवान शेषनाग टीलेश्वर महादेव विराजमान, लक्ष्मण टीला शेषनाग तीर्थ भूमि और अन्य ने निचली दीवानी कोर्ट में एक सिविल क्लेम किया था, जिसमें कहा गया था कि मुगल आक्रांता औरंगजेब के शासनकाल में मस्जिद बनाने के लिए मंदिर को तोड़ दिया गया था। ▶10पर

दिल्ली की जामा मस्जिद का भी सर्वे कराने की मांग

नई दिल्ली, 04 दिसंबर (एजेंसियां)।

दिल्ली स्थित जामा मस्जिद की सर्वे कराने की मांग करते हुए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के महानिदेशक को चिट्ठी लिखी गई है। इसमें कहा गया है कि मुगल आक्रांता औरंगजेब ने जोधपुर और उदयपुर के कृष्ण मंदिर को तोड़कर उसके देव प्रतिमा को दिल्ली की जामा मस्जिद की सीढ़ियों में लगवाए थे। जामा मस्जिद की सीढ़ियों में मंदिरों के अवशेष और मूर्तियां दबी हुई हैं। इसके पीछे औरंगजेब पर साकी मुस्ताक खान की पुस्तक मसीर-ई-आलमगीरी को आधार बनाया गया है।

एएसआई के महानिदेशक को हिंदू सेना के प्रमुख विष्णु गुप्त ने चिट्ठी लिखी है। इससे पहले हिंदू सेना प्रमुख ने राजस्थान के अजमेर स्थित मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह को संकटमोचन महादेव मंदिर बताते हुए कोर्ट में एक याचिका दायर की थी। कोर्ट ने याचिका को स्वीकार करते हुए केंद्रीय अल्पसंख्यक मंत्रालय, एएसआई और दरगाह कमिटी को नोटिस ▶10पर

भाजपा विधायक दल की बैठक में हुआ ऐलान

देवेंद्र फडणवीस होंगे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री

मुंबई, 04 दिसंबर (एजेंसियां)।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव नतीजे के बाद मुख्यमंत्री पद को लेकर लंबे समय से बरकरार सस्पेंस अब खत्म हो चुका है। भाजपा विधायक दल की बैठक में देवेंद्र फडणवीस को सर्वसम्मति से नेता चुन लिया गया है। इसके साथ ही यह तय हो गया है कि देवेंद्र फडणवीस ही महाराष्ट्र की महायुति सरकार के अगले मुख्यमंत्री होंगे। देवेंद्र फडणवीस 5 दिसंबर को मुंबई के आजाद मैदान में मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। मुख्यमंत्री के साथ दो उपमुख्यमंत्री निवर्तमान मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजित पवार भी शपथ ले सकते हैं। विधानमंडल दल का नेता चुने जाने के बाद आज शाम देवेंद्र फडणवीस, एकनाथ शिंदे और अजित पवार तीनों एक ही कार से राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से मिलने पहुंचे और सरकार बनाने का दावा पेश किया।

विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के 11 दिन बाद आज मुंबई में हुई भाजपा विधायक दल की बैठक में देवेंद्र फडणवीस के नाम पर सहमति बन गई है। एकनाथ शिंदे और अजित पवार राज्य के डिप्टी सीएम होंगे। हालांकि अभी डिप्टी सीएम को लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ भी नहीं कहा गया है। विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद फडणवीस ने कहा, मैं एकनाथ शिंदे और अजित पवार जी का शुक्रिया अदा करता हूं। हम सब मिल कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन को आगे बढ़ाएंगे। हमें यह बात भी याद रखनी है कि हम एक हैं तो सेफ हैं। फडणवीस ने कहा, हमें गर्व है कि 2019 के बाद एक भी विधायक ने हमें नहीं छोड़ा और सभी एक साथ रहे और हमने 2022 में सरकार बनाई। आज भी महायुति को ऐतिहासिक जनादेश मिला है। मोदी जी लगातार तीन बार प्रधानमंत्री बने हैं। मैंने वार्ड स्तर के नेता के रूप में शुरुआत की थी और अब मैं तीसरी बार मुख्यमंत्री भी बन गया हूं। पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह दोनों ने चुनावों के दौरान महाराष्ट्र भाजपा को भारी समर्थन और बढ़ावा दिया है। फडणवीस ने यह भी कहा, मैं आप सभी को बताना चाहता हूं कि आने वाले दिनों में कुछ चीजें हमारी इच्छा के अनुसार होंगी और कुछ चीजें हमारी इच्छा के खिलाफ होंगी, ▶10पर

फडणवीस, शिंदे और पवार एक साथ राज्यपाल से मिले

सरकार गठन का न्यौता मिला पांच को शपथ ग्रहण होगा

पीएम मोदी समेत कई हस्तियां शपथ ग्रहण में शरीक होंगी

निषेधाज्ञा के बावजूद राहुल गांधी ने संभल जाने की गैरकानूनी कोशिश की

राहुल ने कांग्रेसियों को उकसा कर लगवाया जाम

नई दिल्ली/गाजियाबाद, 04 दिसंबर (एजेंसियां)।

प्रशासन की पाबंदी के बावजूद कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने संभल जाने की बाल-हठ में गाजीपुर सीमा पर जाम लगा दिया और आम लोगों को घंटों परेशानी में डाला। नाराज लोगों ने राहुल गांधी मुर्दाबाद के नारे लगाए और कांग्रेसियों को पीटा। राहुल गांधी के इशारे पर कांग्रेसियों द्वारा लगाए गए जाम में कई जरूरतमंद लोग फंसे रहे।

नाराज राहगीरों ने कांग्रेसियों को कूटा

राहुल गांधी मुर्दाबाद के नारे लगाए

किसी का भाई मर गया, लेकिन वह समय पर घर नहीं पहुंच सका और कई लोगों की फ्लाइट छूट गई। लोगों की नाराजगी झेलने के बाद राहुल गांधी अपना मुंह लेकर वापस दिल्ली लौट गए। दिल्ली-उत्तर प्रदेश के गाजीपुर बॉर्डर पर घंटों तक भारी जाम लगा रहा। कई किलोमीटर तक वाहन फंसे रहे। राहुल गांधी के सियासी ड्रामे से आम लोगों को भीषण परेशानी उठानी पड़ी। कुछ मजबूर होकर रोने लगे। एसपी त्यागी नाम के 80 साल के बुजुर्ग ने बताया, मेरे भाई की मौत हो गई है। मुझे अंतिम संस्कार में जाना है। यहां एक घंटे से जाम लगा हुआ है। मैं फंसा हूं। इन्हीं मजबूरियों और परेशानियों के कारण आखिर लोगों का सब्र जवाब दे गया और उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं की पिटाई कर दी। राहुल गांधी मुर्दाबाद के नारे लगाए। जाम में फंसे नरेंद्र सिंह ने बताया कि वह अपनी बेटी को परीक्षा दिलाने के लिए मेरठ लेकर जा रहे थे, लेकिन जाम में फंस गए। कई लोग एयरपोर्ट नहीं पहुंच पाए और उनकी फ्लाइट छूट गई। ▶10पर

साइबर अपराध के खिलाफ की जा रही है कारगर कार्रवाई

6.69 लाख सिमकार्ड और 59 हजार व्हाट्सएप ब्लॉक किए गए

गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने संसद में दी जानकारी

नई दिल्ली, 04 दिसंबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने साइबर अपराधों से निपटने के लिए कई ठोस कदम उठाए हैं, जिनके अंतर्गत भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र प्रमुख भूमिका निभा रहा है। गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने मंगलवार को लोकसभा में बताया कि देश में साइबर अपराधों की रोकथाम और नागरिकों को सुरक्षित डिजिटल अनुभव प्रदान करने के लिए कई महत्वपूर्ण पहल की गई है।

साइबर धोखाधड़ी से जुड़े खातों पर सख्त कार्रवाई की गई है। अब तक 1,700 साइबर आईडी और 59,000 व्हाट्सएप अकाउंट ब्लॉक किए गए हैं। 6.69 लाख सिम कार्ड और 1.32 लाख आईएमईआई मोबाइल आईडी भी अवरुद्ध किए जा चुके हैं। आर्थिक धोखाधड़ी पर नियंत्रण के मामले में नागरिक वित्तीय साइबर धोखाधड़ी रिपोर्टिंग एवं प्रबंधन तंत्र के माध्यम से 9.94 लाख शिकायतकर्ताओं के 3,431 करोड़ रुपए बचाए गए हैं। बंडी संजय ने बताया कि राष्ट्रीय साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल आम ▶10पर

भारत में मोबाइल मालवेयर हमला सबसे अधिक

नई दिल्ली, 04 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत में दुनिया के किसी अन्य देश की तुलना में सबसे अधिक मोबाइल मालवेयर हमले हो रहे हैं। इस मामले में भारत ने अमेरिका और कनाडा को भी पीछे छोड़ दिया है। चिंताजनक बात है कि एचडीएफसी, आईसीआईसीआई और एक्सिस जैसे बड़े भारतीय बैंकों के मोबाइल ग्राहकों पर खतरा सबसे ज्यादा है। उन्हें निशाना बनाने के लिए फिशिंग के प्रयासों में बढ़ोतरी देखी गई है। ▶10पर

सुखबीर बादल पर हमला करने वाला खूंखार आतंकी

अमृतसर, 04 दिसंबर (एजेंसियां)।

स्वर्ण मंदिर में तनखैया की सजा काट रहे अकाली दल के नेता और पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल पर हमला हुआ। इस फायरिंग में बादल बाल-बाल बचे। फायरिंग करने वाले शख्स नारायण सिंह चौरा को वहां पर मौजूद लोगों ने पकड़ लिया। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है। हमलावर नारायण सिंह चौरा एक खालिस्तानी आतंकी है और जेल से आतंकियों को भगाने समेत हथियारों की सप्लाई तक के मामले में लिप्त रहा है। नारायण सिंह चौरा ने यह हमला तब किया जब सुखबीर सिंह बादल स्वर्ण मंदिर के गेट पर पहरेदार की ड्यूटी कर रहे थे। यह सेवा उन्हें अकाल तख़्त ने करने का आदेश दिया है। अकाल तख़्त ने सुखबीर बादल को तनखैया (धार्मिक मामलों में लापरवाही का दोषी) पाया है। ▶10पर

बांग्लादेश में हिंदुओं के उत्पीड़न पर बोले मुस्लिम धर्मगुरु

भारत का उपकार याद करो अत्याचार बंद करो: बुखारी

दिल्ली जामा मस्जिद के इमाम बुखारी ने यूनुस को लिखा पत्र

बांग्लादेश की हरकतों पर भारत में उबाल, विरोध प्रदर्शन जारी

नई दिल्ली, 04 दिसंबर (एजेंसियां)।

बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस की अगुवाई में मुस्लिम कट्टरपंथी लगातार हिंदुओं पर हमले कर रहे हैं। इन हमलों के विरोध में भारत में हिंदू समाज लगातार विरोध प्रदर्शन कर रहा है और बांग्लादेशी हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवाज उठा रहा है। इसी क्रम में अब दिल्ली स्थित जामा मस्जिद के इमाम सैयद अहमद बुखारी ने मुहम्मद यूनुस को पत्र लिखकर हिंदुओं पर हमले की निंदा की है। साथ ही बुखारी ने बांग्लादेश को भारत द्वारा दी गई सहायता की भी याद दिलाई है।

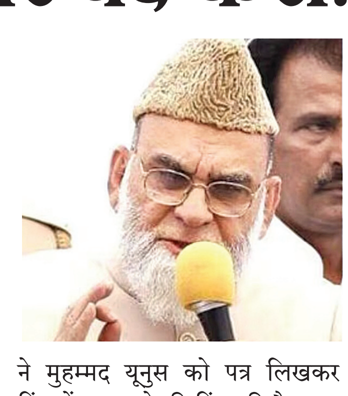

जामा मस्जिद के इमाम बुखारी ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के सलाहकार को लिखे पत्र में कहा है कि बांग्लादेश जब से बना है तब से शेख मुजीबुर रहमान, ▶10पर

सुनामगंज में हिंदुओं पर हमला: घर, दुकान मंदिर तोड़े

ढाका, 04 दिसंबर (एजेंसियां)।

बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस की अगुवाई वाली मुस्लिम कट्टरपंथी सरकार में इस्लामवादी बेखौफ होकर खुलेआम हिंदुओं की हत्या के लिए सड़कों पर घूम रहे हैं। वे हिंदुओं के घर, दुकानों और मंदिरों अंदर घुसकर तोड़फोड़ कर रहे हैं। ऐसी ही एक और वारदात सुनामगंज जिले से आ रही है, जहां सैकड़ों की संख्या में मुस्लिम कट्टरपंथी सड़कों-गलियों में चुन-चुनकर हिंदुओं के घरों पर हमले कर रहे हैं। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

दोगले प्रगतिशीलों को दिख नहीं रहा बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार

यूनुस और डीप स्टेट की साजिश है हिंदुओं पर अत्याचार

अगर आप हिंदू हैं और बांग्लादेश में रहते हैं, तो यह धरती पर नरक की जीवित परिभाषा है। 1946 के नोअखाली दंगों ने बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ मुस्लिम हिंसा की शुरुआत की थी, जो आज भी जारी है। बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ किए गए जघन्य अपराध दुनियाभर के सभी हिंदुओं के लिए एक चेतावनी हैं। ऐसा क्यों? तथाकथित मानवतावादी समूह या विभिन्न क्षेत्रों की मशहूर हस्तियां, विशेष रूप से कई बॉलीवुड सितारे, गाजा, सीरिया, लेबनान में जो कुछ हो रहा है उसका विरोध करने के लिए समय निकालते हैं, लेकिन पाकिस्तान, अफ़गानिस्तान और अब बांग्लादेश में हिंदू अत्याचार के खिलाफ कभी विरोध करते नहीं दिखाई देते। हिंदुओं के खिलाफ पाकिस्तान का अत्याचार खत्म नहीं हो रहा। हमने 1921 के मोपला नरसंहार के बारे में सुना और 1990 के कश्मीरी हिंदुओं के नरसंहार को देखा। आज हम अफगानिस्तान और बांग्लादेश में रोजाना हिंदुओं का अपार उत्पीड़न देख रहे हैं। क्या तथाकथित कुछ मानवतावादियों, कई भारतीय राजनीतिक दलों और कुछ देशों के लिए हिंदू होना बेकार है जो स्वार्थ के लिए आतंकवादी संगठनों की सहायता करते हैं? नोबेल पुरस्कार प्राप्त बांग्लादेश के अंतरिम प्रधानमंत्री मोहम्मद यूनुस के इशारे पर हो रहे अत्याचार बाकी दुनिया के लिए एक चेतावनी हैं कि कैसे एक आतंकवादी समर्थक और मानवता विरोधी व्यक्ति को नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है। मोहम्मद यूनुस शांतिदूत नहीं, बल्कि मानवता का कत्लेआम करने वाली है। क्या उसका नोबेल पुरस्कार रद्द नहीं कर दिया जाना चाहिए? ▶10पर

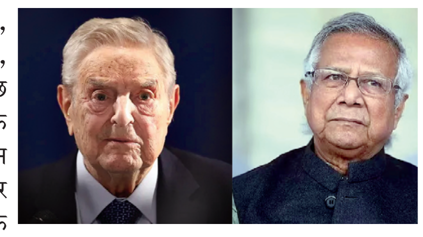

शुभ-लाभ चिंता

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 78,770/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 92,780/- (प्रति किलोग्राम)

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

जेबीएन वी-कनेक्ट रेफरल मीट का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जीतो बेंगलूरु नॉर्थ महिला विंग के अंतर्गत जेबीएन वी-कनेक्ट रेफरल मीट का आयोजन राज-ाजीनगर स्थित जीतो कार्यालय में किया गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व जेएलडब्ल्यू की मंत्री रक्षा छाजेड़ ने किया। जेसीआई बेंगलूरु सेंटर की संस्थापिका रक्षा ने अपना अनुभव साझा करते हुए बताया कि व्यवसाय को अगले स्तर पर ले जाने के लिए हमें अपने उद्देश्यों में स्पष्टता रखनी चाहिए। उन्होंने जोर दिया कि हमारा मिशन, विजन और मूल्य प्रणाली सटीक और मजबूत होना चाहिए। मुख्य प्रशिक्षक के रूप में लुक्स एंड नेल्स की संस्थापिका पायल वर्धन वर्धमान ने नाखूनों के महत्व और उनके व्यक्तित्व पर पड़ने वाले प्रभाव पर प्रकाश डाला। चंद्रा जैन ने शैक्षिक सूचनाओं के स्टॉल लगाने की महत्ता समझाते हुए बताया कि यह न केवल उनके लिए लाभदायक रहा, बल्कि दूसरों के लिए भी प्रेरणादायक साबित हो सकता है। कार्यक्रम की शुरुआत रेफरल प्रमुख सीमा शाह के स्वागत से हुआ। इसके बाद, रेफरल लीड मीना जैन ने बैठक की रिपोर्ट प्रस्तुत की और रेफरल मंत्री लीला पितलिया ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम के विशेष आकर्षण में, सभी जे.बी.एन. सदस्यों को इनोवेशन थीम के साथ 30 सेकेंड की व्यवसाय प्रस्तुति का अवसर मिला। सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वालों को सम्मानित किया गया, जिसमे चंद्रा जैन को सर्वश्रेष्ठ व्यवसाय दाता और जिया जैन को सर्वश्रेष्ठ रेफरल देने के लिए पुरस्कृत किया गया। इस कार्यक्रम में एक नए सदस्य को भी शामिल किया गया। बैठक में रेफरल की कुल संख्या 39, कुल कारोबार 3,20,519, लॉन्च के बाद से कुल कारोबार 28,37,509, वन-टू-वन की कुल संख्या 249 रही।

आत्मा का सच्चा सुख संयम में

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
बेंगलूरु प्रवास पर आए मुमुक्षु अक्षय मालू और मुस्कान धारीवाल ने कहा कि आत्मा का सच्चा सुख तो संयम में ही है। आत्मा के शाश्वत सुख की प्राप्ति हेतु हमें संयम चारित्र ग्रहण करना ही होगा। बिना चारित्र के आत्मा की मुक्ति असंभव है। जितनी छोटी आयु में हम दीक्षा ग्रहण करेंगे उतना ही अधिक समय हमें आत्मा की साधना हेतु प्राप्त होगा। मुमुक्षु भाई और बहन ने यह विचार डाकलिया निवास पर प्रस्तुत किए। संघ के ललित डाकलिया ने कहा कि सौभाग्य से ही मुमुक्षुओं का गृह आंगन में पदार्पण होता है। राकेश डाकलिया, ललित डाकलिया, नवजीवन बोहरा, संतोष डाकलिया, चन्द्रकला, कोमल आदि ने मुमुक्षुओं का तिलक, माला और स्मृति चिन्ह से बहुमान अभिनन्दन किया। मुमुक्षु अक्षय मालू सुपुत्र - वीर मातापिता शांतिदेवी बंशीधर मालू, बाड़मेर - बाछडाऊ निवासी जिनकी दीक्षा 16 फरवरी को बाड़मेर नगर में और मुमुक्षु मुस्कान धारीवाल सुपुत्री - वीर मातापिता गुड्डीदेवी बाबूलाल धारीवाल, चौहटन निवासी की दीक्षा 3 मार्च को चौहटन नगरी में खरतर गच्छाधिपति आचार्य भगवन्त श्री जिन मणिप्रभ सूरीश्वर जी की निश्रा और श्री विमलप्रभाजी की सान्निध्यता में होगी।

बल्लारी में मातृ मृत्यु

कर्नाटक के स्वास्थ्य सचिव ने आपूर्ति की गई रिंगर लैक्टेट बैचों की गुणवत्ता की जांच का किया आग्रह

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
गत 9 से 11 नवंबर के बीच बल्लारी जिला अस्पताल में चार मातृ मृत्यु की सूचना के बाद, खाद्य सुरक्षा आयुक्त के श्रीनिवास को राज्य औषधि नियंत्रण विभाग का प्रशासनिक प्रमुख नियुक्त किया गया है।

साथ ही, मैसूरु क्षेत्रीय कार्यालय के उप औषधि नियंत्रक बी पी अरुण को औषधि प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1940 के तहत लाइसेंसिंग नियंत्रण और अनुमोदन प्राधिकारी नियुक्त किया गया है।

इस बीच, कर्नाटक के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग के प्रधान सचिव हर्ष गुप्ता ने औषधि महानियंत्रक (भारत), स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय को पत्र लिखकर कहा है कि 9 से 11 नवंबर के बीच बल्लारी जिला अस्पताल में चार मातृ मृत्यु हुई हैं, जिसमें यह पाया गया है कि संबंधित निर्माता द्वारा आपूर्ति की गई कंपाउंड सोडियम लैक्टेट इंजेक्शन आई पी (रिंगर लैक्टेट आई पी) बैचों का अभी-अभी उपयोग किया गया था। मामले की जांच की जा रही है। उन्होंने संबंधित दवा की गुणवत्ता की जांच कराने तथा निर्माता और अन्य संबंधितों के खिलाफ प्राथमिकता के आधार पर आवश्यक कार्रवाई करने का आग्रह किया है। हर्ष गुप्ता ने यहां तक कहा है कि वे पश्चिम बंगाल के औषधि नियंत्रक और अधीनस्थ क्षेत्रीय अधिकारियों को संबंधित राज्य के अधिकारियों द्वारा विनिर्माण इकाई में जांच के दौरान सहयोग देने का निर्देश दें।

राज्य सरकार ने राज्यपाल से किया आग्रह

बीडीए मामले में येदियुरप्पा के खिलाफ मुकदमा चलाने पर पुनर्विचार करने की मांग

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक सरकार ने बुधवार को राज्यपाल को पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता बी.एस. येदियुरप्पा के खिलाफ बेंगलूरु विकास प्राधिकरण (बीडीए) मामले में मुकदमा चलाने पर पुनर्विचार करने का प्रस्ताव भेजा। कर्नाटक सरकार के इस कदम से विवाद खड़ा होने की संभावना है। मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) मामले में मुख्यमंत्री के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए राज्यपाल की सहमति के बाद सिद्धरामैया और उनके मंत्री टकराव की स्थिति में हैं। दिलचस्प बात यह है कि येदियुरप्पा के खिलाफ शिकायत सामाजिक कार्यकर्ता टी.जे. अब्राहम ने दर्ज कराई थी। अब्राहम उन तीन याचिकाकर्ताओं में से एक हैं जिन्होंने मुडा मामले में सीएम सिद्धरामैया के खिलाफ याचिका दायर की थी। 19 नवंबर, 2020 को अब्राहम ने भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के समक्ष भ्रष्टाचार निवारण (पीसीए) अधिनियम की धारा 7,8, 9, 10 और 13 और आईपीसी की धारा 120 बी, धन

शोधन निवारण अधिनियम की धारा 3 और 4 के तहत दंडनीय अपराध के लिए येदियुरप्पा, उनके परिवार के सदस्यों और सहयोगियों के खिलाफ शिकायत दर्ज की थी। उक्त शिकायत में येदियुरप्पा और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए गए थे। अब्राहम ने इस संबंध में आरोप लगाए थे और येदियुरप्पा की जांच के लिए राज्यपाल से मंजूरी मांगी थी। राज्यपाल ने येदियुरप्पा के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति देने से इनकार कर दिया, जबकि उनकी याचिका में 16 आरोप और बिंदु थे। मामला बेंगलूरु ईस्ट तालुक के बिदराहल्ली तालुक के कोडसापुरा में एक बीएचके और तीन बीएचके फ्लैटों के निर्माण के लिए बीडीए द्वारा जारी किए गए टेंडर से संबंधित है, जिसकी अनुमानित लागत 567 करोड़ रुपये है। बोली में भाग लेने वाली दो कंपनियों, रामलिंगम कंस्ट्रक्शन कंपनी और नागार्जुन कंस्ट्रक्शन कंपनी प्राइवेट लिमिटेड को इसके लिए शॉर्टलिस्ट किया गया था। रामलिंगम कंस्ट्रक्शन कंपनी ने 666 करोड़ रुपये की बोली लगाई, जो अनुमानित लागत 567 करोड़ रुपये से 99.22 करोड़ रुपये अधिक थी, जबकि नागार्जुन कंस्ट्रक्शन कंपनी ने 691 करोड़ रुपये की बोली लगाई, जो अनुमानित लागत से भी अधिक थी। मामले को पुनर्विचार के लिए सौंपने का निर्णय पिछले गुरुवार को लिया गया था और विधि एवं संसदीय कार्य मंत्री एच.के.पाटिल ने इसकी घोषणा की थी। राज्यपाल को यह सिफारिश करने का निर्णय लिया गया कि उन्हें अपने पिछले निर्णय की समीक्षा करनी चाहिए तथा मामले की पुनः जांच करनी चाहिए। यह भी सिफारिश की गई कि भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17 ए के तहत उन्हें येदियुरप्पा के खिलाफ आरोपों की जांच के लिए सहमति देनी चाहिए। सरकार ने कहा कि राज्यपाल द्वारा अभियोजन से इनकार करने के लिए कोई कारण नहीं बताया गया। सिद्धरामैया के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने पर अब्राहम के खिलाफ सरकार की आल-ोचना के बारे में पूछे जाने पर, मंत्री एच.के. पाटिल ने कहा मामला अदालत में है और मैं इस पर चर्चा नहीं करूंगा। मैं व्यक्ति के बारे में भी चर्चा नहीं करूंगा। व्यक्तित्व का कार्य और क्रियाकलाप महत्वपूर्ण है, व्यक्ति नहीं।

बिहार भवन में राजेन्द्र जयंती मनायी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राजेन्द्र बाबू मेमोरियल ट्रस्ट और श्री सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार शाम भारत के प्रथम राष्ट्रपति रत्न डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की 140वीं जयंती धूमधाम से मनायी गई।

इस अवसर पर ट्रस्ट के अध्यक्ष राजेश्वर सिंह, ट्रस्टी हरीश चन्द्र झा, परिषद के अध्यक्ष एस के उपाध्याय, मंटू दूबे, प्रवीण उपाध्याय, उदय कुमार, रवि कुमार, राहुल झा, प्रभात मिश्रा, आशीष मिश्रा एवं महिला मंडल की ओर से डेजी शर्मा, बिन्दु शर्मा, निधि श्रीवास्तव, अपर्णा शर्मा आदि ने राजेन्द्र बाबू की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दिए और डॉ. राजेन्द्र बाबू के व्यक्तित्व, कृतित्व, शिक्षा, दीक्षा, योग्यता और उनके योगदान के संबंध में विचार व्यक्त किए। परिषद सचिव पंडित राजगुरु ने यह जानकारी दी।

गदग/शुभ लाभ ब्यूरो। *राज्य के कानून एवं संसदीय कार्य मंत्री एच के पाटिल व राजस्व मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा ने गदग का दौरा किया। गदग के सर्किट हाउस में आयोजित बैठक में रोण विधायक जी एस पाटिल, पूर्व विधायक डी आर पाटिल, प्रधानमंत्री 15 सूत्रीय अल्प संख्यक कल्याण कार्यक्रम राज्य समिति सदस्य महेन्द्र सिंघी सहित अन्य ने हिस्सा लिया। बैठक में सभी ने उत्तर कर्नाटका के सभी जिलों में विभिन्न समुदायों के लिए उचित दर पर श्मशान भूमि मुहैया कराने का आग्रह किया। उनकी मांगों पर मंत्रियों ने उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। इस दौरान गदग जिलाधिकारी एवं ग्राम पंचायत मुख्य सचिव सहित अन्य उपस्तिथ थे।*

महिलाओं ने सतीश जारकीहोली को घेरा

बेलगावी में माइक्रो फाइनेंस संस्थान द्वारा ठगे जाने की शिकायत की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
शहर में सैकड़ों महिलाओं ने बेलगावी में जिला प्रभारी मंत्री सतीश जारकीहोली को घेर लिया और एक माइक्रो फाइनेंस संस्थान के खिलाफ शिकायत की, जिस पर उन्होंने आरोप लगाया कि उन्होंने उनके साथ धोखाधड़ी की है। महिलाएं संगोली रायन्ना सर्कल स्थित कांग्रेस भवन के बाहर एकत्र हुईं और मंत्री से न्याय की गुहार लगाई। मंत्री ने उन्हें जांच शुरू करने और उनकी बचत वापस दिलाने में मदद करने के लिए उचित कानूनी कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। महिलाओं के अनुसार, बेलगावी तालुक के हलभवी गांव की यल्लव्वा बन्नीबाग ने रानी चेन्नम्मा ग्रामीण माइक्रो फाइनेंस कंपनी बनाई थी। यल्लव्वा बन्नीबाग ने कई गांवों में स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) बनाए थे और करीब 150 समूहों में करीब 3,000 महिलाओं को संगठित किया था। उन्हें हर हफ्ते पैसे बचाकर कंपनी में जमा करना सिखाया गया था।

महिलाओं को बताया गया कि वे आसानी से बैंक से लोन ले सकती हैं। कंपनी ने महिलाओं के नाम पर लोन तो लिया, लेकिन पैसे महिलाओं के खातों में जमा नहीं किए। महिलाओं को इस बात का पता तब चला जब उन्हें कई वित्तीय संस्थानों से नोटिस मिले। कुछ महिलाएं यल्लव्वा बन्नीबाग से स्पष्टीकरण मांगने माइक्रो फाइनेंस कंपनी गईं। लेकिन वे नहीं मिलीं। कंपनी में जमा किए गए पैसे भी गायब हो गए। उन्होंने काकती पुलिस स्टेशन में यल्लव्वा बन्नीबाग के खिलाफ पुलिस शिकायत दर्ज कराई।

इसी बीच मंगलवार को उन्होंने मंत्री से मुलाकात की और अपनी मेहनत की कमाई वापस पाने में मदद मांगी। मंत्री ने वादा किया कि उनकी समस्याओं का समाधान किया जाएगा। उन्होंने कहा मैं आपके साथ हूं, और कर्नाटक सरकार आपके साथ है। मैंने पहले ही पुलिस आयुक्त से बात की है और उन्हें उचित जांच करने के लिए कहा है। कृपया शीतकालीन सत्र के अंत तक हमारे साथ बने रहें। मैं व्यक्तिगत रूप से विभिन्न अधिकारियों के साथ इस मुद्दे पर चर्चा करूंगा और आपके पैसे वापस पाने का प्रयास करूंगा। पुलिस उपायुक्त रोहन जगदीश ने कहा कि काकती पुलिस स्टेशन के अधिकारियों ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है।

दिल्ली में सत्ता साझेदारी पर हो सकते हैं समझौते: सतीश जारकीहोली

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
लोक निर्माण मंत्री सतीश जारकीहोली ने कहा है कि दिल्ली में मुख्यमंत्री के बीच समझौते या कुछ सत्ता साझेदारी की संभावनाएं हैं, लेकिन इस बारे में हमारे पास ज्यादा जानकारी नहीं है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए उन्होंने कहा हममें से कोई नहीं जानता कि दिल्ली में क्या चर्चा हुई। लेकिन समझौतों को लेकर चर्चा हो रही है। मैंने यह बयान छह महीने पहले दिया था। उन्होंने कहा कि यह कोई नई बात नहीं है कि केपीसीसी अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने एक निजी साक्षात्कार में सत्ता साझेदारी फॉर्मूले के बारे में संकेत दिया। उन्होंने कहा कि यहां के किसी भी नेता को नहीं पता कि सत्ता सा-झेदारी को लेकर किस तरह की बातचीत हुई और यह बातचीत सिद्धरामैया और डी.के.शिवकुमार के बीच थी और इस मामले के बारे में सिर्फ आलाकमान को ही पता है। हम ही नहीं पूर्व सांसद डीके सुरेश ने भी कहा कि सिद्धरामैया 5 साल तक मुख्यमंत्री रहे। हम नहीं जानते कि हासन में सम्मेलन के मंच पर डीके शिवकुमार के बयान का मकसद क्या था। उन्होंने कहा कि डीके

शिवकुमार को खुद इस बारे में स्पष्टीकरण देना चाहिए। सीएम, डीसीएम समेत किसी भी अधिकार के बारे में हाईकमान को निर्णय लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि अभी तक दिल्ली से कोई सूचना नहीं है। वह 2028 के लिए मुख्यमंत्री पद के आकांक्षी हैं। उस स्थिति में हमारे साथ और अधिक प्रतिस्पर्धी आने की संभावना है। इच्छा हर किसी के लिए स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि पार्टी स्थिति के आधार पर फैसला लेगी। हासन में कांग्रेस का अधिवेशन चल रहा है। सम्मेलन का मूल उद्देश्य पार्टी को मजबूत करना है। उस संबंध में एक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। मुडा मामले में निष्पक्ष जांच चल रही है। उचित कार्रवाई की जायेगी। भाजपा बेवजह बदनामी कर रही है। इसका जवाब न्यायिक संघर्ष से दिया जायेगा।

कुमावत समाज मागडी रोड की कार्यकारिणी का गठन

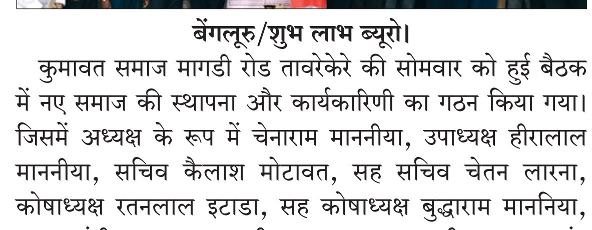

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कुमावत समाज मागडी रोड तावरेकेरे की सोमवार को हुई बैठक में नए समाज की स्थापना और कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें अध्यक्ष के रूप में चेनाराम माननीया, उपाध्यक्ष हीरालाल माननीया, सचिव कैलाश मोटावत, सह सचिव चेतन लारना, कोषाध्यक्ष रतनलाल इटाडा, सह कोषाध्यक्ष बुद्धाराम माननिया, प्रचार मंत्री कालूराम माननीया, माधुराम दुबलदीया, मानकचंद माननीया, सलाहकार मंत्री सोहनलाल अडानिया, रामनारायण कुद्दाल, धर्माराम गेंदर, मोतीलाल मेरोता, सोहनलाल मावर, व्यवस्थापक मंत्री सुरेश कारवाल, कालूराम धनेरिया एवं गैर मंडली अध्यक्ष के रूप में पाचाराम आदि को नियुक्त किया गया। यह कार्यकारिणी संत श्री पुखराज जी के सानिध्य एवं सर्व कुमावत के अध्यक्ष की मौजूदगी में नई समाज का गठन किया गया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *जनमन कन्नड़ संघ द्वारा बेंगलूरु के श्रीनगर में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों को शिक्षण सामग्री वितरित किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत एवं संघ के पदाधिकारी मौजूद थे।*

वक्फ नीति के खिलाफ बीदर में राज्यव्यापी संघर्ष शुरू

किसानों, हिंदुओं से क्यों नाराज हैं सीएम? विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई.विजयेंद्र ने कहा कि मैसूरु मुडा घोटाले के मुद्दे पर सदन में चर्चा नहीं होने दी गई। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि कोई घोटाला नहीं है। उन्होंने कहा कि कोई अवैधानिकता नहीं है। लेकिन हमारी पदयात्रा के बाद सीएम पद जाने के डर से उन्होंने 14 सीटें वापस कर दी।

उन्होंने बुधवार को बीदर में वक्फ संबंधी संघर्ष की शुरुआत करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री ने कहा था कि उन्हें अपनी पत्नी का मुडा स्थित 14 प्लॉट वापस करने के लिए 62 करोड़ रुपये देने होंगे। भाजपा के संघर्ष का ही नतीजा है कि सीएम की पत्नी ने बिना एक भी रुपया लिए अवैध साइटों को वापस करने के लिए पत्र लिखा।

यह समझाने के अलावा कि मंत्री जमीर अहमद खान ने मुख्यमंत्री के आदेश पर किसानों की जमीन को वक्फ के नाम करने का निर्देश दिया था, उन्होंने पूछा कि क्या सिद्धरामैया किसानों और हिंदुओं से नाराज हैं। हजारों साल के इतिहास वाले एक मंदिर को ऐसा नोटिस मिला है। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि वे गांव-गांव को एक करने का काम कर रहे हैं। उन्होंने आपत्ति जताई कि वे पीढ़ी दर पीढ़ी खेती करने वाले किसानों को परेशान कर रहे हैं। देश और प्रदेश की जनता को चावल उपलब्ध कराने वाले किसानों को कांग्रेस सरकार सड़क पर ला रही है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर मैं और हमारे सभी नेता प्रदेशभर में आर-पार की लड़ाई के लिए तैयार हैं।

यह सरकार, जो सत्ता का स्तंभ है, पैसे से भरपूर है और किसानों की आंखों में आंसू लाती है। किसानों के पक्ष में नहीं है। भाजपा आपके लिए लड़ेगी। उन्होंने चेतावनी दी कि वह किसानों के लिए लड़ेंगे और सिद्धरामैया को सबक सिखाएंगे।

शक्ति शाश्वत नहीं है। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री येदियुरप्पा भले ही मुख्यमंत्री नहीं हैं, लेकिन किसानों के लिए काम कर रहे हैं। वक्फ कानून को लेकर किसानों को चिंता करने की जरूरत नहीं। उन्होंने कहा कि भाजपा आपके पक्ष में है। उन्होंने ऐलान किया कि वह जिलाधिकारी कार्यालय जाकर याचिका दायर करेंगे। उन्होंने कहा कि हमारी जमीन हमारा अधिकार है। सिद्धरामैया सरकार ने अनुसूचित जाति और जनजाति के लिए निर्धारित धन का दुरुपयोग किया है। उन्होंने बताया कि हमने वाल्मीकि विकास निगम के घोटाले के खिलाफ भी लड़ाई लड़ी है। उन्होंने कहा कि हमने अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित राशि हड़पने और दुरुपयोग करने के मामले में मंत्री से इस्तीफे की मांग की थी। मुख्यमंत्री ने शुरू में कहा था कि वाल्मीकि निगम में कोई गड़बड़ी नहीं हुई है। भाजपा की जद्दोजहद के बाद सिद्धरामैया ने सदन में घोटाले के बारे में माना। मंत्री को जेल जाने की नौबत आ गई। उन्होंने कहा कि यह भाजपा के संघर्ष का नतीजा है। इस मौके पर पूर्व केंद्रीय मंत्री भगवंत खूबा, पूर्व उप मुख्यमंत्री डॉ. अश्वथ नारायण, पूर्व मंत्री बी. श्रीरामुलु, मुरुगेश निरानी, बैरती बसवराज, प्रभु चौहान, रेणुकाचार्य, राज्य के प्रमुख सचिव पी. राजीव, विधायक शैलेन्द्र बेलदेले, शरणु पाटिल और अन्य प्रमुख लोग उपस्थित थे।

मुडा घोटाला मामला

ईडी द्वारा सीएम सिद्धरामैया के खिलाफ कार्रवाई शुरू करने की संभावना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) घोटाले के मामले में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के खिलाफ ठोस सबूत इकट्ठा करने के बाद उनके खिलाफ कार्रवाई शुरू करने की तैयारी कर रहा है। सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। याचिकाकर्ता स्नेहमयी कृष्णा द्वारा जांच एजेंसी में शिकायत दर्ज कराने के बाद ईडी के अधिकारियों ने मुडा घोटाले के संबंध में धन के लेन-देन और हवाला लेनदेन के बारे में जानकारी एकत्र की है। ईडी ने पहले ही अपने निष्कर्षों पर कर्नाटक लोकायुक्त को एक पत्र लिखा है और सीएम सिद्धरामैया की पत्नी पार्वती को मुआवजे के रूप में कथित अवैध रूप से भूखंड आवंटित करने के बारे में जानकारी साझा की है। सूत्रों के अनुसार, ईडी ने सीएम सिद्धरामैया के परिवार और समर्थकों को हजारों भूखंडों के अवैध आवंटन के सबूत एकत्र किए हैं। इससे पहले ईडी के अधिकारियों ने सीएम के साले मल्लिकार्जुन स्वामी और जमीन के मालिक जे. देवराजू से पूछताछ की थी। आरटीआई कार्यकर्ता गंगाराजू ने भी मुडा मामले से जुड़े अहम दस्तावेज ईडी को सौंपे थे। सूत्रों ने यह भी पुष्टि की कि कर्नाटक सरकार ने ईडी की कार्रवाई से बचने के लिए मुडा द्वारा अनुमोदित 48 आवासीय भूखंडों को रद्द कर दिया है। पूर्व मुडा आयुक्त दिनेश कुमार ने ये आवंटन किए, जिससे राज्य के खजाने को भारी नुकसान हुआ। करोड़ों की कीमत वाली ये जगहें कथित तौर पर 4 से 5 लाख रुपये में आवंटित की गईं। सूत्रों ने बताया कि ये जगहें एक गैर-मौजूद सहकारी समिति के नाम पर वितरित की गईं और मैसूरु के पूर्व डिप्टी कमिश्नर राजेंद्र ने इसे बड़ा घोटाला बताया और एक रिपोर्ट भी पेश की। दत्तागली लेआउट में स्थित भूखंडों को दिसंबर 2023 में मुडा की आम बैठक के दौरान आवंटित किया गया था। सूत्रों ने बताया कि शहरी विकास सचिव के. लता ने सीएम सिद्धरामैया के निर्देशों के बाद यह आदेश जारी किया। ईडी ने हाल ही में कर्नाटक लोकायुक्त विभाग को भेजे गए एक पत्र में दावा किया कि मुडा ने बेनामी और ऐसे अन्य लेन-देन में कुल 1,095 साइटों को अवैध रूप से आवंटित किया है। एजेंसी ने यह भी दावा किया है कि उसे इस बात के सबूत मिले हैं कि सीएम सिद्धरामैया के सहायकों में से एक, एस. जी. दिनेश कुमार उर्फ सी. टी. कुमार ने इस प्रक्रिया में अनुचित प्रभाव का इस्तेमाल किया। प्रवर्तन निदेशालय की जांच में पाया गया कि अधिकांश आवंटन बेनामी या नकली व्यक्तियों के नाम पर भूमि खोने वालों की आड़ में किए गए हैं। हालांकि, इन अवैध आवंटनों के लाभार्थी रियल एस्टेट व्यवसायी और प्रभावशाली व्यक्ति हैं।

कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष विजयेंद्र ने मुडा मामले में ईडी जांच की सराहना की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने बुधवार को कहा कि मुडा घोटाले में अवैध भूमि आवंटन के विवाद ने पहले ही मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की भूमिका को उजागर कर दिया है, जिसके पीछे सबूत मौजूद हैं, जिसमें यह भी शामिल है कि उनके परिवार को 14 प्लॉट आवंटित किए गए और हजारों प्लॉट लूटे गए। इन रिकॉर्ड के आधार पर, उच्च न्यायालय ने अभियोजन की अनुमति देने के राज्यपाल के फैसले को बरकरार रखा, जिससे खुली जांच संभव हो सकी। विजयेंद्र ने कहा जिला आयुक्तों ने सरकार को पत्र लिखकर कहा था कि मुडा घोटाले से राज्य को हजारों करोड़ का नुकसान हुआ है। इसके बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने वास्तविक स्थिति पर प्रकाश डालने के लिए जांच शुरू की। उन्होंने आरोप लगाया कि जांच में लोकायुक्त के निर्देश ने संदेह पैदा किया है, वहीं ईडी के निष्कर्षों ने मुख्यमंत्री के मुखौटे के पीछे की वास्तविकता को और उजागर कर दिया है। इन सबके बावजूद, सीएम सिद्धरामैया दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के दृष्टिकोण के समान अपने राजनीतिक पैंतरेबाजी को जारी रखने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं, जैसे कि उन्होंने कसम खाई हो कि भले ही मैं जेल चला जाऊं, लेकिन मैं मुख्यमंत्री की कुर्सी नहीं छोड़ूंगा। सिद्धरामैया के खिलाफ कार्रवाई करने में कांग्रेस हाईकमान की असमर्थता कर्नाटक की राजनीति की दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि ईडी द्वारा प्रारंभिक चरण में की गई जांच में 700 करोड़ रुपये से अधिक की अनियमितताओं का पता चला है। विजयेंद्र ने मामले में लोकायुक्त पुलिस द्वारा की गई जांच पर भी संदेह जताया। कलबुर्गी में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा हम कहते रहे हैं कि मुडा घोटाला मुख्यमंत्री के परिवार को 14 साइटों के आवंटन तक सीमित नहीं है। मैंने पहले भी कहा था कि यह सैकड़ों करोड़ रुपये का घोटाला है। उन्होंने कहा कि उनका बयान महज आरोप नहीं था, बल्कि ईडी की जांच से अब यह साबित हो गया है। ईडी ने निष्पक्ष जांच की है। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि मुडा साइट आवंटन में 700 करोड़ रुपये से अधिक का घोटाला हुआ है। उन्होंने कहा कि ईडी ने पाया है कि सीएम की पत्नी पार्वती बी एम को 14 साइटों के आवंटन में अनियमितताएं हुई हैं। केंद्रीय एजेंसी ने हाल ही में कर्नाटक लोकायुक्त विभाग को भेजे गए एक संचार में यह भी दावा किया कि उसकी जांच में यह भी पाया गया है कि मुडा ने बेनामी और अन्य ऐसे लेनदेन में कुल 1,095 साइटों को अवैध रूप से आवंटित किया था। एजेंसी ने यह भी दावा किया है कि उसे इस बात के सबूत मिले हैं कि सिद्धरामैया के निजी सहायकों में से एक, एस जी दिनेश कुमार उर्फ सीटी कुमार ने इस प्रक्रिया में अनुचित प्रभाव डाला था।

स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा के लिए सरकार जिला टास्क फोर्स का करेगी गठन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य सरकार ने डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों के खिलाफ हिंसा और यौन उत्पीड़न की घटनाओं से निपटने के लिए जिला टास्क फोर्स गठित करने का फैसला किया है। अधिकारियों ने मंगलवार शाम को इस संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सोमवार को मुख्य सचिव शालिनी रजनीश की अध्यक्षता में राज्य टास्क फोर्स की पहली बैठक में यह फैसला लिया गया। अधिकारियों ने बताया कि बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने अधिकारियों को जिला टास्क फोर्स गठित करने, ऐसी घटनाओं से तुरंत निपटने के लिए नियमित बैठकें आयोजित करने और सरकार को विस्तृत रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया। चिकित्सा शिक्षा विभाग के निदेशक को डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों के खिलाफ हिंसा और यौन उत्पीड़न को रोकने के लिए प्रोटोकॉल और मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करने का काम सौंपा गया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया ये टास्क फोर्स प्रत्येक जिले में उपायुक्त की अध्यक्षता में गठित की जाएंगी। बैठक में मौजूद निजी अस्पतालों के प्रतिनिधियों ने डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की सुरक्षा बढ़ाने के उपायों पर भी चर्चा की।

नाबालिग छात्रा से बलात्कार के आरोप में शिक्षक गिरफ्तार

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो। पुलिस ने बुधवार को बताया कि जिले के यादरामी कस्बे में एक निजी स्कूल के शिक्षक को नाबालिग छात्रा के साथ कथित तौर पर बलात्कार करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पांचवीं कक्षा में पढ़ने वाली लड़की का यौन उत्पीड़न करने के आरोप में उस व्यक्ति पर यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। घटना के प्रकाश में आने के बाद मंगलवार शाम को कस्बे में तनाव की स्थिति रही और छात्रों, शिक्षकों और विभिन्न संगठनों ने अपराधी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया।

प्रताड़ित किए जाने के कारण व्यवसायी महिला की आत्महत्या मामला

कोर्ट ने जांच के लिए सीबीआई और राज्य पुलिस के अधिकारियों वाली एक अनूठी एसआईटी गठित की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने एक अनोखे आदेश में एक व्यवसायी महिला की मौत की जांच के लिए केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और राज्य पुलिस विभाग दोनों के अधिकारियों वाली एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) गठित की है। मृतक कर्नाटक भोवी विकास निगम में कथित रूप से 196 करोड़ के घोटाले में आरोपी थी। उसने 22 नवंबर को कथित रूप से आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) के जांच अधिकारी द्वारा पूछताछ के दौरान प्रताड़ित किए जाने और रिश्वत मांगे जाने के कारण आत्महत्या कर ली थी। न्यायमूर्ति एम. नागप्रसन्ना ने पुलिस उपाधीक्षक कनकलक्ष्मी बी.एम. द्वारा दायर एक याचिका को खारिज करते हुए यह आदेश पारित किया, जिन्होंने बीएनएस की धारा 108 और भ्रष्टाचार निवारण मामले के तहत आत्महत्या के लिए उकसाने के लिए उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज किए जाने को चुनौती दी थी। इसके अलावा, अदालत ने एडवोकेट्स एसोसिएशन, बेंगलूरु की याचिका को भी खारिज कर दिया, जिसमें निष्पक्ष जांच के लिए कनकलक्ष्मी के खिलाफ दर्ज मामले की जांच सीबीआई को सौंपने की मांग की गई थी। एसआईटी का नेतृत्व सीबीआई के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, बेंगलूरु के पुलिस अधीक्षक विनायक वर्मा करेंगे। अन्य सदस्य अक्षय एम. हाके, डिप्टी कमांडेंट जनरल, होम गार्ड्स, बेंगलूरु और निशा जेम्स, पुलिस अधीक्षक, आंतरिक सुरक्षा प्रभाग, बेंगलूरु हैं। अदालत ने एसआईटी को तुरंत जांच अपने हाथ में लेने और तीन महीने के भीतर अदालत को जांच रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया। भोवी कॉरपोरेशन घोटाले मामले में आरोपी नंबर 8 के तौर पर पेश किए गए अनिका एंटरप्राइजेज के मालिक जीवा एस ने 22 नवंबर को आत्महत्या कर ली थी। 13 पन्नों के नोट में उन्होंने एक पुलिस अधिकारी द्वारा प्रताड़ित करने और 25 लाख रुपये की रिश्वत मांगने का आरोप लगाया था। अदालत ने फिलहाल एसआईटी को कनकलक्ष्मी के खिलाफ यातना के आरोपों की जांच करने का निर्देश दिया है। साथ ही एसआईटी को 25 लाख रुपये की मांग के आरोप के संबंध में उपलब्ध सामग्री की जांच करने और जांच के दौरान उपलब्ध सामग्री के आधार पर कानून के अनुसार पीसी अधिनियम के तहत आगे बढ़ने के लिए कहा है क्योंकि पीसी अधिनियम के तहत जांच शुरू करने के लिए सक्षम प्राधिकारी से पूर्व मंजूरी आवश्यक है।

दक्षिण कन्नड़ में भारी बारिश से नुकसान

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। चक्रवात फेंगल के कारण मंगलवार को दक्षिण कन्नड़ (डीके) जिले में भारी बारिश हुई, जिससे व्यापक नुकसान हुआ। हालांकि, दिन में बारिश की तीव्रता कम हो गई, लेकिन इसका असर कई इलाकों में महसूस किया गया। एहतियात के तौर पर, जिले में आंगनवाड़ी, स्कूल और पीयू कॉलेज मंगलवार को बंद घोषित कर दिए गए। मेंगलूरु शहर के कई निचले इलाकों में जलभराव, घरों और दुकानों में पानी भर जाना और परिसर की दीवारें ढह जाना, जिससे निवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। टीएमए पाई हॉल के पास कोडियालबेल, भगवती नगर रोड, कोडियालगुट्टू रोड, कोटारा, कोटारा चौकी और मालेमर जैसे इलाकों में जलभराव की गंभीर समस्या का सामना करना पड़ा। बेजई, करंगलपडी, जप्पू और अन्य स्थानों पर संपत्तियों को भी नुकसान पहुंचा। कोडियालगुट्टू में, एक तूफानी नाले के साथ एक रिटेनिंग दीवार ढह गई। भूस्खलन ने बाजपे-आद्यापडी सड़क संपर्क को बाधित कर दिया, जबकि बंटवाल तालुक के अराल गांव में एक घर को नुकसान पहुंचा। मेंगलूरु बंदरगाह पर सोमवार रात को तेज हवाओं के कारण लंगर डाले मछली पकड़ने वाली नावें बह गईं। कुलूर में गैस पाइपलाइन के लिए खोदे गए गड्ढे में बारिश का पानी भर गया, जिससे सुरक्षा को खतरा पैदा हो गया। अरनथोडु के पेराजे जंक्शन पर तेज हवा और बारिश ने एक ऑटो स्टैंड को क्षतिग्रस्त कर दिया, जिससे ऑटो-रिक्शा चालकों को अपने वाहन सड़क किनारे पार्क करने पड़े। बाजपे हवाई अड्डे पर पिछले 24 घंटों में 156 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है। मूडबिद्री में सोमवार को तेज हवाओं के कारण पलाडका के राममोहन नगर कॉलोनी में लीला शेट्टी के घर पर एक बड़ा पेड़ गिर गया। घर को भारी नुकसान पहुंचा, लेकिन किसी के घायल होने की खबर नहीं है। स्थानीय लोगों ने तुरंत गिरे हुए पेड़ को हटाने में मदद की। कदंडले गांव में, बिजली गिरने से नारियल के पेड़ पर होन्नम्मा गौड़ती का घर और उनके बिजली के उपकरण क्षतिग्रस्त हो गए। पुत्तूर में, भारी बारिश के कारण बंटवाल तालुक के अराल गांव के कंदाबेट्टू में राधा के घर की दीवार गिर गई। टाइल वाली छत और पत्थर की ईंट की दीवारें आंशिक रूप से नष्ट हो गईं, लेकिन किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

सुनवाई से एक दिन पहले ईडी द्वारा लोकायुक्त को लिखे गए पत्र का उद्देश्य न्यायालय को प्रभावित करना: सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने बुधवार को कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मुडा साइट आवंटन से संबंधित जांच पर कर्नाटक उच्च न्यायालय में सीएम की याचिका पर सुनवाई से एक दिन पहले न्यायालय को प्रभावित करने के इरादे से लोकायुक्त को पत्र लिखा था। मांड्या जिले के के आर पेट तालुक के पास हेलीपैड पर पत्रकारों से बात करते हुए सिद्धरामैया ने कहा कि इस मामले में ईडी की जांच कानून के अनुसार नहीं चल रही है। उन्होंने कहा उन्हें रिपोर्ट लोकायुक्त को सौंप देनी चाहिए थी। इसके बजाय, लोकायुक्त को पत्र लिखना और उसे मीडिया में लीक करना राजनीतिक मकसद है। उन्होंने कहा हमारी याचिका पर गुरुवार को उच्च न्यायालय में सुनवाई होनी है। न्यायालय को प्रभावित करने के लिए सुनवाई से एक दिन पहले इसे मीडिया में प्रचारित करने के पीछे दुर्भावनापूर्ण इरादा और राजनीतिक मकसद है। सीएम ने कहा कि कोर्ट ने लोकायुक्त को 24 दिसंबर से पहले रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है। ईडी को लोकायुक्त के साथ रिपोर्ट की समीक्षा करने का प्रावधान है। राज्य के लोग इसके पीछे की मंशा समझ सकते हैं। कैबिनेट फेरबदल पर पूछे गए सवाल पर सिद्धरामैया ने पूछा क्या मैंने कहा कि कैबिनेट में फेरबदल होगा? यह सब मीडिया की अटकलें हैं। हाईकमान ने इस पर कोई निर्देश नहीं दिया है। हासन में कांग्रेस सम्मेलन पर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा यह पार्टी का कार्यक्रम है। इस मौके पर मंत्री एन चालुवरायस्वामी और के एन राजन्ना मौजूद थे।

कोर्ट ने बीडीए को 15-मंजिला आवासीय टावर को गिराने का दिया निर्देश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने बेंगलूरु विकास प्राधिकरण (बीडीए) को निर्देश दिया कि यदि बिल्डर अवैध रूप से निर्मित दो मंजिलों को हटाने में विफल रहता है, तो वह पूरे आवासीय भवन टावर को ध्वस्त करने की योजना तैयार करे। यह आदेश बेंगलूरु के पीन्या क्षेत्र में आईबीसी प्लेटिनम सिटी से संबंधित है, जहां शेरिफ कंस्ट्रक्शन ने आवश्यक मंजूरी प्राप्त किए बिना आठ अपार्टमेंट टावरों में से एक की 14वीं और 15वीं मंजिलों का अवैध रूप से निर्माण किया था। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने बेंगलूरु बीडीए को निर्देश दिया कि यदि बिल्डर अवैध रूप से निर्मित दो मंजिलों को हटाने में विफल रहता है, तो वह पूरे आवासीय भवन टावर को ध्वस्त करने की योजना तैयार करे।

मनी कंट्रोल की एक रिपोर्ट के अनुसार, 25 नवंबर को न्यायालय ने बीडीए को निर्देश दिया कि यदि भवन उपनियमों का अनुपालन नहीं किया जाता है, तो वह पूरे भवन को खाली करने और ध्वस्त करने की योजना बनाए। मामले की अगली सुनवाई 11 दिसंबर को निर्धारित है। बेंगलूरु विकास प्राधिकरण को यह सुनिश्चित करने के लिए बेदखली और विध्वंस की योजना तैयार करने का निर्देश दिया जाता है कि विकास लागू भवन नियमों के अनुरूप हो। इसने यह भी फैसला सुनाया कि विध्वंस के कारण खरीदारों को होने वाले किसी भी वित्तीय नुकसान की भरपाई डेवलपर को विध्वंस के समय अपार्टमेंट के मूल्य के आधार पर करनी होगी। शेरिफ कंस्ट्रक्शन ने शुरू में दो अनधिकृत मंजिलों को ध्वस्त करने का वादा किया था, लेकिन बाद में दावा किया कि ऐसा करने से टावर की संरचनात्मक स्थिरता कमजोर हो जाएगी। हालांकि, अदालत ने इस बात पर प्रकाश डाला कि 2013 में मामला शुरू होने के बाद से डेवलपर को इन उल्लंघनों को सुधारने के लिए कई अवसर प्रदान करने के बावजूद, फर्म समाधान प्रक्रिया में देरी करती दिख रही है। बेंगलूरु सिटी फ्लैट ओनर्स वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल कलगी ने बताया कि विकास में सभी आठ टावरों का निर्माण स्वीकृत भवन योजना के उल्लंघन में किया जा रहा था। उन्होंने कहा उच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि यदि डेवलपर संरचनात्मक चिंताओं के कारण शीर्ष दो मंजिलों को ध्वस्त नहीं कर सकता है, तो उन्हें पूरी इमारत को ध्वस्त करना चाहिए और उप-नियमों के अनुसार इसका पुनर्निर्माण करना चाहिए।

कांग्रेस के हासन में होने वाले सम्मेलन को लेकर हमें कोई चिंता नहीं : एचडी रेवन्ना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व मंत्री और विधायक एचडी रेवन्ना ने कहा कि कांग्रेस के हासन में होने वाले सम्मेलन को लेकर हमें कोई चिंता नहीं है। अगर जेडीएस को निशाना बनाकर कोई सम्मेलन करना है तो करने दीजिए।

पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा जेडीएस को लक्ष्य बनाकर वह जो करना चाहते हैं उन्हें करने दीजिए। हम इसके लिए भी तैयार हैं। हालांकि हम 2028 के विधानसभा चुनाव में उचित जवाब देंगे। हम जानते हैं कि 2018 के विधानसभा चुनाव में क्या हुआ था जब कांग्रेस निशाने पर आई थी, तब कांग्रेस को जेडीएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष, पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा और केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी के पास आना पड़ा था, है ना? देवेगौड़ा और केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी और मैं 2028 तक

जेडीएस पार्टी को सत्ता में लाएंगे। कांग्रेस को एक सम्मेलन आयोजित करने दीजिए और हासन जिले को और विकसित करने दीजिए। हमारे खिलाफ कुछ भी नहीं है। हालांकि, कांग्रेस ने पिछले 50 वर्षों में हासन के लिए कुछ नहीं किया। हम पहले भी कई बार जीत-हार देख चुके हैं। हम सम्मेलन आयोजित करने के बारे में ज्यादा चिंता नहीं करते। उन्होंने कहा कि उन्होंने केंद्रीय मंत्री से मुलाकात की थी और हासन आउटर रिंग रोड और रेलवे ब्रिज समेत विभिन्न विकास कार्यों के लिए सहायता मांगी थी। उन्होंने कहा कि सभी जानते हैं कि विधानसभा चुनाव के साथ ही उसी साल हुए लोकसभा चुनाव में क्या हुआ।

ई-खाता के त्वरित वितरण के लिए अतिरिक्त अधिकारी तैनात किए जाएंगे: तुषार गिरिनाथ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बृहत बेंगलूरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) के मुख्य आयुक्त तुषार गिरिनाथ ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे बीबीएमपी क्षेत्राधिकार में नागरिकों को शीघ्र ई-खाता जारी करने के लिए अतिरिक्त सहायक राजस्व अधिकारी तैनात करें। बीबीएमपी क्षेत्राधिकार में विभिन्न मुद्दों के संबंध में एक बैठक में बोलते हुए उन्होंने कहा कि निगम के क्षेत्राधिकार में संपत्तियों को ई-खाता जारी किया जा रहा है। सहायक राजस्व अधिकारियों के लॉगिन में लंबित ई-खाता आवेदनों का शीघ्र निपटान करने के लिए उन्होंने जोनवार अतिरिक्त सहायक राजस्व अधिकारियों को तैनात करने और एक सप्ताह के भीतर सभी लंबित आवेदनों का निपटान करने के निर्देश दिए। अब तक शहर में ई-खाता प्राप्त करने के लिए 72.96 लाख विजिट की गई हैं और 6 लाख ड्राफ्ट ई-खाता डाउनलोड किए गए हैं। अब तक 21,369

अंतिम ई-खाता जारी किए गए हैं और सहायक राजस्व अधिकारियों के लॉगिन में लगभग 14,000 ई-खाता आवेदन लंबित हैं।

उन्होंने इनका शीघ्र निपटान करने के निर्देश दिए। निगम सीमा के सभी वार्डों में नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं तथा प्रत्येक बुधवार को वार्ड कार्यालयों में अधिकारियों एवं आमजन की बैठक आयोजित की जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि राजस्व विभाग के अधिकारियों के कार्यालयों में प्रत्येक बुधवार को प्रातः 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक राजस्व एवं शिकायत अदालत आयोजित की जाएगी। निगम सीमा में पहली बार 4,250 करोड़ रुपए अधिक संपत्ति कर संग्रहित किया गया है तथा चालू वर्ष में 5,200 करोड़ रुपए संग्रहित करने का लक्ष्य है। इस संबंध में उन्होंने लंबित संपत्ति कर संग्रहित करने के लिए संबंधित जोन में उचित कदम उठाने के निर्देश दिए। चक्रवात फेंगल के कारण शहर में बारिश हो रही है तथा गड्ढों को बंद करना मुश्किल हो रहा है। इसलिए गड्ढों को कोल्ड मिक्स का उपयोग करके बंद किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि बारिश बंद होते ही हॉट मिक्स प्लांट से अधिक डामर प्राप्त करें तथा गड्ढों को जल्द से जल्द बंद करें।

मौसम विभाग ने पूर्वानुमान लगाया है कि चक्रवात फेंगल के प्रभाव के कारण हवाएं तेज रहेंगी तथा बारिश भी कम नहीं होगी। सभी जोन में एहतियात के तौर पर तैयारियां की जाएं। साथ ही शाही नहरों से जेसीबी के माध्यम से लगातार कीचड़ साफ किया जाए। मुख्य सड़कों के किनारे की नालियों की सफाई की जाए ताकि वे सुचारू रूप से बह सकें। उन्होंने पेड़ हटाने वाली टीमों को भी सक्रियता से काम करने के निर्देश दिए।

5 दिसंबर को हासन में होने वाला सम्मेलन होगा कांग्रेस के बैनर तले : शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने कहा कि 5 दिसंबर को हासन में होने वाला एक बड़ा सम्मेलन पार्टी के बैनर और उनके नेतृत्व में आयोजित किया जाएगा। पार्टी सूत्रों के अनुसार, शुरू में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया (जो मुडा मामले में आरोपों का सामना कर रहे हैं) के साथ एकजुटता दिखाने के लिए शक्ति प्रदर्शन कार्यक्रम के रूप में योजना बनाई गई थी, जिसे मूल रूप से सिद्धरामैया स्वाभिमानी जनांदोलन समावेश कहा जाता था, अब इसका नाम जन कल्याण समावेश रखा जाएगा।

यह सम्मेलन हासन में आयोजित किया जाएगा, जो पूर्व प्रधानमंत्री और जेडी(एस) के संरक्षक एच डी देवेगौड़ा का गृह क्षेत्र है। शिवकुमार ने संवाददाताओं से कहा यह मेरे और केपीसीसी (राज्य कांग्रेस) के नेतृत्व में कांग्रेस का कार्यक्रम है। हम

यह बताना चाहते हैं कि हम क्या कर रहे हैं, हमने क्या विकास हासिल किया है, भाजपा और जेडी(एस) द्वारा फैलाए गए झूठ जो काम नहीं आए हैं, और यह लोगों का जनादेश है।

एक सवाल के जवाब में उन्होंने जोर देकर कहा कांग्रेस एक बड़ी पार्टी है जिसका बड़ा इतिहास है। अगर मैं पार्टी के अध्यक्ष के तौर पर इसमें भाग लेना चाहता हूं, तो यह हमारे बैनर तले होना चाहिए। अगर मुख्यमंत्री को भाग लेना है, तो यह कांग्रेस के बैनर तले होना चाहिए। मैंने यह बात साफ कर दी है और उन्होंने इस पर सहमति जताई है। हमारे नेतृत्व में यह चल रहा है। मैं बैठक की अध्यक्षता कर रहा हूं।

सिद्धरामैया के वफादारों के इस फैसले से नाराज होने की चिंताओं पर शिवकुमार ने कहा, यह गलत है। वे अपना काम कर रहे हैं। कोई भी डीके शिवकुमार या सिद्धरामैया का समर्थक नहीं है। हर कोई कांग्रेस का समर्थक है। सम्मेलन का आयोजन शुरू में उत्पीड़ित समुदायों का प्रतिनिधित्व करने वाले संगठनों के महासंघ ने किया था। पिछले हफ्ते मुख्यमंत्री ने संयुक्त मेजबान के तौर पर कांग्रेस पार्टी की भागीदारी की पुष्टि की थी। ऐसी खबरें थीं कि पार्टी नेताओं के एक वर्ग ने पार्टी के ढांचे से बाहर इस कार्यक्रम के आयोजन का विरोध किया था। कथित तौर पर एक पार्टी नेता द्वारा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को लिखा गया एक पत्र भी सामने आया था, जिसमें शिकायत की गई थी कि यह कार्यक्रम पार्टी को शामिल किए बिना आयोजित किया जा रहा है और आग्रह किया गया था कि इसे पार्टी के प्रतीक के तहत आयोजित किया जाए। पार्टी सूत्रों ने बताया कि इस कार्यक्रम का मूल उद्देश्य मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) साइट आवंटन घोटाले की जांच के बीच सिद्धरामैया के लिए समर्थन जुटाना था, लेकिन अब इसमें सरकार के जन-हितैषी कार्यक्रमों, विशेषकर गारंटी योजनाओं और अन्य पहलों पर भी प्रकाश डाला जाएगा।

शिवकुमार के साथ शक्ति साझा करने का समझौता नहीं: सिद्धरामैया

आलाकमान के फैसले को मानूंगा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने बुधवार को कहा कि राज्य में कांग्रेस सरकार बनने से पहले उनके और उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के बीच कोई शक्ति-साझा करने का समझौता नहीं हुआ था। उन्होंने यह भी कहा कि वह पार्टी आलाकमान के फैसले का पालन करेंगे। वहीं, सिद्धरामैया के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए शिवकुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री जो भी कहेंगे वह अंतिम होगा। मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कोई समझौता नहीं था। मैं आलाकमान के फैसले का पालन करूंगा। सिद्धरामैया और शिवकुमार के बीच मुख्यमंत्री पद को लेकर विधानसभा चुनाव परिणामों के बाद काफी प्रतिस्पर्धा थी। कांग्रेस ने शिवकुमार को समझा-बुझाकर उपमुख्यमंत्री बनाया। इस दौरान खबरें आई थीं कि दोनों के बीच रोटेशन मुख्ममंत्री फॉमूर्ला पर समझौता हुआ है, जिसमें दो साल शिवकुमार भी मुख्यमंत्री रहेंगे। हालांकि पार्टी ने इसकी आधिकारिक रूप से पुष्टि नहीं की थी। शिवकुमार ने मुख्यमंत्री बनने की अपनी इच्छा को कभी छिपाया नहीं है। सिद्धरामैया ने मंत्रिमंडल के पुनर्गठन को लेकर पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए कहा अभी नहीं। लोकसभा चुनाव के परिणामों के बाद से मंत्रियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन और मंत्रिमंडल की अटकलें तेज हो गई हैं। कई विधायक मंत्री बनने की इच्छा जता चुके हैं। सिद्धरामैया ने हासन में होने वाले जन कल्याण सम्मेलन के बारे में भी बात की और कहा, कांग्रेस पार्टी और स्वाभिमानीगला ओक्कुटा की ओर से संयुक्त रूप से एक सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। शायद स्वाभिमानीगला ओक्कुटा इस सम्मेलन के अधिक लोग लाएंगे। इस सम्मेलन का नाम पहले सिद्धरामैया स्वाभिमानी जन आंदोलन सम्मेलन था।

राज्य के तीन सीटों पर हुए उपचुनाव में जीत के बाद कांग्रेस की नजर पंचायत चुनाव में जीत पर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य उपचुनावों में पार्टी की भारी जीत और भाजपा में फूट का फायदा उठाने की फिराक में कांग्रेस हाईकमान ने मार्च-अप्रैल तक पंचायत चुनाव की तैयारी करने के निर्देश दिए हैं। पार्टी और सरकार को चुनाव तक यथास्थिति बनाए रखने की सलाह दी है। इसलिए यह तय है कि फिलहाल मंत्रिमंडल में फेरबदल और केपीसीसी अध्यक्ष बदलने समेत कोई बदलाव नहीं होगा। जिला और तालुक पंचायतों और शहरी स्थानीय निकायों के चुनाव कई दिनों से रुके हुए हैं। राज्य में पार्टी के पक्ष में बने माहौल को देखते हुए शीर्ष नेतृत्व ने अदालतों में लंबित मामलों के निपटारे के लिए त्वरित कार्रवाई कर चुनाव की तैयारी करने के निर्देश दिए हैं। बताया जाता है कि हाईकमान इस राय पर पहुंचा है कि स्थानीय निकाय चुनाव कराने का समय आ गया है। दिल्ली में राहुल गांधी से मुलाकात करने वाले सीएम सिद्धरामैया ने कहा है कि हासन में 5 दिसंबर को होने

वाले सम्मेलन से पार्टी को सबसे ज्यादा फायदा पुराने मैसूरु क्षेत्र के सात-आठ जिलों में होने वाले पंचायत चुनावों में होगा। इस संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त करने वाले राहुल गांधी ने पंचायत चुनाव की तैयारी शुरू करने के निर्देश दिए हैं, तथा बताया जाता है कि एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी यही राय दी है। पंचायत चुनाव तक पार्टी नेतृत्व में कोई बदलाव नहीं होना चाहिए। यह तय किया गया है कि इससे चुनाव की तैयारी और रणनीति बनाने में दिक्कत होगी, तथा मौजूदा एकता को बनाए रखते हुए पंचायत चुनाव जीतने की तैयारी की जानी चाहिए। तब तक पार्टी और सरकार में कोई बदलाव नहीं होना चाहिए। पता चला है कि वरिष्ठ नेताओं ने सीएम और डीसीएम को यह संदेश दिया है कि मंत्रिमंडल को यथावत जारी रहना चाहिए। एआईसीसी के वरिष्ठों को सीएम से राज्य के राजनीतिक घटनाक्रम के बारे में पूरी जानकारी मिल गई है तथा वे राज्य में पार्टी की बढ़ती ताकत से खुश हैं। इसी तरह विपक्षी भाजपा आंतरिक कलह का सामना कर रही है, तथा उसे इस स्थिति का राजनीतिक फायदा उठाना चाहिए। पार्टी सूत्रों ने बताया कि इस संबंध में आलाकमान ने स्थानीय निकाय चुनाव को उचित बताया है।

विधायक मुनिरत्न के खिलाफ एक और हनीट्रैप का आरोप

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

हनीट्रैप और जातिगत दुर्व्यवहार मामले में हाल ही में जेल भेजे गए आरआर नगर विधायक मुनिरत्न के खिलाफ अब एक और आरोप लगा है। बीबीएमपी की एक पूर्व पार्षद और उनके पति ने मुनिरत्न पर गंभीर आरोप लगाए हैं। मुनिरत्न के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने वाले दंपति अब एसआईटी के समक्ष दस्तावेज पेश करने को तैयार हैं। मुनिरत्न पर हनीट्रैप और हत्या के प्रयास का आरोप लगाने वाली पूर्व पार्षद ने एक वीडियो भी जारी किया है, जिससे बहस छिड़ गई है। लग्गेरे की एक पूर्व पार्षद और उनके पति ने विधायक मुनिरत्न नायडू पर गंभीर आरोप लगाए हैं। एक निजी होटल में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने मुनिरत्न द्वारा उनके परिवार और गवाहों को दिए गए उत्पीड़न पर दुख जताया। दंपति की शिकायत के आधार पर शनिवार को ही नंदिनी लेआउट में मुनिरत्न के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। अब दंपति ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर विधायक मुनिरत्न पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा

मुनिरत्न ने मेरे खिलाफ साजिश रची है। मेरे पास इसका ऑडियो और वीडियो रिकॉर्ड है। मुनिरत्न ने मेरा अश्लील वीडियो बनाने की साजिश रची थी। अंत में पीड़िता के पति ने मुनिरत्न पर आरोप लगाया कि वह मेरी पत्नी का वीडियो बनाने के लिए बेडरूम में कैमरा रखने की कोशिश कर रहा था। मुनिरत्न पर घरेलू कामगारों को करोड़ों का लालच देने और हमारे बेडरूम में कैमरा रखने की साजिश रचने का आरोप लगाने वाले पूर्व पार्षद पति ने कहा कि उसने मेरी बात न मानने पर हत्या की साजिश भी रची थी। अंत में हमने सब कुछ भूलकर समझौता कर लिया और चुनाव में उसके पक्ष में काम किया। मुनिरत्न डर गया और उसके पक्ष में काम भी किया। हालांकि पीड़िता के परिवार ने मुनिरत्न का अपने करीबी दोस्तों से बात करते हुए एक वीडियो जारी किया है, जिसमें उसने कहा है कि उसने मेरी पत्नी को ब्लैकमेल किया है और मुझे बर्बाद करने की कोशिश की है। मुनिरत्न पर इस तरह से बड़े लोगों को ब्लैकमेल करने का आरोप लगाने वाले पूर्व पार्षद दंपति किसी भी वजह से नहीं डरे हैं। उन्होंने कहा है कि वे एसआईटी को सारे दस्तावेज मुहैया कराकर मुनिरत्न के खिलाफ लड़ेंगे। मुनिरत्न के खिलाफ पहले ही शिकायत दर्ज करा चुके दंपति अब वोक्कालिगा समुदाय के निर्मलानंद स्वामीजी, पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ा, आर अशोक और डीसीएम डीके शिवकुमार को शिकायत देने की तैयारी में हैं। हाल ही में जमानत पर जेल से रिहा हुए मुनिरत्न को अब फिर से सलाखों के पीछे जाने की नौबत आएगी या नहीं, इस पर संदेह है।

सीएम, डीसीएम, मंत्री के लिए सुवर्ण विधान सौधा में कार्यालय का आवंटन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शीतकालीन सत्र के मद्देनजर सरकार ने बेलगावी में सुवर्ण विधान सौधा में मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, सभी मंत्रियों और सलाहकारों को कार्यालय आवंटित करने का आदेश दिया है। राज्य विधानमंडल के दोनों सदनों का सत्र 9 दिसंबर से 19 दिसंबर तक सुवर्ण विधान सौधा बेलगावी में आयोजित किया जाएगा। सत्र के दौरान मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों के कार्यालय सुवर्ण विधान सौधा में कार्य करेंगे। बेंगलूरु में विधान सौधा और विकास सौधा में मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों के कार्यालय अस्थायी रूप से सुवर्ण विधान सौधा में सत्र अवधि तक सीमित रहेंगे। साथ ही, कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग ने कैबिनेट मंत्री का दर्जा रखने वाले मंत्रियों, राज्य मंत्रियों और मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के मंत्रालयों के अधिकारियों को सुवर्ण सौधा में कार्यालय आवंटित करने का आदेश जारी किया है।

संभल हिंसा: पाकिस्तान और अमेरिका में बने कारतूस के खोखे बरामद

दंगाइयों ने पुलिस अधिकारियों पर चलाई थी गोलियां

संभल, 04 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के संभल जिले में 24 नवंबर को जामा मस्जिद के दौरान बवालियों ने पुलिस पर पथराव के साथ ही अवैध हथियारों से अंधाधुंध फायरिंग की थी। आरोपियों ने हथियारों में पाकिस्तान और अमेरिका में बने कारतूसों का इस्तेमाल किया था। पुलिस को पांच खोखा और एक कारतूस मिलने पर इसकी पुष्टि हो गई।

एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई का कहना है कि उपद्रवियों ने जामा मस्जिद पर पहुंचने से पहले ही सीसीटीवी कैमरे तोड़ दिए थे। इसके बाद पुलिस पर पत्थरबाजी के साथ गोली भी चलाई। उसके ही प्रमाण मिले हैं। अब पुलिस के सामने 9 एमएम पिस्टल को बरामद करना किसी चुनौती से कम नहीं है। एसपी का कहना है कि जांच इस बिंदु पर भी शुरू हो गई है। जल्द ही उन हथियारों को भी बरामद किया जाएगा जिनका इस्तेमाल बवाल के दौरान उपद्रवियों ने किया है। एसपी ने बताया कि उपद्रवियों ने पूरी साजिश के साथ घटना को अंजाम दिया है। पहले सीसीटीवी कैमरे तोड़े फिर गोली चलाई। बताया कि जहां सीसीटीवी कैमरे तोड़े गए हैं वहां से मिली डीवीआर को रिकवर किया जा रहा है। जिससे कोई अहम सबूत उपद्रवियों के खिलाफ मिल सके।

स्थानीय खुफिया इकाई एलआईयू की टीम के साथ पुलिस की जांच टीम को सर्च अभियान के लिए लगाया गया था। एलआईयू की टीम ने बवाल वाले इलाकों में मेटल डिटेक्टर से तलाशी अभियान चलाया।

इस दौरान एलआईयू की टीम ने पाकिस्तान निर्मित एमएम का खोखा और कारतूस बरामद किया। कुछ दूरी पर अमेरिकन निर्मित 312 के दो खोखे मिले। मेटल डिटेक्टर से ही सर्च अभियान आगे बढ़ाया जाएगा।

एसपी ने बताया कि जांच टीम ने छानबीन के दौरान पाकिस्तान और अमेरिका में बने कारतूस के खोले और एक कारतूस बरामद किया है। इसी सड़क पर बुधवार को फिर से सर्च अभियान चलाया जाएगा। क्योंकि 24 नवंबर को बवाल के दौरान उपद्रवी इसी सड़क से जामा मस्जिद के नजदीक पहुंचे थे और इसी सड़क से पथराव और फायरिंग करते हुए लौट आए थे। इसलिए पालिका की टीम का सहयोग लिया जाएगा। जिससे सफाई में खोखे और करतूत व अन्य सबूत मिल सके। मंगलवार को अंधेरा होने के कारण सर्च अभियान रोक दिया था।

बवाल साजिश से हुआ या किसी ने मौके पर भड़काया। इसकी जांच तो चल रही है लेकिन यह भीड़ मस्जिद के नजदीक अचानक कैसे पहुंची? इस सवाल का जवाब मिलना बाकी है। सुबह के समय जब आधा शहर सोया हुआ था उस समय सेकड़ों की संख्या में लोग एकत्र होना और फिर उपद्रव करना। ऐसे कई सवाल हैं जिनका जवाब मिलना बाकी है। हालांकि कई बिंदुओं पर पुलिस की तहकीकात चल रही है। एसपी का कहना है कि हमारी छानबीन साजिशकर्ताओं तक पहुंचने की है। अलग-अलग बिंदु पर जांच के लिए टीमों को लगाया हुआ है। जल्द साजिशकर्ताओं का भी राजफाश करेंगे।

संभल में हुए बवाल की जांच दो एसआईटी कर रही हैं। एक टीम का नेतृत्व एएसपी दक्षिणी अनुकृति शर्मा कर रही हैं। जबकि दूसरी टीम का नेतृत्व एएसपी उत्तरी श्रीश्चंद्र कर रहे हैं। दोनों एसआईटी की छानबीन लगातार जारी है। एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने बताया कि एक टीम की ओर से नालों की सफाई और कूड़े की छानबीन मेटल डिटेक्टर से कराने के लिए कहा गया था। इसी छानबीन में कारतूस और खोखे मिले हैं। अब आगे भी यही छानबीन बढ़ेगी।

एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने बताया कि विदेश में बने कारतूस संभल बवाल में इस्तेमाल हुए हैं। इसके लिए देश की अलग-अलग एजेंसियों से संपर्क किया जाएगा। जिससे इस हकीकत की तह तक पहुंचा जाए। एसपी ने बताया कि संभल में आतंकी गतिविधियों की जांच एनआईए भी कर चुकी है। कई अन्य एजेंसियों ने भी जांच की है। अब विदेशी कारतूस का इस्तेमाल होना भी चौंकाने वाला तथ्य है। इसलिए एजेंसियों का सहयोग लिया जाएगा।

पुलिस ने संभल के बवाल में शामिल दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी बवाल के दौरान घायल हो गए थे और दोनों का उपचार चल रहा था। सेहत में सुधार होने पर पुलिस ने पूछताछ के बाद न्यायालय में पेश किया।

जहां से जेल भेज दिया है। जबकि अभी एक और आरोपी का उपचार चल रहा है। उसकी हालत में सुधार होने पर न्यायालय में पेश किया जाएगा। एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने बताया कि संभल कोतवाली पुलिस ने नखासा थाना क्षेत्र के शहबाजपुरा निवासी अजीम और बड़ा बाजार निवासी हसन 24 नवंबर को बवाल में शामिल थे। बताया कि दोनों को पुलिस ने घायल अवस्था में गिरफ्तार कर किया था। जिसके बाद से उनका अस्पताल में उपचार चल रहा था।

मंगलवार को सेहत में सुधार होने पर पुलिस ने दोनों को न्यायालय में पेश किया। जहां से दोनों को जेल भेज दिया है। जबकि एक अन्य आरोपी का अभी अस्पताल में उपचार चल रहा है। साथ ही अन्य की तलाश की जा रही है। बता दें कि बवाल में पांच एफआईआर संभल कोतवाली में दर्ज की गई और दो एफआईआर नखासा थाने में दर्ज हुईं।

इसमें 40 नामजद और 2750 अज्ञात आरोपी बनाए गए हैं। इसमें 32 आरोपी जेल भेजे जा चुके हैं। इन आरोपियों में तीन महिलाएं भी शामिल हैं।

ईसाई बनने से मना किया तो जंजीरों से बांधा और टॉर्चर की हद कर दी

सिरोही, 04 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के सिरोही में धर्म परिवर्तन से इनकार कर पर एक महिला को बुरी तरह प्रताड़ित करने का मामला सामने आया है। महिला पर उसके ससुराल के लोग ही ईसाई बनने का दबाव डाल रहे थे। 2 दिसंबर को इस संबंध में शिकायत मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच कर रही है।

धर्मांतरण से इन्कार करने पर महिला को जंजीरों से बांध कर रखा गया था। उसके साथ मारपीट की गई। उसे उसके एक महीने के बेटे से अलग कर दिया गया। इतना टॉर्चर किया गया कि उसकी मानसिक स्थिति खराब हो गई है। अब वह चल-फिर भी नहीं सकती है। मामला सिरोही जिले में आने वाले अनादरा थाना क्षेत्र के गांव धानेरा का है। जगसी राम ने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई है। शिकायत में बताया है कि करीब 1 साल पहले उनकी बेटी की शादी दीपाराम से हुई थी। कुछ दिनों तक ससुराल में सब सही रहा, लेकिन बाद में उनकी बेटी के साथ मारपीट की जाने लगी। करीब 1 माह पहले उनकी बेटी एक बच्चे की मां बनी।

शादी के कुछ दिनों बाद उनकी बेटी को पता चला कि उसका पति दीपाराम सोशल मीडिया पर ईसाई मत का प्रचार करता है। वह फोटो और वीडियो शेयर कर अन्य लोगों को भी ईसाई बनने के लिए उकसाया करता था। पोल खुलने के बाद दीपाराम अपनी पत्नी पर भी ईसाई बनने का दबाव बनाने लगा। उससे ईसाईयों के आयोजनों में जाने के लिए कहने लगा। जब पत्नी ने खुद को हिंदू बताते हुए ईसाई बनने से इनकार कर दिया। इसके बाद दीपाराम उसे बुरी तरह से टॉर्चर करने लगा। दीपाराम के अलावा जेठ शंकर, उमाराम, जेठानी फूली देवी, मंजू और परिवार के अन्य सदस्य भी महिला को प्रताड़ित करने लगे। कथित तौर पर ये सभी लोग ईसाई बन चुके हैं और प्रार्थनाओं में भी शामिल होते थे। प्रताड़ना के बाद भी जब महिला धर्मांतरण को तैयार नहीं हुई तो ससुराल के लोगों ने उसे जंजीरों से बांध दिया। उसे उसके बच्चे से अलग कर दिया।

महिला को टॉर्चर किए जाने की जानकारी मिलने पर उसके मायके वाले ससुराल पहुंचे। महिला को जंजीरों से मुक्त करवाया और मायके ले आए। इसके बाद पुलिस को शिकायत दी गई। शिकायत में बताया गया है कि अत्याचार से पीड़िता की मानसिक हालत खराब हो गई है। पीड़िता ठीक से चल-फिर भी नहीं पा रही है। पुलिस ने मामले का संज्ञान ले कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार बेनीवाल के मुताबिक जांच से निकले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

वक्फ बोर्ड ने मैसूर के मुनरेश्वर में 101 सम्पत्तियों पर दावा ठोका

बेंगलुरु, 04 दिसंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक में कांग्रेस की सिद्धारमैया सरकार में वक्फ बोर्ड बेलगाम हो गया है। वह लगातार सम्पत्तियों पर अपना क्लेम करता जा रहा है।

लोग वक्फ के परेशान हैं, लेकिन कैंसर की तरह ये फैलता ही जा रहा है। इसी तरह राज्य में एक बार फिर से वक्फ बोर्ड ने हंगामा खड़ा कर दिया है। उसने मैसूर जिले के मुनेश्वरनगर में 101 सम्पत्तियों पर दावा ठोकते हुए उन्हें नोटिस जारी किया है।

कर्नाटक वक्फ बोर्ड ने मैसूर के नंजनगुड रोड पर स्थित मुनेश्वरनगर में स्थित कसाबा होबली में स्थित सम्पत्तियों पर अपना दावा ठोक दिया। वक्फ बोर्ड ने इन जमीनों पर मालिकाना हक जताते हुए 101 परिवारों को नोटिस जारी कर दिया।

बाद में इसी मामले में भाजपा नेता आर अशोकन ने भी पीड़ितों से मुलाकात की। लोगों ने भाजपा नेता को बताया कि कसाबा होबली सर्वे नंबर 153 में उनका घर, जमीनें और अन्य सम्पत्तियां है। यहां पर वो दशकों से रह रहे हैं। अब वक्फ बोर्ड उसे अपना बता रहा है।

लोगों ने कहा कि वे सभी बस से बेंगलुरू शिकायत दर्ज कराने के लिए जा रहे हैं। लोगों ने नेता विपक्ष आर अशोकन को बताया कि तत्कालीन श्रीरामपुरा ग्राम पंचायत ने 1974-75 में डिमांड रजिस्टर भी जारी किया था, जिसका रिकॉर्ड उनके पास है। लोगों ने अपनी व्यथा बताई कि वक्फ बोर्ड ने नोटिस में कहा है कि अगर वे वहां रहना चाहते हैं तो अपना-अपना मकान खाली कर दें या फिर वक्फ बोर्ड के साथ पट्टा समझौता कर लें।

गौरतलब है कि वक्फ बोर्ड ने हाल ही विजयपुर जिले में किसानों की 1500 एकड़ जमीन, हुबली में किसानों के पूरे गांव को क्लेम कर दिया था और इसी तरह से बीदर जिले में तो हद करते हुए वक्फ बोर्ड ने ऐतिहासिक बीदर किले पर भी अपना दावा ठोक दिया था। जबकि, बीदर का किला एएसआई की सम्पत्ति है।

सुप्रीम कोर्ट में आतंकवादी ने याचिका दाखिल कर कहा

आईएसआईएस को आतंकी न कहा जाए

नई दिल्ली, 04 दिसंबर (एजेंसियां)। मुंबई में साल 2002-3 के सीरियल बम विस्फोटों के सूत्रधार साकिब नाचन ने कुख्यात आतंकी संगठन आईएसआईएस (इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया) को आतंकी संगठन घोषित करने के खिलाने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। आईएसआईएस का भारत प्रमुख रहा नाचन ने इस्लामिक स्टेट और अन्य समूहों को आतंकवादी संगठन घोषित करने वाली सरकारी अधिसूचना को रद्द करने की मांग की है।

सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश सूर्यकांत और उज्जल भुयान की पीठ ने उसकी याचिका पर सुनवाई की। तिहाड़ जेल में बंद नाचन कोर्ट में वर्चुअली उपस्थित हुआ। पीठ ने कहा, हमने आपको पहले भी सलाह दी थी कि आप एमिकस क्यूरी (न्यायमित्र) के जरिए अपनी बात रखिए। आप सुनवाई में मौजूद रह सकते हैं और जहां जरूरी लगे, वहां बोल भी सकते हैं। पिछले साल दिसंबर में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने देश में संचालित आईएसआईएस के मॉड्यूल का खुलासा किया था। इस मामले में जांच एजेंसी ने साकिब नाचन सहित कई लोगों को गिरफ्तार करते हुए नाचन को मुख्य आरोपित बनाया था। नाचन देश में आईएसआईएस के मॉड्यूल का संचालन करता था और युवाओं को इसमें शामिल होने के लिए बहकाता था और आईएसआईएस के प्रति निष्ठा की कसम खिलाता था।

आरोपियों ने महाराष्ट्र के ठाणे के एक गांव को अल शाम यानी इस्लामिक शासन वाला आजाद क्षेत्र घोषित कर दिया था। ये भारत में शरिया के तहत इस्लाम का शासन स्थापित और आतंकी हमलों को अंजाम देने की योजना बना रहे थे। एनआईए ने नाचन के अलावा हसीब जुबेर मुल्ला, काशिफ अब्दुल सत्तार बालेरे, सैफ अतीक नचन, रेहान अशफाक सुस, शगफ साफीक दिवकर, फिरोज दस्तगीर कुआरी को पकड़ा था। आईएसआईएस का इंडिया प्रमुख बनने से पहले साकित प्रतिबंधित आतंकी संगठन स्टूडेंट इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया (सिमी) का पदाधिकारी था। वह मुंबई सेंट्रल रेलवे स्टेशन विले पार्ले और मुलुंड बम धमाकों के मामलों में सजायाफ्ता रह चुका है। यह सजा उसे साल 2016 में सुनाई गई थी। वह दो साल से भी कम समय तक जेल में रहा। उसे जेल में अनुशासित रहने के कारण नवंबर 2017 में रिहा कर दिया गया।

जेल से बाहर आते ही वह एक बार फिर आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट से जुड़ गया। उसे भारत मॉड्यूल का मुखिया बनाया गया था। नाचन साल 1991 से ही आतंकवादी गतिविधियों में संलिप्त रहा है। उस पर अफगान में जिहाद के दौरान मुजाहिद्दीनों के साथ लड़ने और भारतीय मुस्लिमों को पाकिस्तान में आतंकवादी प्रशिक्षण के लिए भेजने का भी आरोप है।

राष्ट्रीय सुरक्षा हित सर्वोपरि रख कर चीन के साथ आगे बढ़ेंगे : जयशंकर

नयी दिल्ली, 04 दिसंबर (एजेंसियां)। सरकार ने भारत एवं चीन के बीच सीमावर्ती क्षेत्रों में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर अप्रैल 2020 के पूर्व की स्थिति बहाल होने को 'सुधार की दिशा' बताते हुए बुधवार को स्पष्ट किया कि दोनों देशों के संबंधों में प्रगति के लिए सीमा क्षेत्रों में शांति एवं सौहार्द बनाए रखना एक पूर्व-आवश्यकता है और अपने राष्ट्रीय सुरक्षा हितों को सर्वोपरि रखते हुए ही आगे बढ़ेंगे।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने आज राज्यसभा में चीन के साथ 21 अक्टूबर को हुए समझौते तथा उसके बाद भारत एवं चीन के द्विपक्षीय संबंधों में प्रगति को लेकर एक वक्तव्य दिया। उन्होंने कहा, मैं सदन को भारत चीन सीमा क्षेत्रों में हाल ही में घटी कुछ घटनाओं और हमारे समग्र द्विपक्षीय संबंधों पर उनके प्रभावों से अवगत कराना चाहता हूँ। सदन को पता है कि 2020 से हमारे संबंध असामान्य रहे हैं, जब चीनी कार्रवाइयों के परिणामस्वरूप सीमा क्षेत्रों में शांति और सौहार्द भंग हुआ था। हाल की घटनाएँ, जो तब से हमारे निरंतर कूटनीतिक जुड़ाव को दर्शाती हैं, ने हमारे संबंधों को कुछ सुधार की दिशा में स्थापित किया है।

विदेश मंत्री ने निकट भविष्य में चीन के साथ संबंधों की दिशा में अपनी अपेक्षाएँ साझा करते हुये कहा हमारे संबंध कई क्षेत्रों में आगे बढ़े हैं, लेकिन हाल की घटनाओं से स्पष्ट रूप से नकारात्मक रूप से प्रभावित हुए हैं। हम स्पष्ट हैं कि सीमा क्षेत्रों में शांति और सौहार्द बनाए रखना हमारे संबंधों के विकास के लिए एक पूर्व-आवश्यकता है। आने वाले दिनों में, हम सीमा क्षेत्रों में अपनी गतिविधियों के प्रभावी प्रबंधन के साथ-साथ तनाव कम करने पर भी चर्चा करेंगे। विघटन चरण के समापन से अब हमें अपने राष्ट्रीय सुरक्षा हितों को सर्वोपरि रखते हुए, अपने द्विपक्षीय संबंधों के अन्य पहलुओं पर विचार करने का अवसर मिला है। विदेश मंत्री वांग यी के साथ मेरी हाल की बैठक में, हम इस बात पर सहमत हुए कि विशेष प्रतिनिधि और विदेश सचिव स्तर की व्यवस्था की बैठकें जल्द ही आयोजित की जाएंगी। मुझे विश्वास है कि इस महत्वपूर्ण संबंध की जटिलताओं के समाधान में सरकार को सदन का पूर्ण समर्थन प्राप्त होगा।

उन्होंने कहा कि यह याद रखना चाहिए कि 21 अक्टूबर, 2024 का समझौता पूर्वी लद्दाख में विभिन्न टकराव बिंदुओं पर स्थिति के समाधान के संबंध में समझ की श्रृंखला में नवीनतम है। मई/जून 2020 की घटनाओं और जुलाई 2020 में गलवान घाटी में प्रारंभिक विघटन के बाद, 10 सितंबर, 2020 को मास्को में विदेश मंत्रियों की बैठक हुई। उस समय सरकार का रुख यह था कि तत्काल कार्य सभी टकराव वाले क्षेत्रों में सैनिकों की व्यापक वापसी सुनिश्चित करना था। इस बात पर भी जोर दिया गया कि एलएसी पर सैनिकों का बड़ा जमावड़ा 1993 और 1996 के समझौतों के अनुसार नहीं था। यह स्पष्ट किया गया कि भारतीय पक्ष एकतरफा रूप से यथास्थिति को बदलने के किसी भी प्रयास को बर्दाश्त नहीं करेगा। हमें यह भी उम्मीद थी कि सीमा क्षेत्रों के प्रबंधन से संबंधित सभी समझौतों और प्रोटोकॉल का ईमानदारी से पालन किया जाएगा।

उन्होंने भारत चीन संबंधों की पृष्ठभूमि का उल्लेख करते हुए कहा, सदन इस तथ्य से अवगत है कि 1962 के संघर्ष और उससे पहले की घटनाओं के परिणामस्वरूप चीन ने अक्साई चिन में 38 हजार वर्ग किलोमीटर भारतीय क्षेत्र पर अवैध कब्जा कर रखा है। इसके अलावा, पाकिस्तान ने 1963 में अवैध रूप से 5180 वर्ग किलोमीटर भारतीय क्षेत्र चीन को सौंप दिया, जो 1948 से उसके कब्जे में था। भारत और चीन ने सीमा मुद्दे को सुलझाने के लिए कई दशकों तक बातचीत की है। जबकि वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) है, लेकिन कुछ क्षेत्रों में इस पर आम सहमति नहीं है। श्री जयशंकर ने कहा हम सीमा समझौते के लिए एक निष्पक्ष, उचित और पारस्परिक रूप से स्वीकार्य ढांचे पर पहुंचने के लिए द्विपक्षीय चर्चाओं के माध्यम से चीन के साथ जुड़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

उन्होंने कहा कि अप्रैल/मई 2020 में पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर चीन द्वारा बड़ी संख्या में सैनिकों को एकत्र करने के परिणामस्वरूप कई बिंदुओं पर हमारी सेनाओं के साथ आमना-सामना हुआ।

भारत एक मजबूत समुद्री राष्ट्र, समुद्र ही हमारा भाग्य, गौरव और पहचान: मुर्मू

नयी दिल्ली, 04 दिसंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा है कि भौगोलिक स्थिति ने भारत को महान समुद्री राष्ट्र बनने के लिए ज़रुरी सभी तत्व प्रदान किए हैं और वह आश्वस्त हैं कि भारतीय नौसेना विकसित राष्ट्र के निर्माण के लिए ज़रुरी इन तत्वों की सुरक्षा करती रहेगी। श्रीमती मुर्मु ने बुधवार को ओडिशा के पुरी तट पर आयोजित नौसेना दिवस समारोह में भाग लिया और वह नौसैनिकों के साहस, ताकत तथा कौशल का प्रदर्शन करने वाले विभिन्न अभियानों की गवाह बनी।

राष्ट्रपति ने नौसेना दिवस के अवसर पर नौसेनाकर्मियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, आज 04 दिसंबर को, हम 1971 के युद्ध में अपनी शानदार जीत का जश्न मनाते हैं और मातृभूमि की रक्षा में नौसेना कर्मियों द्वारा की गई निस्वार्थ सेवा और सर्वोच्च बलिदान को याद करते हैं। देश भारतीय नौसेना के सभी कर्मियों का आभारी है और प्रत्येक भारतीय सम्मान और साहस के साथ राष्ट्र की सेवा करने के लिए उन्हें सलाम करता है। श्रीमती मुर्मु ने कहा कि भारत की भौगोलिक स्थिति ने उसे महान समुद्री राष्ट्र बनने के लिए ज़रुरी सभी तत्व प्रदान किए हैं। लंबी तटरेखा, द्वीप क्षेत्र, समुद्री यात्रा करने वाली आबादी और विकसित समुद्री बुनियादी ढांचे ने 5,000 साल से भी अधिक पहले से तट और महासागरों के पार भारत की समुद्री गतिविधियों को बढ़ावा दिया है। उन्होंने कहा कि गौरवशाली समुद्री विरासत और पीछे मुड़कर देखने लायक इतिहास तथा उम्मीदों से भरे भविष्य के साथ, भारत हमेशा से एक मजबूत समुद्री राष्ट्र रहा है - हमारा भाग्य ,गौरव और पहचान समुद्रों द्वारा ही परिभाषित होती है। उन्होंने विश्वास जताया कि भारतीय नौसेना 2047 तक एक विकसित भारत के निर्माण के लिए ज़रुरी, समुद्री सुरक्षा को सुनिश्चित करना जारी रखेगी।

राष्ट्रपति ने 'नारी शक्ति' को उचित विकास के अवसर प्रदान करने में नौसेना के अग्रणी प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि नौसेना, महिला अग्निवीरों को शामिल करने वाली पहली सेवा थी। उन्होंने कहा कि 'नाविका सागर परिक्रमा दो' के हिस्से के रूप में आईएनएसवी तारिणी में विश्व की परिक्रमा करने वाली दो महिला नौसेना अधिकारी, लेफ्टिनेंट कमांडर दिलना के और लेफ्टिनेंट कमांडर रूपा, इस नए बदलाव का सबसे अच्छा उदाहरण हैं।

नया भारत तय करता है दुनिया के ध्रुवीकरण की दिशा : सीएम योगी

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद संस्थापक सप्ताह समारोह में बोले मुख्यमंत्री

गोरखपुर, 04 दिसंबर (एजेंसियां)।
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज पूरी दुनिया भारत की ओर देख रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नए भारत के प्रति पूरी दुनिया का विश्वास तेजी से बढ़ा है। एक समय था जब भारत दुनिया के किसी भी गुट में नहीं था। देश के सामने असमंजस की स्थिति थी कि उसकी दिशा क्या होगी, उसे क्या करना है। पर, आज का नया भारत दुनिया के ध्रुवीकरण की दिशा तय करता है। दुनिया का ध्रुवीकरण उधर होता है, जिधर भारत होता है। सीएम योगी बुधवार को महाराणा प्रताप (एमपी) शिक्षा परिषद के 92वें संस्थापक सप्ताह समारोह के शुभारंभ कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे थे।

महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज परिसर में आयोजित समारोह के मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर और विशिष्ट अतिथि अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के सदस्य सचिव प्रो. राजीव कुमार का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि दुनिया उसी का अनुसरण करती है जो खुद को उसके अनुरूप तैयार करने का माद्दा रखता है। जो स्वयं खड़ा नहीं हो सकता, वह दूसरों को खड़ा होने की प्रेरणा कैसे दे सकता है। पीएम मोदी के नेतृत्व में नए भारत को खुद को उसी अनुरूप तैयार किया और परिणाम है कि आज भारत की दिशा के बिना दुनिया की दिशा की कल्पना नहीं की जा सकती है। दुनिया में मानवता के सामने जो चुनौती है, भारत उससे निपटने के विश्वास का प्रतीक बना है। जी-20 का समिट उसका प्रमाण है। आज दुनिया का कोई भी बड़ा आयोजन भारत के बिना नहीं होता है। आज देश विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर आत्मनिर्भर बनने की ओर अग्रसर है। सीएम योगी ने देश को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी सिर्फ सरकार की ही नहीं होती है। संस्थाओं और व्यक्तियों को भी इसकी जिम्मेदारी उठानी होती है। अब जिम्मेदारी से बचने का नहीं बल्कि जिम्मेदारी समझने और खुद को उसके अनुरूप तैयार करने का समय है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के लिए अगले 25 वर्ष का रोडमैप तय किया है, देश जब आजादी का शताब्दी महोत्सव मन रहा होगा तब तक देश को विकसित भारत बनाने का। इसमें हर नागरिक, हर संस्था की भूमिका होनी चाहिए कि हमारा देश आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बने और स्वाभिमान के साथ इस विकास यात्रा में हमारा भी योगदान हो। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के दोनों प्रणेताओं ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ और ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी का भी पूरे जीवन यही भाव रहा।

मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों को वर्तमान दौर में तकनीकी के प्रयोग की अपरिहार्यता से भी अवगत कराया। साथ ही नसीहत दी कि तकनीकी का इस्तेमाल जीवन को सरल और सहज बनाने के लिए जरूरी है लेकिन यह ध्यान भी रखना होगा कि तकनीकी हमसे संचालित हो, हम तकनीकी से नहीं। हम खुद को तकनीकी के अनुरूप और तकनीकी को अपने अनुरूप तैयार करें। सीएम योगी ने कहा कि हर कालखंड में भारत ने पूरी दुनिया में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। विश्व के सौ प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रमुख एक्जीक्यूटिव की बात करें तो इसमें सबसे बड़ी संख्या भारतीय नौजवानों की है। सीएम ने कहा कि ये नौजवान पूरी दुनिया में अपनी तकनीकी ज्ञान का लोहा मनवा रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना के परिस्थितियों और इसकी अबतक की यात्रा को याद करते हुए कहा कि परिषद की 92 वर्ष की यात्रा इस बात के समग्र मूल्यांकन का अवसर है कि नए भारत के लिए संस्था किस दृष्टि से तैयार हो। उन्होंने कहा कि 1932 में जब ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज ने जब इस परिषद रूपी छोटे बीज को रोपित किया था तब साधन और संसाधन नहीं थे। देश तब गुलामी की बेड़ियों में जकड़ा हुआ था। एक ओर आजादी की लड़ाई हिलोरें ले रही थी तो दूसरी ओर आजादी हासिल करने के विश्वास भाव के साथ आजाद भारत के नेतृत्व के लिए योग्य नागरिक तैयार करने की चुनौती थी। इसी को ध्यान में रखकर ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी ने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना की और उसी के अनुरूप उनके बाद ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी ने आगे बढ़ाया।

यूपी के प्राचीन वैभव को पुनर्स्थापित कर रहे हैं योगी : तोमर

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद समारोह में आए मध्य प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष

गोरखपुर, 04 दिसंबर (एजेंसियां)।
मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि एक समय वह भी आ गया था जब उत्तर प्रदेश में कोई आने को तैयार नहीं था। पर, योगी आदित्यनाथ ने जबसे मुख्यमंत्री के रूप में यहां कमान संभाली है तबसे यूपी का प्राचीन वैभव पुनर्स्थापित होने लगा है। कानून व्यवस्था की बात हो, निवेश लाने की, स्वास्थ्य क्षेत्र की सुदृढ़ता, गरीबी उन्मूलन या फिर राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने की, उत्तर प्रदेश में योगी सरकार ने हर दिशा में सफलतापूर्वक कदम बढ़ाए हैं।

तोमर बुधवार को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के 92वें संस्थापक सप्ताह समारोह के शुभारंभ कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि योगी आदित्यनाथ से वह कई भूमिकाओं में मिलते रहे हैं। गोरक्षपीठाधीश्वर के रूप में वह भक्तियोग का मार्ग दिखाते हैं तो उसी के समानांतर राजनेता के रूप में कर्मयोग का भी रास्ता बताते हैं। गोरक्षपीठाधीश्वर के रूप में उनकी अपनी जो साधना है वो तो प्रेरणादायी है ही, कर्मयोग के मार्ग पर चलते हुए एक राजनेता, सांसद व मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने जो काम किया है, उनकी जितनी प्रशंसा की जाये उतनी कम है। उन्होंने भगवान गोरखनाथ की धरा पर आगमन का आमंत्रण पाने के लिए खुद को सौभाग्यशाली बताया।

तोमर ने गोरक्षपीठ के प्रकल्प महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के व्यापक लोक सरोकारों का उल्लेख करते हुए कहा कि कोई भी आध्यात्मिक संस्था, पीठ या मठ सामान्यतः भक्ति योग की प्रेरणा देती है। पर, गोरक्षपीठ एक ऐसी संस्था है जो भक्तियोग के साथ कर्मयोग में रत होकर, इसकी प्रेरणा देकर नागरिकों के जीवन का मार्ग प्रशस्त करती है। इस परिप्रेक्ष्य में गोरक्षपीठ और इसकी संस्था महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद समूचे देश के लिए प्रेरणास्रोत है। मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि कोई

संस्था शिक्षा के क्षेत्र में काम करती है तो कोई तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में। पर, बात जब महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की आती है तो हमारा ध्यान सर्वांगीण विकास और लोक कल्याण के परम वैभव की समग्र योजना की तरफ जाता है। आज इस परिषद के द्वारा 50 से अधिक संस्थाओं का संचालन करना यह अपने आप में अद्वितीय उदाहरण है। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद ने शिक्षा के सर्वांगिण विकास के लिए जो काम किया है वह अपने आप में अद्भुत है और निश्चित रूप से प्रेरणादायी है।

तोमर ने कहा कि आजादी के बाद देश के भविष्य के लिए योग्य नागरिकों की तालिका खड़ी करने की दूरदृष्टि से ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी ने एमपी शिक्षा परिषद के जिस बीज को रोपा और ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी ने उससे निकले पौधे को सींचा, वह आज योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में वट वृक्ष के रूप में खड़ा है। इसकी छाया में सारा पूर्वांचल आज अपने आप को गौरवान्वित कर रहा है। तोमर ने कहा कि आज भारत निरंतर आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सूझबूझ और अदम्य साहस, कठोर परिश्रम के कारण भारत की ख्याति दुनिया के मानचित्र पर तेजी के साथ स्थापित हो रही है। एक कालखंड था जब भारत को वैश्विक मंचों पर बहुत तजब्बों नही मिलती थी लेकिन आज हम गर्व के साथ कह सकते है कि कोई भी वैश्विक मंच पर दुनिया में नहीं है जिसका एजेण्डा भारत की अनदेखी करने का साहस कर सके। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने का लक्ष्य रखा है। इसमें हम सभी को अपनी भूमिका निभानी होगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में लागू हुई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के परिणाम शनैः-शनैः परिलक्षित होंगे और इससे आमूलचूल बदलाव होगा। शिक्षा, देश को सुयोग्य मानव संसाधन उपलब्ध कराने की माध्यम बनेगी।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह समारोह के शुभारंभ पर विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) के सदस्य सचिव) प्रो. राजीव कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में लागू राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) में शिक्षा को वैषयिक सीमाओं से परे कर दिया गया है। विद्यार्थी किसी भी स्ट्रीम से खुद को किसी और स्ट्रीम में शिफ्ट कर सकते हैं। एनईपी ने शिक्षा और रोजगार को एक बड़ा व्यापक क्षेत्र दिया है। इस शिक्षा नीति से विद्यार्थी अपनी डिग्री को अपने हिसाब से कस्टमाइज कर सकते हैं। प्रो. राजीव कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने अपनी मातृभाषा में शिक्षा की सुविधा दी है। तकनीकी शिक्षा आज 12 भारतीय भाषाओं में ग्रहण की जा सकती है। यह शिक्षा नीति युवाओं को आज की आवश्यकताओं के अनुरूप नवाचार उन्मुख होने के लिए प्रेरित करती है। उन्होंने कहा कि आज नियामक संस्थाएं शिक्षण संस्थानों के लिए सहयोगी की भूमिका में आ गई हैं।

सीएम योगी के नेतृत्व में डिजिटल यूपी का सपना हो रहा साकार

इंटरनेट से जुड़ी यूपी की 46,729 ग्राम पंचायतें

लखनऊ, 04 दिसंबर (एजेंसियां)।
योगी सरकार ने उत्तर प्रदेश में डिजिटल इंडिया के विजन को साकार करने के लिए भारतनेट परियोजना को अपनी प्राथमिकता में शामिल किया है। इस महत्वाकांक्षी योजना के माध्यम से योगी सरकार ग्रामीण और दूरद-राज के इलाकों को हाई-स्पीड इंटरनेट कनेक्टिविटी से जोड़कर उन्हें डिजिटल रूप से सक्षम बना रही है। भारत नेट परियोजना के माध्यम से प्रदेश में 46,729 ग्राम पंचायतें इंटरनेट से जुड़ चुकी हैं।

भारत नेट प्रोजेक्ट के तहत ग्राम पंचायतों को चरणबद्ध तरीके से इंटरनेट से जोड़ने की योजना पर काम चल रहा है। इस योजना के तहत देश के सभी 2.64 लाख ग्राम पंचायतों को इंटरनेट से जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस साल अक्टूबर के अंत तक भारत नेट के पहले और दूसरे चरण के तहत लगभग 2.14 लाख से अधिक ग्राम पंचायतों को इंटरनेट से जोड़ा जा चुका है। इस परियोजना में जहां बड़ी उपलब्धियां हासिल हुई हैं, वहीं कुछ चुनौतियों का समाधान भी किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश में अक्टूबर 2024 तक कुल 46729 ग्राम पंचायतों को भारत नेट परियोजना के अंतर्गत ऑप्टिकल फाइबर केबल/सैटेलाइट लिंक से जोड़ा जा चुका है। वहीं महाराष्ट्र में 24575, मध्य प्रदेश में 17850, गुजरात के 14316, आंध्र प्रदेश के 12955 और पंजाब के 12668 ग्राम पंचायत भारत नेट परियोजना से आच्छादित हो चुकी हैं। 4-जी सैचुरेशन परियोजना की सफलता के लिए बिजली कनेक्शन सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पूर्वी यूपी और पश्चिमी यूपी में कुल 132 स्थलों में से 90 स्थलों पर भूमि अधिग्रहण हुआ। इसमें से 39 जगहों पर बिजली कनेक्शन प्रदान कर दिए गए हैं। पश्चिमी यूपी के क्षेत्र में 42 स्थलों में से 21 पर कनेक्शन दिए गए हैं। यूपी के 22 स्थलों को टेक्निकली नॉट फीज़िबल के रूप में चिह्नित किया गया है, जिनमें से 20 घने जंगल क्षेत्रों में स्थित हैं। योगी सरकार ने ऊर्जा विभाग को निर्देश दिया है कि लंबित कनेक्शनों को शीघ्रता से जोड़ा जाए और तकनीकी बाधाओं के लिए वैकल्पिक समाधान निकाले जाएं। दिसंबर 2024 तक 8,568 नए एफटीटीएच (फाइबर टू द होम) कनेक्शन जोड़ने का लक्ष्य है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने डिजिटल यूपी का सपना साकार करने के लिए विभिन्न विभागों को समन्वय बढ़ाने और परियोजना से जुड़े मुद्दों का समाधान करने का निर्देश दिया है। योगी सरकार ने ग्राम विकास अधिकारियों-पंचायत सचिवों को भारतनेट उपकरणों की देखरेख और उपयोगिता सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी सौंपने का फैसला किया है। इसके तहत जिलों में ग्राम पंचायत स्तर पर निगरानी के लिए जिम्मेदार अधिकारी (संरक्षक) की नियुक्ति होगी। इसके अलावा फाइबर केबल को जहां हर घर जल योजना, सड़क चौड़ीकरण और अन्य निर्माण कार्यों के कारण क्षति पहुंची है, वहां इन्हें पुनः स्थापित करने का कार्य जल्द पूरा करने का निर्देश दिया है। वन विभाग को लंबित भूमि आवंटन पर तेजी से कार्रवाई करने के लिए कहा गया है। साथ ही ऊर्जा विभाग को बिजली कनेक्शन प्रदान करने की प्रक्रिया को तेज करने और कठिन स्थलों के लिए समाधान तलाशने का निर्देश दिया गया है।

भारतनेट परियोजना देश के दूरदराज व ग्रामीण इलाकों में न केवल हाई-स्पीड इंटरनेट प्रदान कर रही है, बल्कि यह ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, ई-गवर्नेंस और आर्थिक विकास को गति देने का महत्वपूर्ण साधन भी बन रही है। इस परियोजना के पूरा होने से गांवों के लोग डिजिटल सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे। यह आत्मनिर्भर भारत की दिशा में बड़ा कदम होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश भारतनेट परियोजना के जरिए डिजिटल क्रांति की ओर अग्रसर है। गांव-गांव तक इंटरनेट पहुंचाने का यह प्रयास राज्य को डिजिटल सशक्तिकरण की दिशा में नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा।

महाकुंभ-2025 : कुंभ की गाथा सुनाएंगे देश के चर्चित कलाकार

अभिनेता आशुतोष राणा हमारे-राम पर देंगे अपनी प्रस्तुति

सांसद हेमा मालिनी गंगा अवतरण पर देंगी अपनी प्रस्तुति

प्रयागराज, 04 दिसंबर (एजेंसियां)।
महाकुंभ 2025 को श्रद्धालुओं के लिए यादगार बनाने हेतु योगी सरकार अनेक तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करने की योजना पर काम कर रही है। एक तरफ जहां बॉलीवुड के तमाम सितारे अपनी सुरीली आवाज में यहां श्रद्धालुओं को आध्यात्म और संस्कृति के रस से सराबोर करेंगे तो वहीं दूसरी ओर सांस्कृतिक संध्या में महाकुंभ से जुड़ी गाथाओं और रामलीला व महाभारत की लीलाओं का भी मंचन होगा। इन प्रस्तुतियों के लिए भी देश के दिग्गज और नामचीन सितारे महाकुंभ मेला क्षेत्र में पहुंचेंगे और श्रद्धालुओं का मनोरंजन करेंगे। फेमस बॉलीवुड एक्टर आशुतोष राणा 'हमारे राम' पर अपनी प्रस्तुति देंगे तो एक्ट्रेस और सांसद हेमामालिनी गंगा अवतरण पर कला का परिचय देंगी। महाभारत सीरियल फेम पुनीत इस्सर महाभारत की अपनी प्रस्तुति से लोगों को प्रचीन भारत के युग में ले जाएंगे। यह सभी कार्यक्रम गंगा पंडाल में आयोजित किए जाएंगे। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से उत्तर प्रदेश संस्कृति विभाग द्वारा इसका आयोजन किया जाएगा।

अपनी अदाकारी से लोगों को रोमांचित करने नाले फेमस बॉलीवुड एक्टर आशुतोष राणा 25 जनवरी को गंगा पंडाल में हमारे राम की प्रस्तुति देंगे। इन नाट्य शो में वह रावण का किरदार निभाते हैं। वहीं 26 जनवरी को बॉलीवुड की लीजेंड एक्ट्रेस और मथुरा से सांसद हेमामालिनी गंगा अवतरण नृत्य नाटिका पर अपनी परफॉर्मेंस देंगी। वहीं 8 फरवरी को भोजपुरी और बॉलीवुड एक्टर व गोरखपुर के सांसद रवि किशन शिव तांडव की प्रस्तुति देंगे, जबकि 21 फरवरी को पुनीत इस्सर महाभारत शो का मंचन करेंगे।

महाकुंभ का आयोजन हो और लोगों को कुंभ की गाथा सुनने को न मिले, ऐसा संभव नहीं। सांस्कृतिक संध्या में कुंभ को लेकर विशेष आयोजन की तैयारी की गई है। इसकी शुरुआत 22 जनवरी को कथक केंद्र संगीत नाटक अकादमी द्वारा कुंभ की थीम पर आधारित कथक नृत्य नाटिका से होगी। 23 जनवरी को लखनऊ की भारतेंदु नाट्य अकादमी काकोरी महागाथा प्रस्तुत करेगी। वहीं, 1 फरवरी को कोरियोग्राफर मैत्रेय पहाड़ी के द्वारा कुंभ का सफरनामा कोरियोग्राफ शो प्रस्तुत किया जाएगा। इसी तरह 23 फरवरी को रिलायंस इंटरटेनमेंट एंड सोबो फिल्म कुंभ गाथा को प्रदर्शित करेगी।

10 जनवरी से प्रस्तावित इन कार्यक्रमों की श्रृंखला में सबसे पहले 11 जनवरी को ओड़ीशा का प्रिंस ग्रुप दशावतार नृत्य की अपनी प्रस्तुति से श्रद्धालुओं को रोमांचित करेगा। 16 जनवरी को मथुरा का माधवा बैंड और आगरा का क्रेजी हॉपर्स, 17 जनवरी को रिकी केज, 19 जनवरी को कोलकाता की गोल्डेन गर्ल्स, 21 जनवरी को मणिपुर का बस्तर बैंड, 27 जनवरी को दिल्ली की श्रंखला डांस अकादमी, 7 फरवरी को इंडियन ओशन बैंड, 17 फरवरी को अग्नि बैंड, 19 फरवरी को मुंबई का माटी बानी बैंड, 20 फरवरी को सूफी बैंड थाई कुड़म ब्रिज और 22 फरवरी को मुंबई का कबीरा बैंड अपनी प्रस्तुतियों से लोगों को मंत्र मुग्ध करेगा।

गंगा पंडाल में भारत के साथ ही अन्य देशों की रामलीलाओं का भी मंचन किया जाएगा। 18 जनवरी और 14 फरवरी को आईसीसीआर के माध्यम से जहां अन्य देशों के लोकनृत्य के साथ रामलीलाओं का मंचन होगा तो वहीं, 15 और 16 फरवरी को श्रीराम भारती कला केंद्र के द्वारा रामलीला की प्रस्तुति होगी। 22 फरवरी को मध्य प्रदेश की शालिनी खरे कथक के जरिए रामायण की प्रस्तुति देंगी।

20 जनवरी को देश के प्रसिद्ध कवियों द्वारा कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। 21 जनवरी को राजेश प्रसन्ना के द्वारा धरोहर दुर्लभ लोक वाद्ययंत्रों की प्रस्तुतियां होंगी। 24 जनवरी को यूपी फॉक नाइट के द्वारा कोरियोग्राफ शो और विभिन्न प्रांतों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी। 18 फरवरी को प्रसिद्ध बांसुरी वादक राकेश चौरसिया अपनी सुरीली बांसुरी का प्रदर्शन करेंगे।

संपादकीय

तीन बच्चे होंगे मीठी खीर

क्या सरसंघचालक मोहन भागवत जनसंख्या विशेषज्ञ हैं? वह बार-बार भारत की जनसंख्या पर चिंता जताते रहे हैं, जबकि घटती जनसंख्या-दर एक वैश्विक समस्या है। संघ प्रमुख का मानना है कि भारत में प्रजनन-दर घट रही है, लिहाजा उन्होंने कमोबेश 3 बच्चे पैदा करने का आह्वान भी किया है। भारत की मौजूदा आबादी 145 करोड़ से अधिक है और हम विश्व की आबादी का 18वां हिस्सा हैं। देश की प्रजनन-दर करीब 1.94 है, जो 2.1 के औसत से कम है। सरसंघचालक ने जनसंख्या विज्ञानियों के माध्यम से कहा है कि यदि प्रजनन-दर 2.1 से लगातार कम रहती है, तो एक दिन वह समुदाय, समाज विलुप्त हो सकता है! कई भाषाओं और समाजों को विलुप्त होते देखा गया है। सूडान का तो विभाजन हो गया है। पुर्तगाल सर्बिया से स्वतंत्र होना चाहता था, लेकिन आबादी कम होने के कारण उसका भूगोल ही बदल गया। इंडोनेशिया सबसे अधिक मुस्लिम आबादी वाला देश बन गया। भारत के संदर्भ में तमिलनाडु और आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्रियों ने कमोबेश 16 बच्चे पैदा करने की अनिवार्यता के आधार और कारण गिनाए हैं। इन राज्यों का डर है कि एक दिन वे हिंदी-भाषी, उत्तरी भारत के राज्यों की तुलना में असरहीन हो जाएंगे, क्योंकि राष्ट्रीय संदर्भ में उनकी आबादी, प्रजनन-दर कम हो रही है। बहरहाल सरसंघचालक की जो चिंता है, वैसी ही चिंता चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग, रूसी राष्ट्रपति पुतिन, फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों, इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी के साथ-साथ दक्षिण कोरिया और जापान की सरकारों की भी है। अगली सदी के बाद दक्षिण कोरिया का अस्तित्व ही दुनिया से खत्म हो सकता है! इन देशों की चिंता यह भी है कि उनकी आबादी 'बूढ़ी' होती जा रही है। कामगारों की संख्या कम हो रही है, लिहाजा जीडीपी भी सिकुड़ता जा रहा है। हालांकि भारत की जनसंख्या विश्व में सर्वाधिक है।

> भारत की मौजूदा आबादी 145 करोड़ से अधिक है और हम विश्व की आबादी का 18वां हिस्सा हैं। देश की प्रजनन-दर करीब 1.94 है, जो 2.1 के औसत से कम है। सरसंघचालक ने जनसंख्या विज्ञानियों के माध्यम से कहा है कि यदि प्रजनन-दर 2.1 से लगातार कम रहती है, तो एक दिन वह समुदाय, समाज विलुप्त हो सकता है! कई भाषाओं और समाजों को विलुप्त होते देखा गया है। सूडान का तो विभाजन हो गया है। पुर्तगाल सर्बिया से स्वतंत्र होना चाहता था, लेकिन आबादी कम होने के कारण उसका भूगोल ही बदल गया। इंडोनेशिया सबसे अधिक मुस्लिम आबादी वाला देश बन गया। भारत के संदर्भ में तमिलनाडु और आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्रियों ने कमोबेश 16 बच्चे पैदा करने की अनिवार्यता के आधार और कारण गिनाए हैं। इन राज्यों का डर है कि एक दिन वे हिंदी-भाषी, उत्तरी भारत के राज्यों की तुलना में असरहीन हो जाएंगे, क्योंकि राष्ट्रीय संदर्भ में उनकी आबादी, प्रजनन-दर कम हो रही है।

फिलहाल करीब 50 फीसदी आबादी की औसत उम्र 25 साल है, करीब 65 फीसदी आबादी की उम्र 35 साल से कम है, लेकिन 2022 में 60 साल से ऊपर वाली आबादी 10.5 फीसदी थी। संकेत स्पष्ट हैं कि औसत आयु बढ़ रही है, आम आदमी अलग-अलग कारणों से स्वस्थ है, लिहाजा वह दीर्घायु हो रहा है। 2024 में प्रति 1000 लोगों पर हमारी जन्म-दर 16.750 है। प्रति महिला जन्म-दर 2.03 है। 2023 की तुलना में यह 1.17 फीसदी कम है। भारत की औसत आयु 28.4 वर्ष है। हमारी आबादी अगले 77 सालों में दोगुनी हो जाएगी। उसके बाद आबादी घटनी शुरू होगी। प्रजनन-दर को हिंदू-मुसलमान के चश्मे से नहीं देखना चाहिए। अभी तक जनसंख्या-विस्फोट की बात कही जाती थी। 'हम दो, हमारे दो' का सरकारी नारा बुलंद रहा है। सवाल है कि संघ प्रमुख ने तीन बच्चे पैदा करने का आह्वान क्यों किया है? आम चुनाव तक प्रधानमंत्री मोदी ने ज्यादा बच्चे पैदा करने का विरोध किया था और मुसलमानों को निशाना बनाया था। जब आगामी 77 साल में भारत की आबादी दोगुनी होनी है, तो 2 की जन्म-दर से ही देश विलुप्त होने के कगार पर कैसे आ सकता है? मुसलमानों में प्रजनन-दर 2.36 है, जो कुछ सालों पूर्व तक 4 थी। सवाल यह भी है कि क्या भारत में तीन बच्चे 'मीठी खीर' साबित होंगे? क्या देश में इतनी नौकरियां हैं, रोजगार के केंद्र हैं, सड़कें और मकान हैं, अस्पताल और स्कूल-कॉलेज हैं, बुनियादी ढांचा है, क्या आर्थिक संसाधन हैं? तीन बच्चों की आबादी का भरण-पोषण कैसे करेंगे? एमबीबीएस की एक सीट के लिए कमोबेश 45 लाख रुपए खर्च करने पड़ते हैं। एमबीए करने के लिए 25 लाख रुपए का औसत है, बीटेक पर भी 15-20 लाख रुपए खर्च होते हैं। इतना धन कहां से लाएंगे? बहरहाल भारत सरकार की ओर से बयान आना चाहिए कि वस्तुस्थिति क्या है और भारत को क्या करना चाहिए।

बेशक कुछ अपवाद भी हो सकते हैं, लेकिन वही जिनके नेहरू-गांधी परिवार से ठीकठाक सम्बन्ध हैं

जीत और गठबंधन की मृगमरीचिक में आखिर कब तक भटकेगी कांग्रेस?

कमलेश पांडे

> आखिर कमजोर 'सियासी बैशाखियों' के सहारे उसकी जीत कितना मुकम्मल कहलाएगी और स्थायी बन पाएगी, यह उससे भी ज्यादा विचारणीय पहलू है! वैसे भी जब कांग्रेस विभिन्न महत्वपूर्ण राज्यों में क्षेत्रीय दलों की वैशाखी ढूंढती है या फिर मुद्दों के बियाबान में भटकती और फिर स्टैंड बदलती नजर आती है तो मुझे इसके रणनीतिकारों पर तरस आती है। ऐसा इसलिए कि मैंने भू-जमींदारी देखी है, जहां पर लोग अपनी जमीनें ठेके या बंटाईदारी पर देकर अनाज और पैसे दोनों लेते हैं

कांग्रेस एक पुरानी राजनीतिक पार्टी है, जिसका देशव्यापी जनाधार है। लेकिन वह 'जीत' और 'गठबंधन' की मृगमरीचिका में आखिर कबतक भटकेगी, यह एक यक्ष प्रश्न है? आखिर कमजोर 'सियासी बैशाखियों' के सहारे उसकी जीत कितना मुकम्मल कहलाएगी और स्थायी बन पाएगी, यह उससे भी ज्यादा विचारणीय पहलू है! वैसे भी जब कांग्रेस विभिन्न महत्वपूर्ण राज्यों में क्षेत्रीय दलों की वैशाखी ढूंढ़ती है या फिर मुद्दों के बियाबान में भटकती और फिर स्टैंड बदलती नजर आती है तो मुझे इसके रणनीतिकारों पर तरस आती है। ऐसा इसलिए कि मैंने भू-जमींदारी देखी है, जहां पर लोग अपनी जमीनें ठेके या बंटाईदारी पर देकर अनाज और पैसे दोनों लेते हैं। ठीक उसी तरह से आज कांग्रेस के रसूखदार और धन्नासेठ नेता पार्टी संगठन में पद और चुनावी टिकट देने के वास्ते 'वोट' और 'पैसा' दोनों लेते/लिवाते हैं, यह जानते हुए भी कि सामने वाला न तो उनका जनाधार बढ़ा पाएगा और न ही चुनाव जीत/जीतवा पाएगा। ऐसा वो सिर्फ इसलिए करते हैं कि सामने वाला अमीर है, वफादार है, पिछलग्गू भर है या फिर निहित समीकरण वश किसी ने उसकी सिफारिश की है। बेशक कुछ अपवाद भी हो सकते हैं, लेकिन वही जिनके नेहरू-गांधी परिवार से ठीकठाक सम्बन्ध हैं। अब बात पते की करते हैं। जैसे एक शातिर बंटाईदार अपने भूस्वामी की भूमि पर भी कब्जा कर लेता है और इसमें जब वह असफल होता है तो जमीन मालिक से कम कीमत में उसकी रजिस्ट्री करवाना चाहता है। अनुभवहीन भूस्वामियों को ऐसा करते हुए भी देखा सुना है। ठीक इसी प्रकार लालू प्रसाद और स्व. मुलायम सिंह यादव जैसे नवसियासी बटाईदारों ने कांग्रेस के साथ किया और आज क्षेत्रीय सियासी जमींदार बन बैठे हैं। ऐसा इसलिए सम्भव हो सका, क्योंकि निहित स्वार्थवश पीवी नरसिम्हाराव यही चाहते थे! उनके तिकड़म को सोनिया गांधी नहीं समझ सकीं! वहीं, आज जब राहुल-प्रियंका गांधी की कांग्रेस की रीति नीति देखता हूँ तो इनकी राजनीतिक जमींदारी के हश्र को महसूस भी करता हूँ। कांग्रेस माने या न माने, लेकिन समाजवादी, वामपंथी और राष्ट्रवादी सियासी जमींदारों ने उसकी राजनीतिक जमींदारी को क्षत-विक्षत करने में अहम भूमिका निभाई है और हैरत की बात यह है कि वह समझ नहीं पाई और नादान बनी रही। जबकि इसके खिलाफ ठोस और जमीनी रणनीति बनानी चाहिए। जैसे कि उसके बाद जन्मी भाजपा ने किया है।

माना कि सत्ता प्राप्ति के लोभ में क्षेत्रीय दलों से गठबंधन यानी यूपीए/महागठबंधन की सोच तो सही है, लेकिन इनके इशारे पर कांग्रेस संगठन को हांकना कतई सही नहीं है। कांग्रेस इससे इंकार कर सकती है, लेकिन वह आज इसी की पूरी सियासी कीमत अदा कर रही है। आज वह सत्ता में नहीं है, फिर भी उन्हीं लोगों से सहारा ढूंढ रही है, जो उसकी सियासी पतन के लिए कसूरवार हैं। चूंकि मैंने एआईसीसी/बीजेपी/तीसरे मोर्चे को कवर किया है, इसलिए दावे के साथ कह सकता हूँ कि कांग्रेस के अंग्रेजी भाषी दलाल नेताओं ने उसके जमीनी नेताओं को भाजपा या क्षेत्रीय दलों में जाने के लिए अभिशप्त कर दिया। चूंकि कांग्रेस के जमीनी नेताओं के पास रणनीति और जनाधार दोनों है, इसलिए वो अपने व्यक्तिवादी मिशन में सफल रहे, लेकिन कांग्रेस दिन ब दिन डूबती चली गई। राजनीतिक परिस्थिति वश कभी दो डग आगे तो चार कदम पीछे चलने को अभिशप्त हो गई। इस बात में कोई दो राय नहीं कि किसी भी स्थापित दल को चलाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय और क्षेत्रीय लायजनरों की जरूरत पड़ती है, लेकिन इनके निहित स्वार्थों के ऊपर यदि ब्लॉक, जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर जनाधार रखने वाले नेताओं की उपेक्षा की जाएगी तो फिर वोट कहाँ से आएगा, यह सोचने की फुर्सत सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के पास नहीं होगी। अतीत पर नजर डालें तो एक जमाना था जब गांव-गांव में कांग्रेस के मजबूत शुभचिंतक थे, लेकिन पार्टी की अव्यवहारिक रीति-नीति के चलते वह इससे दूर होते चले गए। दो टूक कहें तो भाजपा में या क्षेत्रीय दलों में शिफ्ट हो गए। ऐसे में आज कांग्रेस के पास सिर्फ उन 'धनपशुओं' की टोली बची है, जिनको दूसरी राजनीतिक पार्टियां कभी तवज्जो नहीं देतीं। इनका काम कांग्रेस की सत्ता और संगठन के बड़े नेताओं के शाही खर्चों का इंतजाम करना भर है और इसलिए इनके समर्थक ब्लॉक, जिला, राज्य व राष्ट्रीय संगठनों पर हावी हैं। चूंकि इनका कोई जनाधार नहीं है और ये जनाधार वाले कार्यकर्ताओं को तवज्जो नहीं देते, इसलिए कांग्रेस खत्म होती चली गई। वहीं, जब से क्षेत्रीय कांग्रेस के नेता अस्तित्व रक्षा के लिए बिहार में राजद प्रमुख लालू प्रसाद व तेजस्वी यादव तथा उत्तरप्रदेश में सपा प्रमुख स्व. मुलायम सिंह यादव और अखिलेश यादव जैसे मजबूत नेताओं के इशारे पर काम करने लगे, तब से पार्टी संगठन की स्थिति और अधिक दयनीय हो गई। आलम यह है कि कांग्रेस जैसी राजनीतिक पार्टी, जिसे देश की आजादी का श्रेय प्राप्त है, जब जनजीवन व राष्ट्रीय हितों से इतर प्रमुख जातीय, सांप्रदायिक और क्षेत्रीय समीकरणों पर खेलने लगी, तो उसकी जोड़-तोड़ से सत्ता तो बदलती रही, परंतु जनाधार छीजता चला गया। क्योंकि उसके प्रति निष्ठावान रहे प्रतिभाशाली पेशेवर, कारोबारी, प्रशासक और समाजसेवी आदि उससे दूर होते चले गए। चूंकि पहले क्षेत्रीय दलों और उसके बाद भाजपा ने उन्हें तवज्जो दी, इसलिए वो सब इनके साथ जुड़ गए, जिससे इन्हें अप्रत्याशित मजबूती मिली और कांग्रेस को कमजोरी मुबारक हुई। अब जब कांग्रेस की ट्रू कॉपी भाजपा बनती जा रही है तो भी कांग्रेस के थिंक टैंक को असली मुद्दे समझ में नहीं आ रहे हैं। शायद उसकी इसी मनोवृत्ति पर चोट करते हुए पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि कांग्रेस को पुराने ढर्रे की राजनीति बंद करनी होगी और नए ढर्रे बनाने होंगे। अन्यथा सियासी सफलता मुश्किल है। लिहाजा कांग्रेस की इसी कमजोरी को मजबूती में बदलने का आह्वान पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने किया है। हाल ही में हरियाणा और महाराष्ट्र में पार्टी और गठबंधन की हुई करारी हार के बाद हुई पहली कांग्रेस वर्किंग कमिटि की बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने दो टूक कहा कि अब पार्टी में जवाबदेही तय करने का वक्त आ गया है। क्योंकि इन दोनों ही राज्यों में महज चंद महीने पहले पार्टी का प्रदर्शन काफी संतोषजनक रहा था। लेकिन अब जो नई दुर्गति सामने आई है, वह हमें नए सिरे से सोचने पर मजबूर करती है। बता दें कि 29 नवंबर 2024 शुक्रवार को हुई कांग्रेस के सर्वोच्च नीति निर्धारक इकाई की इस समीक्षा बैठक में खरगे के अलावा तमाम सीनियर नेता, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस की नवनिर्वाचित सांसद प्रियंका गांधी भी मौजूद थी।

दृष्टि कोण

श्रीमद्भगवद गीता के उपदेश की प्रासंगिकता

वीर भोग्या वसुंधरा, श्रीमद्भगवदगीता के श्लोक का यह अंश सेना की 'राजपूताना राइफल' का आदर्श वाक्य है। अर्थात 'केवल शूरवीर व शक्तिशाली लोग ही धरती का उपयोग कर सकते हैं।' 'स्वधर्मे निधानं श्रेयः', गीता के तीसरे अध्याय के 35वें श्लोक का यह प्रसंग 'मद्रास रेजिमेंट' का ध्येय वाक्य है। अर्थात अपने धर्म के लिए वीरगति को प्राप्त होना गर्व का विषय है। 'युद्धाय कृत निश्चयः', दूसरे अध्याय के 37वें श्लोक का यह अंश 'गढ़वाल राइफल' का आदर्श वाक्य है अर्थात 'युद्ध का निश्चय करो'। 'कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन' अर्थात 'तेरा अधिकार केवल कर्म करना है। आप कर्मों के फल के हकदार नहीं हैं।' भगवद्गीता के दूसरे अध्याय के 47वें श्लोक का यह प्रसंग मुस्लिम राष्ट्र इंडोनेशिया की वायुसेना की स्पेशल यूनिट 'पाशखस' का आदर्श वाक्य है। मार्गशीर्ष मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी के दिन महाभारत युद्ध से पूर्व श्रीकृष्ण ने कुरुक्षेत्र की युद्धभूमि पर अर्जुन को उपदेश दिया था। इस दिन को मोक्षदा एकादशी व गीता जयंती के रूप में भी मनाया जाता है। कुरुक्षेत्र की रणभूमि पर युद्ध के लिए तैयार खड़ी कौरव सेना में भीष्म पितामह, अपने गुरु, चचेरे भाइयों व सगे संबंधियों को देखकर अर्जुन के मन में अहिंसा का भाव उत्पन्न हो गया था। भीष्म पितामह व गुरु द्रोणाचार्य के प्रति अर्जुन के मन में अपार श्रद्धा व मोह था, मगर दोनों अजेय योद्धाओं के जीवित रहते पांडव महाभारत युद्ध में जीत प्राप्त नहीं कर सकते थे। उस समय क्षत्रिय धर्म भूलकर युद्ध से विमुख हो चुके सर्वश्रेष्ठ धनुर्धर अर्जुन के लिए एक मार्गदर्शक की जरूरत थी। अतः अर्जुन के उस मोह का नाश करने के लिए श्रीकृष्ण ने युद्धभूमि पर अर्जुन को जो उपदेश दिया था, वो दिव्य ज्ञान श्रीमद्भगवदगीता में लिपिबद्ध है। श्रीकृष्ण महाभारत युद्ध में अर्जुन के सारथी बने तथा युद्ध की रणनीति बनाकर विजय दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। गीता उपदेश की प्रेरणा से अर्जुन ने 'नंदीघोष' रथ पर सवार होकर कुरुक्षेत्र की समरभूमि पर अपने गांडीव धनुष की बाणवर्षा से जिस शौर्य पराक्रम का परिचय दिया था। वो शूरवीरता एक महागाथा बन चुकी है। गीता के जिस उपदेश ने अर्जुन को धर्म व कर्म का मार्ग दिखाया था, उस कर्म मार्ग का गुणगान विदेशी लोग भी कर चुके हैं। विश्व की कई सफल हस्तियों ने गीता के 18 अध्यायों व सात सौ श्लोकों को प्रेरणादायी बताया है। जापान पर हुए परमाणु बम के हमले ने दूसरे विश्व युद्ध की तस्वीर बदलकर उस जंग का अंजाम तय कर दिया था। मगर समझने वाली बात यह है कि परमाणु बम के जनक अमेरिकी भौतिक विज्ञानी 'जूलियस राबर्ट ओपेनहाइमर' के मन में भगवद्गीता के ज्ञान को जानने की प्रबल जिज्ञासा थी। ओपेनहाइमर ने गीता का अनुवाद पढने के बजाय गीता के मूल स्वरूप को जानने के लिए सन-1933 में संस्कृत भाषा सीख ली थी। 1960 के दशक में एक गुफ्तगू के दौरान ओपेनहाइमर ने जिक्र किया था कि वह गीता के ग्यारहवें अध्याय के 32वें श्लोक 'कालेः अस्मि लोकक्षयकृत्प्रावद्धो लोका समाहर्तुमिह प्रवृतः' से काफी प्रभावित थे। अर्थात 'मैं लोकों का नाश करने वाला बढ़ा हुआ महाकाल हूं। इस समय इन लोकों को नष्ट करने के लिए प्रवृत्त हुआ हूं।' ओपेनहाइमर का तर्क था कि 16 जुलाई 1945 को अमेरिका में पहले परमाणु परीक्षण के भयंकर मंजर के बाद उन्हें भगवद्गीता का यही श्लोक याद आया था। गीता का गहन अध्ययन करने वाले अमेरिकी दार्शनिक 'हेनरी डेविड थोरो' का तर्क था कि 'भगवद्गीता में वर्णित सर्वश्रेष्ठ ज्ञान की सर्वकालिक प्रासंगिकता सदैव रहेगी। गीता के दिव्य ज्ञान को विश्व के समस्त धन से भी नहीं खरीदा जा सकता।' इंग्लैंड के दार्शनिक 'एफएच मोलेम' के अनुसार 'जिन गूढ़ मंत्रों का समाधान पश्चिमी लोग अभी तक नहीं खोज पाए, उनका समाधान गीता में शुद्ध व सरल रीति से हो चुका है। गीता जी मेरे लिए साक्षात योगेश्वरी माता हैं'। अमेरिकी लेखक 'राल्फ काल्डो एमरसन' तथा जर्मन विद्वान 'काल्टर शू ब्रिंग' जैसे गीता के ज्ञान के विदेशी प्रशंसकों की फेहरिस्त काफी लंबी है। स्मरण रहे कि हिंदोस्तान की सरजमीं से बर्तानियां हुकूमत को उखाडने वाले कई इंकलाबी चेहरों के लिए भी गीता का ज्ञान प्रेरणा बना था। पुणे में 22 जून 1897 को ब्रिटिश अधिकारियों 'वाल्टर चाल्स रैण्ड' व 'आयरुट' को हलाक करने वाले आजादी के गुमनाम नायक 'दामोदर हरि चापेकर' ने 18 अप्रैल 1898 को हाथ में भगवद्गीता पकड़ कर फांसी का फंदा चूम लिया था। अंग्रेज सैन्य अधिकारी 'विलियम हट कर्जन वाइली' को हलाक करने वाले क्रांतिकारी 'मदन लाल ढींगरा' ने लंदन में 17 अगस्त 1909 को तख्ता-ए-दार पर झूलते वक्त वंदे मात्रम का उद्घोष करके हाथों में 'गीता' पकड़ी थी। सिंध से ताल्लुक रखने वाले उन्नीस वर्षीय स्वतंत्रता सेनानी 'हेमू कालानी' ने 21 जनवरी 1943 को गीता को हाथों में पकड़ कर फांसी का फंदा चूम लिया था।

कुछ अलग

वजीर, जमीर और मैं

एक मजे की बात! कल रात मेरा जमीर भी मर गया। कुल मिलाकर अवसर दुअवसर सुअवसर हर आदमी के पास दिखाने को एक जितना भी हो, जमीर ही होता है जो झूठ, बेईमानी में भी उसे जिंदा रहने की प्रेरणा देता रहता है। तब पल भर को तो मुझे लगा कि मैं भी अब गया। कारण, मेरे शतरंज के खास दोस्त बात बात पर कहा करते थे कि बेटा! शतरंज में वजीर और जिदंगी में जमीर मर जाए तो खेल खत्म हुआ समझो, चाहे कितनी ही गेम और जिंदगी क्यों न शेष बची हो। जमीर के मरते ही मुझे कुछ कुछ घुटन महसूस हुई। लगा, शतरंज वाला दोस्त ठीक ही कहता था। जमीर के मरते ही मैंने ज्यों ही इस बात की सुखद या दुखद जो भी मेरे फेसबुकिया फ्रेंड समझें सूचना अपने तमाम मित्रों से साझा की तो तुरंत मिली जुली प्रतिक्रिया हुई। आजकल लोग फेसबुक पर ही खाते हैं, फेसबुक पर ही नहाते हैं, फेसबुक पर ही मेहनत करते करते सो जाते हैं। कुछ ने तत्काल लिखा, 'गुड लक! बहुत भाग्यशाली हो। देर से ही सही, मरे जमीर वाले तो हुए। अब खीर खाओ। औरों की कड़ाही का हलुआ खाओ', तो कुछ जमीरियों ने लिखा, 'बेटा! अब तुम भी गए। जमीर मर जाने के बाद आदमी के भीतर कुछ शेष मरने को नहीं जाता। जितने को हम आते हैं अपनी अंतिम यात्रा की तैयारी करो। आते आते कुछ लाना हो तो फेसबुक पर डाल देना।' फेसबुक पर मेरे द्वारा मेरे जमीर के मरने की सूचना ज्यों ही मेरे परम मित्र को मिली तो वे दौड़े दौड़े मेरे पास आए। उन्होंने मुझे जिंदा देखा तो उन्हें हैरानी भी हुई और परेशानी भी। हैरानी और परेशानी के मिश्रित भाव उनके दिमाग पर देखे तो मैंने मजे लेने को पूछा, 'मित्र! इतने परेशान हैरान क्यों हो? अभी मेरा जमीर ही तो मरा है। मैं तो जिंदा हूं न, ये देखो, ये देखो।' 'यही देख तो मैं और हैरान और परेशान दोनों एक साथ हूं। कायदे से तो जमीर मरने के बाद तुम जैसे आदमी एकदम मरते देखे हैं मैंने। या तो तुम वैसे आदमी नहीं हो जैसा मैं सोचता था या फिर...दुकान बंद कर फेसबुकिया सूचना पढ़ आरआईपी लिखने के बदले दौड़ा दौड़ा चला आया कि इससे पहले तुम्हारी आंखें पूरी बंद हो जाएं मैं तुम्हारे जिंदा के अंतिम दर्शन कर लूं। मरने के बाद तो वे भी दर्शन करने पड़ोसी से उधार ले टैक्सी में दौड़े दौड़े आ जाते हैं जिन्होंने कभी बरसों हमें देखा भी न हो।' 'पर मुझे तो मेरे जमीर के मरने पर भी कुछ नहीं हो रहा। हां! शुरू शुरू में घुटन सी फील हुई थी, अब वह भी ठीक है। देखो तो, पहले से स्वस्थ मस्त हूं। अब मजे से सांस ले रहा हूं। बल्कि यूं कहूं कि पहले से इजीली सांस ले रहा हूं तो तुम्हें बहुत बुरा लगेगा। देखो तो, मेरा दिमाग मेरे जमीर के मरने पर पहले से भी अधिक एक्टिव हो गया है। मेरे जमीर के मरने के बाद मेरे चेहरे पर पहले से अधिक ग्लो नहीं रहे हो तुम क्या? मैंने तो जमीर के मरने पर सबसे पहले आइने में अपने चेहरे को ही देखा था कि वह कैसे बदलेगा अब? पर उस पर पहले से अधिक ताजगी दिखी तो मुझे पता चल गया था कि तुम मुझे आज तक झूठ बोल बोल कर डराए रहे ताकि मैं चैन से न जी सकूं। मित्र! सच कहूं तो मैं अपने को इस वक्त इतना डिलाइट फील कर रहा हूं जितना मैंने अपने सच के मरने पर भी न किया था। मित्र! सच कहूं तो मैं अपने को इस वक्त इतना डिलाइट फील कर रहा हूं जितना मैंने अपनी ईमानदारी के मरने पर भी न किया था। मित्र! सच कहूं तो मैं अपने को इस वक्त इतना डिलाइट फील कर रहा हूं जितना मैंने अपनी नैतिकता के मरने पर भी न किया था। मित्र! सच कहूं तो मैं अपने को इस वक्त इतना डिलाइट फील कर रहा हूं जितना मैंने अपने सच के मरने पर भी न किया था। मुंह पर कहता हूं मित्र! तुम झूठे नहीं, सरासर निकले! तुमने मुझे इतने सालों तक डराए रखा कि जमीर के मरने पर गधे से गधा भी मर जाता है।

देश दुनिया से

स्कूल छात्राओं की यौन सुरक्षा

नवंबर 2024 में दिल्ली में शाहदरा के आनंद विहार इलाके में एक स्कूल बस में एक स्कूली छात्रा के साथ कथित तौर पर यौन उत्पीडन का मामला सामने आया था। स्कूल छात्राओं का इस प्रकार का शोषण देश के अनेक राज्यों में लगातार देखने को मिल रहा है। इन ज्यादातर मामलों में आरोपी शिक्षा संस्थानों से जुड़े लोग ही होते हैं। यह एक सामाजिक चिंता का कारण है। ऐसे सभी मामले दूरदराज के छोटे गांवों से लेकर जाने-माने विश्वविद्यालयों तक के हैं, जहां यौन हिंसा को लेकर लड़कियां लगातार संघर्ष कर रही हैं और कई बार तो उनके स्कूल या कॉलेज छोडने तक की नौबत भी आ जाती है। लैंगिक भेदभाव के अलावा इस तथाकथित आधुनिक समाज में यौन शोषण एक बड़ा कारण भी है जिससे लड़कियां शिक्षा से दूर हो जाती हैं या उनके अभिभावकों द्वारा दूर कर दी जाती हैं। अक्सर शिक्षा और रोजगार के लिए जारी रिपोर्ट्स में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी को देखकर सभी खुद को शाबाशी देने लगते हैं। लेकिन हम यह भूल जाते हैं कि अभी भी समाज के कई हिस्सों में लड़कियों को अपनी बुनियादी शिक्षा और विकास के लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ रहा है। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) के मुताबिक लगभग पांच में से एक लडक़ी अभी भी निम्न-माध्यमिक शिक्षा की पढ़ाई पूरी नहीं कर पा रही है। लगभग 10 में से चार लड़कियां आज भी उच्च-माध्यमिक विद्यालय की पढ़ाई पूरी नहीं कर पा रही हैं। कुछ क्षेत्रों में तो संख्या और भी निराशाजनक है। यह पूरी दुनिया का हाल है। अपने यहां के हालात भी कुछ ऐसे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार यहां प्राइमरी स्कूल की शिक्षा पूरी करने के बाद लगभग 65 फीसदी लड़कियों ने स्कूल छोड़ दिया था। ये आंकड़े शिक्षा मंत्रालय ने अपनी पहली 'ग्रामीण भारत में प्राथमिक शिक्षा की स्थिति' रिपोर्ट में बताए हैं। हालांकि इस पढ़ाई छोडने के पीछे यौन हिंसा के अलावा और भी कई बड़े कारण हैं, लेकिन राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की वार्षिक रिपोर्ट कहती है कि भारत में पिछले तीन सालों में बच्चों के खिलाफ 418385 अपराध दर्ज किए गए। इनमें पॉक्सो एक्ट के तहत करीब 134383 मामले दर्ज हुए। पॉक्सो (प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रेन अगेंस्ट सेक्सुअल ऑफेंस) जैसे कड़े कानून के बावजूद भारत में बच्चों के खिलाफ यौन हिंसा के मामले कम नहीं हो रहे हैं, बल्कि इनमें साल दर साल इजाफा हो रहा है। महानगरों के अलावा छोटे शहरों में भी इस तरह के घिनौने अपराधों को अंजाम दिया जा रहा है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की साल 2020 की रिपोर्ट बताती है कि देश में बाल यौन शोषण के 47221 मामले दर्ज किए गए थे। इन मामलों में अधिकतर पीड़ित लड़कियां ही थीं। एनसीआरबी के मुताबिक यौन हिंसा और यौन शोषण की वारदातें सबसे अधिक 16 से लेकर 18 वर्ष की लड़कियों के साथ हुईं। इस क्षेत्र में काम करने वाले कार्यकर्ताओं का कहना है कि कई बार मामले पुलिस तक नहीं पहुंचते हैं या फिर परिवार ही बदनामी के डर से उसे दबा देता है। बच्चों को यौन शोषण से बचाने के लिए नौ साल पहले पॉक्सो कानून बनाया गया था। सवाल यह है कि क्या कानून अपने उद्देश्य को पूरा करने में सफल रहा है? 2016 से 2020 तक (एनसीआरबी) की रिपोर्ट के अनुसार, रिपोर्ट किए गए बाल यौन शोषण के मामलों की संख्या 2016 में 36321 से बढक़र 2020 में 47 हजार से अधिक हो गई। यह 31 प्रतिशत की वृद्धि है। विशेषज्ञों के अनुसार यह संख्या भी हिमखंड का सिरा मात्र है। एनसीआरबी की 2020 की रिपोर्ट में कहा गया है कि बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों में से सिर्फ 36 फीसदी ही पॉक्सो के तहत दर्ज होते हैं। बदलती तकनीक और इसके दुरुपयोग के साथ तालमेल रखने के लिए अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय कानूनों की विफलता की जांच करने वाले अधिकार समूह 'इक्वालिटी नाउ' का कहना है कि संभावित पीड़ितों को लक्षित करने के लिए शिकारी तेजी से सोशल मीडिया और ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म का उपयोग कर रहे हैं। इक्वालिटी नाउ के मुताबिक अपराधी गुमनाम तरीके से काम करते हैं और वे बहुत सीमित विनियमन के तहत काम करते हैं। इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि ये बच्चियों के माता-पिता के मन का सबसे बड़ा डर जरूर है। यह कटु सत्य है कि हमारे देश में कुछ लोग लड़कियों की शिक्षा को लेकर बहुत उत्सुक नजर नहीं आते। कहीं मां-बाप अपनी बच्चियों को घर से ज्यादा दूर भेजना नहीं चाहते, क्योंकि वे उनकी सुरक्षा को लेकर आश्वस्त नहीं रहते। तो कहीं वे उनकी पढ़ाई पर खर्च को फिजूल मानते हैं। कहीं घर की सोच सिर्फ लडक़ों को पढने की आजादी देती है, तो कभी कहीं किसी लडक़ी के साथ हुई शोषण-उत्पीडन की घटनाएं बाकी लड़कियों को भी घर में कैद होने को मजबूर कर देती हैं। अक्सर गांव के स्कूलों में लड़कियां शिकायत को भी आगे इसलिए नहीं आती क्योंकि उन्हें डर होता है कि उनकी पढ़ाई छूट जाएगी। फिर उनके लिए घर के चूल्हा-चौके से बाहर निकलने का यही एक रास्ता भी होता है। उनकी आवाज भी कई बार 'इज्जत' के नाम पर दबा दी जाती है। पॉक्सो यानी यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण कानून हमारे यहां बहुत मजबूत है, बावजूद इसके किसी में इसका डर नहीं है क्योंकि लड़कियों की स्थिति हर किसी को पता है, जो कभी डर तो कभी लालच से इन घटनाओं को छिपाने को मजबूर हो जाती हैं। गांव के स्कूलों में तो गुड टच-बैड टच किसी तरह की जागरूकता भी नहीं है। जब तक कोई बड़ी घटना सामने नहीं आती, कोई हलचल तक नहीं होती। और ऐसा भी नहीं कि इसका सिर्फ एक व्यक्ति जिम्मेदार है। यह पूरा सांठगांठ का एक खेल होता है जिसमें नीचे से लेकर ऊपर तक कई लोगों का हाथ होता है और कई बार तो शासन-प्रशासन की संलिप्तता भी देखने को मिलती है। इस ओर सरकार और महिला आयोग का ध्यान बिल्कुल ही नहीं जाता, जब तक कुछ बड़ा नहीं हो जाता। क्या इस बात का जवाब दे सकते हैं कि जब बेटी स्कूल में ही सुरक्षित नहीं है तो पढ़ाई कैसे करेगी? हम खुद को भले ही कितना आगे बढ़ता हुआ देखें, भले ही हमने चांद पर कदम रख लिया हो, चाहे क्यों न हमने पृथ्वी के साथ मंगल ग्रह में भी अपना परचम फहरा दिया हो, लेकिन जब तक देश की बेटी ही सुरक्षित न हो तो ऐसे देश के विकासशील होने का भला क्या फायदा। गौरतलब है कि कई बार स्कूल से लेकर विश्वविद्यालयों तक लड़कियों ने अकेले और सामूहिक रूप से यौन शोषण के खिलाफ आवाज बुलंद की है।

आप का नजरिया

सरकार की डीप पॉकेट

वाहनों की तादाद में भागती आर्थिकी से सरकार की आय का निस्सारण सीधे जुड़ा है। इसके साथ विकास और सुविधाओं के कई आगाज नत्थी हैं, इसलिए जैसे ही हिमाचल में हर वाहन ग्रीन टैक्स का भुगतान करेगा, राज्य की आय के स्रोत, नई जिम्मेदारियों का भुगतान कर पाएंगे। वैसे हर वाहन प्रत्यक्ष और परोक्ष में अपने पंजीकरण की मुबारकों में पहले से कुछ कर अदा कर रहा है, लेकिन ग्रीन टैक्स की वजह से राज्य की आय का साधन बढ़ जाएगा। विडंबना यह कि बहुत देर बाद यह विचार आया कि कर चक्र को बढ़ाया जाए। जाहिर है सुक्खू सरकार ने ग्रीन टैक्स की परिपाटी में कई मंत्र फूंके हैं और इससे समृद्ध होते हिमाचली अपनी बदलती जीवन शैली के लिए सरकार के खीसे में भी अंशदान कर देंगे। सरकार को आय बढ़ाने के लिए डीप पॉकेट बनानी पड़ेगी और यह वर्तमान सत्ता की कोशिशों से प्रकट हो रहा है। हिमाचल की आर्थिक वकालत यूं तो केंद्र सरकार के रहमोकर्म पर रही या पर्वतीय राज्यों को मिलने वाली प्राथमिकताओं की वजह से यह प्रदेश तरक्की के हर पहलू में आगे बढ़ता रहा, लेकिन अब परिस्थितियां न मुफ्त की रोटी खाने दे रहीं और न ही उधार की अंगीठी ज्यादा देर सेंक पाएंगे। अगले कुछ वर्षों में जब उधार की वर्तमान दर एक लाख करोड़ से ऊपर पहुंचा देगी, तो हाथ फैलाना भी मुमकिन नहीं होगा, इसलिए कोरा कागज बनने से पहले यह आवश्यक है कि हर नागरिक अपनी ओर से बढ़ती आमदनी का एक हिस्सा राज्य की आत्मनिर्भरता के लिए अर्पित कर दे। बुरे दौर की गलत आर्थिक व्यवस्था ने भले ही सियासत को चमका दिया या जनता के साथ ठगी करने का रास्ता आसान कर दिया, लेकिन अब इसकी दुरुस्ती में तर्कपूर्ण, व्यावहारिक व आवश्यक फैसले लेने ही पड़ेंगे। राजनीति भले ही गारंटियों पर होती रहे या तेरी कमीज से मेरी कमीज साफ घोषित करती रहे, लेकिन नागरिक समाज को राज्य की सही पैरवी में कर की प्रधानता को चुनना पड़ेगा। कहने को हम कर मुक्त बजट की औलाद बनकर मुफ्त की बिजली और मुफ्त का पानी पीना चाहते हैं, लेकिन यह नहीं सोचते कि जो युवा बाहर नौकरी कर रहे हैं, उन्हें वहां बिजली-पानी की कीमत अदा करते ही कितना पसीना बहाना पड़ता है। बहरहाल मुफ्त बिजली के यूनिट घटाने, उन्हें तर्कशील बनाने तथा महिला यात्रियों की सरकारी बसों में मुफ्तखोरी घटाने के लिए सुक्खू सरकार ने प्रयत्न करने के बाद वाहनों के पंजीकरण पर ग्रीन टैक्स की बुनियाद रख दी है। पाठकों को याद होगा कि हमने पंजीकरण के साथ बार-बार एकमुश्त पार्किंग फीस का सुझाव कमोबेश इसीलिए दिया था ताकि इस आय से कई समाधान सुनिश्चित किए जाएं। मनाली व शिमला में बाहरी वाहनों के लिए ग्रीन टैक्स के कारण खासी आमदनी हो रही है और ग्रीन टैक्स अगर पंजीकृत वाहन से भी लिया जाता है तो करीब 24 लाख वाहनों से औसतन दो हजार की वसूली पर ही 420 करोड़ की आय हो जाएगी। इस धन से अगर ट्रांसपोर्ट नगर, पार्किंग सुविधाएं और हाईवे टूरिज्म सुविधाएं विकसित की जाएं, तो राज्य की अधोसंरचना एक नए मुकाम तक पहुंचेगी। बेशक हिमाचल की जागरूक व समृद्ध जनता राज्य के कर ढांचे में तर्कसंगत योगदान बढ़ाने के लिए तैयार हो जाएगी, बशर्तें सरकार को अपने कद और पद में अनावश्यक खर्चे घटाने पड़ेंगे।

भारत की मैथिली ठाकुर के लोकगीतों से गूंजा मेलबर्न का फेडरेशन स्क्वेयर

मेलबर्न, 04 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारतीय लोकगायिका मैथिली ठाकुर के सुरों ने मेलबर्न के फेडरेशन स्क्वेयर में मौजूद हजारों लोगों को तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया। ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया प्रांत की राजधानी मेलबर्न के लोग मैथिली ठाकुर की बीते कल की प्रस्तुति को कभी नहीं भूल पाएंगे। करीब 50 लाख लोगों की आबादी वाले इस महानगर का फेडरेशन स्क्वेयर स्त्री, पुरुषों और बच्चों से खचाखच भरा रहा। ऑस्ट्रेलियन ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन ने भारतीय लोकगायिका मैथिली ठाकुर के इस कार्यक्रम को शानदार कवरेज दिया है। मैथिली ने एक्स हैंडल पर इसके लिए कॉरपोरेशन का आभार जताया है। पोर्ट फिलिप खाड़ी के उत्तरी और पूर्वी तटरेखाओं पर बसे मेलबर्न में मिले समर्थन से मैथिली खुश हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में पहली बार प्रस्तुति दी है। ऑस्ट्रेलियन ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन ने अपनी सांस्कृतिक रपट में लिखा है, मैथिली ठाकुर में भारतीय लोक संगीत को वैश्विक स्तर पर ले जाने वाली बहुभाषी प्रतिभा है। आधुनिकता की ओर भागती दुनिया में मैथिली ठाकुर में अपनी जड़ों की शक्ति और सुंदरता की सौम्यता है। महज 24 साल की उम्र में इस गायिका ने लोक, शास्त्रीय और भक्ति धुनों के मिश्रण से वैश्विक संगीत में एक अद्वितीय स्थान बनाया है। उनकी यात्रा उतनी ही समृद्ध है जितनी कि वे जिन परंपराओं का प्रतिनिधित्व करती हैं। उनकी आवाज सिर्फ नोट्स नहीं, बल्कि सदियों की संस्कृति को दर्शाती है।मैथिली ने कहा, मेरा नाम अपनी विरासत से जुड़ाव के नाम से शुरू होता है। वह बिहार के मिथिला क्षेत्र से गहराई से जुड़ा हुआ है। मिथिला वह जगह है जहां देवी सीता का जन्म हुआ। मेरा नाम मैथिली उन्हीं (देवी सीता) से आया है। उन्होंने कहा, मेरे संगीत शिक्षक पिता ने सात साल की उम्र में मेरा परिचय हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत से कराया। संगीत की इस यात्रा में पिता ने हर कदम पर साथ दिया।

न्यूज ब्रीफ

पीटीआई नेता शिबली फराज का पाकिस्तान न्यायिक आयोग के सदस्य पद से इस्तीफा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान न्यायिक आयोग (जेसीपी) के सदस्य शिबली फराज ने बुधवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। सीनेटर शिबली फराज पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख नेता हैं। एक दिन पहली उनकी पार्टी के सहयोगी उमर अयूब ने भी आयोग के सदस्य पद से इस्तीफा दिया था। पीटीआई संस्थापक इमरान खान ने 13 सदस्यीय जेपीसी में फराज के स्थान पर सीनेटर बैरिस्टर अली जफर को नामित किया है। 26वें संवैधानिक संशोधन के अधिनियमन के बाद फराज को पिछले महीने ऊपरी और निचले सदनों के तीन अन्य सांसदों के साथ नामित किया गया था। जेसीपी का नेतृत्व पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश करते हैं। इसमें दो सीनेटर, दो एमएनए, सुप्रीम कोर्ट के तीन वरिष्ठतम न्यायाधीश, संवैधानिक पीठ के सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश, संघीय कानूनमंत्री, अटॉर्नी जनरल, एक वकील शामिल होते हैं। जेसीपी को सर्वोच्च न्यायालय, उच्च न्यायालयों और संघीय शरीयत न्यायालय में न्यायाधीशों की नियुक्ति के साथ-साथ उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के प्रदर्शन की निगरानी करने और उनके वार्षिक प्रदर्शन मूल्यांकन तैयार करने का काम सौंपा गया है।

डेमोक्रेट एडम ग्रे कैलिफोर्निया के 13वें कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट से चुनाव जीते

वाशिंगटन। डेमोक्रेट एडम ग्रे ने कैलिफोर्निया के 13वें कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट में मौजूदा जॉन डुआर्टे को हराकर अमेरिकी सदन का चुनाव जीत लिया। डुआर्टे ने दो साल पहले ग्रे को 564 वोटों से हराया था।ग्रे पूर्व राज्य विधायक हैं। उन्होंने 2012 से 2022 तक कैलिफोर्निया के 21वें विधानसभा जिले का प्रतिनिधित्व किया। उन्हें मध्यमार्गी डेमोक्रेट माना जाता है। उन्होंने सेंट्रल वैली में किसानों के लिए पानी की कमी जैसी प्रमुख समस्या को उठाया। ऊर्जा संसाधन बढ़ाने के लिए अभियान चलाया।डेमोक्रेट एडम ग्रे ने मंगलवार को एक्स हैंडल पर लिखा, लंबे समय से प्रतीक्षित परिणाम इस बात की पुष्टि करते हैं कि लोग स्वतंत्र और जवाबदेह नेतृत्व के लिए तैयार हैं। कैलिफोर्निया के 13वें कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट के लिए निर्वाचित कांग्रेसी बनकर मैं सम्मानित महसूस कर रहा हूं।

बीआरआई पर चीन ने नेपाल के प्रस्ताव को किया खारिज, कार्यान्वयन समझौता पर हस्ताक्षर नहीं

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के चीन भ्रमण के बाद दोनों देशों ने एक साझा वक्तव्य जारी किया है। इस वक्तव्य में बहुचर्चित बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव फ्रेमवर्क एग्रीमेंट को यथाशीघ्र करने की बात लिखी गई है। इसका अर्थ यह हुआ कि प्रधानमंत्री ओली के इस भ्रमण में बीआरआई के कार्यान्वयन समझौते पर हस्ताक्षर होने की संभावना तत्काल के लिए समाप्त हो गई है। प्रधानमंत्री का चीन भ्रमण पूरी तरीके से बीआरआई के कार्यान्वयन समझौते पर हस्ताक्षर और पोखरा विमानस्थल के निर्माण में लिए गए ऋण की माफी पर टिकी हुई थी। लेकिन दोनों में से एक पर भी चीन के राजी नहीं होने से फिलहाल मामला लटक गया है। नेपाल की मीडिया में इसे प्रधानमंत्री ओली और विदेश मंत्री डॉ आरजू राणा की कूटनीतिक विफलता बताया जा रहा है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात और प्रधानमंत्री ली कियांग के साथ द्विपक्षीय बैठक के दौरान तो इन मुद्दों की कोई चर्चा नहीं हुई। इन दोनों ही मुलाकातों के बाद दोनों पक्ष के तरफ से जारी अलग-अलग बयान में कहीं भी बीआरआई और पोखरा एयरपोर्ट को लेकर कोई भी जिक्र नहीं किया गया है। मंगलवार को देर रात दोनों देशों के विदेश मंत्रालय के तरफ से जारी संयुक्त वकतव्य में बीआरआई के फ्रेमवर्क पर प्रतिबद्धता जताते हुए यथाशीघ्र हस्ताक्षर करने की बात कही गई है। इसके अलावा नेपाल के तरफ से प्रस्तावित अन्य परियोजनाओं को भी संयुक्त वकतव्य में स्थान तो दिया गया है लेकिन उनके एक भी नया कुछ नहीं है। जिन परियोजनाओं का जिक्र संयुक्त वकतव्य में रखा गया है वो 2017 में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के नेपाल दौरे के समय भी रखा गया था।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति येओल का सिंहासन डोला, वापस लेना पड़ा मार्शल लॉ लगाने का फैसला, करना होगा महाभियोग प्रस्ताव का सामना

रियोल, 04 दिसंबर (एजेंसियां)।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यूं सुक येओल ने महज छह घंटे बाद तड़के आपातकालीन मार्शल लॉ को हटाने की घोषणा की। नेशनल असेंबली में आपातकालीन मार्शल लॉ के खिलाफ हुए मतदान के बाद उन्होंने यह फैसला लिया। येओल के इस फैसले के खिलाफ लोग सड़कों पर उतर आए थे। दक्षिण कोरिया की मुख्य विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी ने कहा कि वह राष्ट्रपति यूं सुक येओल के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाएगी। इसे गुरुवार को होने वाले पूर्ण सत्र में पेश किया जाएगा।

मैं नेशनल असेंबली के अनुरोध को स्वीकार करता हूं...द कोरिया हेराल्ड समाचार पत्र ने देश के इस राजनीतिक घटनाक्रम पर विस्तार से खबर दी है। द कोरिया हेराल्ड के अनुसार राष्ट्रपति येओल ने छह घंटे की अराजकता के बाद आपातकालीन मार्शल लॉ समाप्त करने की घोषणा की। राष्ट्रपति यूं सुक येओल ने मार्शल लॉ हटाने के लिए संसद (नेशनल असेंबली) के अनुरोध को सुबह स्वीकार कर लिया। उन्होंने स्वीकार किया कि मार्शल लॉ की उनकी आश्चर्यजनक घोषणा अल्पकालिक थी। राष्ट्रपति ने सुबह लगभग 4:20 बजे टेलीविजन पर राष्ट्र के नाम संबोधन में कहा, मैं नेशनल असेंबली के अनुरोध को तुरंत स्वीकार करूंगा और कैबिनेट के माध्यम से मार्शल लॉ हटाऊंगा।

सुबह बहुत हो चुकी...उन्होंने कहा, मैंने तुरंत कैबिनेट बुलाई। कोरम अभी तक पूरा नहीं हुआ है क्योंकि सुबह बहुत हो चुकी है। कोरम पूरा होते ही मैं मार्शल लॉ हटा दूंगा। रूढ़िवादी नेता यूं सुक येओल ने रात 10:20 बजे देश को बचाने की दृढ़ इच्छा के साथ मार्शल लॉ घोषित किया था। रात लगभग एक बजे 300 सदस्यीय नेशनल असेंबली में उपस्थित सभी 190 सांसदों ने राष्ट्रपति की मार्शल लॉ की घोषणा के खिलाफ मतदान किया। कोरिया की मुख्य विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी सहित उदारवादी पार्टियों की नेशनल असेंबली में मजबूत स्थिति है। सत्तारूढ़ पीपुल्स पावर पार्टी ने विपक्ष का समर्थन किया। सत्तारूढ़ पीपुल्स पावर पार्टी के नेता हान डोंग-हून ने रात कहा कि जैसे ही राष्ट्रपति ने मार्शल लॉ घोषित किया, चीजें गलत हो गईं।

संसद का पूर्ण सत्र कल, पेश होगा महाभियोग प्रस्तावसंसद में मतदान के बाद मुख्य विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी ने कहा कि वह राष्ट्रपति येओल के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव गुरुवार को होने वाले पूर्ण सत्र के दौरान पेश करेगी। विपक्षी दलों के 40 से अधिक सांसदों के समूह ने घोषणा की कि राष्ट्रपति पर महाभियोग चलाना चाहिए। इस समूह ने राष्ट्रपति को राज्य कुप्रबंधन के देशद्रोही कृत्य का मास्टरमाइंड कहा है। रीबिल्डिंग कोरिया पार्टी के फ्लोर लीडर ह्वांग उन-हा ने कहा, राष्ट्रपति ने सेना को लामबंद करके देशद्रोह के समान कार्य किया है। यह स्पष्ट है कि वह एक पल भी अधिक समय तक पद पर नहीं रह सकते। इसलिए, हमें तत्काल महाभियोग प्रस्ताव लाना चाहिए। ह्वांग ने सभी दलों से सहयोग मांगा है। उन्होंने कहा कि इस पर 24 से 72 घंटों के भीतर मतदान होना चाहिए।

अब येओल गणराज्य के राष्ट्रपति नहीं इससे पहले डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता ली जे-म्युंग ने मार्शल लॉ घोषणा को असंवैधानिक और अवैध बताते हुए इसकी आलोचना की थी। मार्शल लॉ को हटाने की मांग करने वाले नेशनल असेंबली के प्रस्ताव पर मतदान के तुरंत बाद उन्होंने पत्रकारों से कहा, राष्ट्रपति की मार्शल लॉ की घोषणा संविधान और मार्शल लॉ अधिनियम द्वारा निर्धारित मूल आवश्यकताओं को पूरा करने में पूरी तरह से विफल रही। राष्ट्रपति ने लोगों को धोखा दिया। मार्शल लॉ की उनकी अवैध घोषणा अमान्य है। इस क्षण से, येओल अब कोरिया गणराज्य के राष्ट्रपति नहीं हैं।

मैं देशविरोधी ताकतों का सफाया कर दूंगा...इस घटनाक्रम से पहले राष्ट्रपति येओल ने रात को टेलीविजन पर राष्ट्र को संबोधित किया। उन्होंने अपने संबोधन के दौरान 10:20 बजे दक्षिण कोरिया में आपातकालीन मार्शल लॉ की घोषणा की। राष्ट्रपति ने रात 11 बजे देश भर में मार्शल लॉ लागू होने से एक घंटे से भी कम समय पहले अपने कार्यालय में एक टेलीविजन ब्रीफिंग में कहा, मैं जल्द से जल्द राज्य विरोधी ताकतों का सफाया कर दूंगा और देश को सामान्य स्थिति में ला दूंगा। उन्होंने कहा कि मार्शल लॉ के माध्यम से मैं कोरिया गणराज्य की स्वतंत्रता की रक्षा और पुनर्निर्माण करूंगा। डेमोक्रेटिक पार्टी अपराधियों का अड्डाउन्होंने दावा किया किराजनीतिक प्रतिद्वंद्वी न्यायाधीशों को धमकी देकर और अभियोजकों पर महाभियोग चलाकर और आंतरिक मंत्री, शीर्ष प्रसारण नियामक, ऑडिट और निरीक्षण बोर्ड के प्रमुख और रक्षा मंत्री को हटाने का प्रयास करके देश में अदालतों को पंगु बना रहे थे। राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में कहा कि नेशनल असेंबली की 300 में से 170 सीटों पर मुख्य विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी का कब्जा है। यह पार्टी अपराधियों का अड्डा है। यह पार्टी एशिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में स्वतंत्रता और लोकतंत्र को खत्म करना चाहते हैं। इससे पहले 1980 में लगा था मार्शल लॉउल्लेखनीय है कि दक्षिण कोरिया ने आखिरी बार मई 1980 में मार्शल लॉ घोषित किया था। इस वक्त देश चुन डू-ह्वान के नेतृत्व में एक सैन्य तख्तापलट के नियंत्रण में था। चुन डू-ह्वान सितंबर 1980 में राष्ट्रपति बने। 1981 में मार्शल लॉ हटा लिया गया।

ढाका में पाकिस्तान के उच्चायुक्त ने खालिदा जिया से की मुलाकात

ढाका, 04 दिसंबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के उच्चायुक्त सैयद अहमद मारूफ ने मंगलवार रात बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री बेगम खालिदा जिया से उनके गुलशन स्थित आवास पर मुलाकात की। उनके साथ उनकी पत्नी भी मौजूद थीं। यह मुलाकात रात 8:30 बजे शुरू हुई और लगभग डेढ़ घंटे तक चली। इस दौरान बीएनपी के स्थायी समिति सदस्य प्रोफेसर डॉ. एज़ेडएम जाहिद हुसैन और संगठन सचिव शमा ओबैद भी उपस्थित थे।

बीएनपी मीडिया सेल के सदस्य शैरुल कबीर खान ने जानकारी दी कि उच्चायुक्त रात 8:30 बजे खालिदा जिया के आवास पहुंचे और रात 10 बजे वहां से रवाना हुए। बैठक के बाद प्रोफेसर डॉ. एज़ेडएम जाहिद हुसैन ने संवाददाताओं को बताया कि उच्चायुक्त ने बैठक के दौरान कई मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने बांग्लादेश की स्थापना में जियाउर रहमान के योगदान को रेखांकित किया और बांग्लादेश के साथ पाकिस्तान के संबंधों को नए स्तर पर ले जाने की इच्छा व्यक्त की।

उच्चायुक्त ने खालिदा जिया के स्वास्थ्य का हाल-चाल लिया, उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की और पाकिस्तान के राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री की ओर से शुभकामनाएं दीं। खालिदा जिया ने भी उनके संदेशों का आभार व्यक्त किया और अपनी शुभकामनाएं भेजीं। उल्लेखनीय है कि हाल के महीनों में खालिदा जिया से कई विदेशी राजनयिक मुलाकात कर चुके हैं। अगस्त में छात्र आंदोलन के बाद शेख हसीना सरकार के पतन के अगले ही दिन खालिदा जिया को रिहा कर दिया गया था।

इसके बाद पांच सितंबर को ब्रिटिश उच्चायुक्त सारा कुक और 25 नवंबर को सऊदी अरब के राजदूत इसा यूसुफ इसा अल-दुहैलान ने उनसे मुलाकात की थी।

विरोध प्रदर्शन

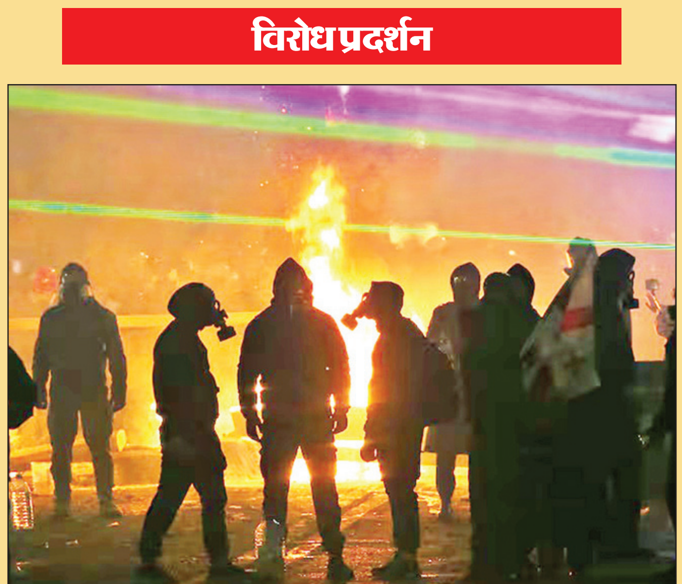

जॉर्जिया में विरोध प्रदर्शन में शामिल लोग गैस मास्क पहने हुए। ये लोग यूरोपीय यूनियन में शामिल नहीं होने का विरोध करते हुए।

चीनी दबाव के आगे झुका नेपाल, सिर्फ अनुदान लेने की शर्त से पीछे हटकर किए बीआरआई पर हस्ताक्षर

काठमांडू, 04 दिसंबर (एजेंसियां)।

नेपाल और चीन के बीच अंतत: बेल्ट एंड रोड इनिसिएटिव परियोजनाओं के कार्यान्वयन को लेकर एक फ्रेमवर्क पर हस्ताक्षर हो गए हैं। प्रधानमंत्री केपी ओली के चीन भ्रमण के आखिरी दिन बुधवार को बीजिंग में नेपाल के विदेश सचिव अमृत राई और चीन की तरफ से नेशनल डेवलपमेंट एंड रिफॉर्म कमिशन के उपाध्यक्ष ली सुशे ने बीआरआई फ्रेमवर्क सहयोग नामक दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए।

प्रधानमंत्री ओली के सचिवालय ने बीआरआई समझौते पर हस्ताक्षर होने की जानकारी देते हुए एक फोटो सार्वजनिक किया है। इस तस्वीर में न तो प्रधानमंत्री खुद दिख रहे हैं और न ही विदेश मंत्री डॉ. आरजू देउवा दिख रही हैं।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता कृष्ण प्रसाद ढकाल ने बताया कि नेपाल की तरफ से प्रस्तावित अनुदान शब्द को हटाकर उसमें सहयोग शब्द लिखने के बाद हस्ताक्षर हुए हैं। प्रधानमंत्री के चीन भ्रमण से पहले नेपाल सरकार की कैबिनेट ने बीआरआई अंतर्गत सिर्फ अनुदान दिए जाने की शर्त पर बीआरआई समझौते पर हस्ताक्षर करने का निर्णय लिया था, लेकिन चीन ने नेपाल के प्रस्ताव को सिरे से खारिज कर दिया।

यही कारण है कि मंगलवार को चीन के प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति के साथ मुलाकात के समय समझौते पर हस्ताक्षर नहीं हो पाए थे। प्रधानमंत्री की वापसी से कुछ घंटे पहले बुधवार को चीन की शर्तों पर हस्ताक्षर किये गए हैं।

चीन का अमेरिका को तगड़ा जवाब, दुर्लभ खनिज निर्यात पर लगाया प्रतिबंध

बीजिंग/वाशिंगटन, 04 दिसंबर (एजेंसियां)।

चीन ने संयुक्त राज्य अमेरिका को जैसे को तैसा शैली में जवाब दिया है। चीन ने अमेरिका को किए जाने वाले दुर्लभ खनिज निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया। इससे एक दिन पहले अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन के प्रशासन ने चीन को उन्नत अमेरिकी प्रौद्योगिकी की बिक्री पर प्रतिबंध की अवधि बढ़ा दी थी।

रिपोर्ट के अनुसार, चीन ने मंगलवार को कहा कि वह संयुक्त राज्य अमेरिका को कई दुर्लभ खनिजों के निर्यात पर प्रतिबंध लगा रहा है। चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका को गैलियम, जर्मेनियम, एंटीमोनी और सुपरहार्ड सामग्री की बिक्री तुरंत रोकी जा रही है। अगर ग्रेफाइट का निर्यात किया भी जाएगा तो कड़ी समीक्षा के बाद। दुनिया की दो महाशक्तियों के बीच इस टकराव से वैश्विक परिदृश्य बड़े बदलाव की संभावना बढ़ गई है।

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप ने पहले ही अधिक कठोर नीति का वादा कर रखा है। वह चीन से आने वाले सामान पर भारी टैरिफ लगाने की घोषणा कर चुके हैं।

अमेरिका और चीन के यह प्रतिबंध ट्रंप के व्हाइट हाउस में प्रवेश के साथ और अधिक आर्थिक संघर्ष का संकेत दे रहे हैं। चीन सेमीकंडक्टर जैसी उन्नत प्रौद्योगिकी को बनाने के लिए आवश्यक दुनिया की लगभग सभी महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति का उत्पादन करता है। बीजिंग ने पिछले साल सेमीकंडक्टर में इस्तेमाल होने वाले गैलियम और जर्मेनियम के निर्यात को नियंत्रित करने के लिए एक कानूनी ढांचा भी विकसित किया है।

अमेरिकी वाणिज्य मंत्रालय ने निर्यात प्रतिबंध के अधीन चीनी प्रौद्योगिकी कंपनियों की सूची का विस्तार करते हुए नई 140 फर्मों को जोड़ा है। ये कंपनियां कंप्यूटर चिप्स, चिप बनाने के उपकरण और सॉफ्टवेयर बनाने में इस्तेमाल होने वाले उपकरण बनाती हैं। सभी कंपनियां चीन में स्थित हैं।

इस सूची में चीनी स्वामित्व वाले ऐसे व्यवसाय भी शामिल हैं जो जापान, दक्षिण कोरिया और सिंगापुर में हैं। चीन ने इसका विरोध किया है। चीन ने भी अमेरिका में गैलियम, जर्मेनियम, एंटीमनी और सुपरहार्ड सामग्री से संबंधित दोहरे इस्तेमाल वाली वस्तुओं के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है। चीनी वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि ये निर्यात प्रतिबंध मंगलवार से प्रभावी होंगे।

इसमें अमेरिका भेजे जाने वाले ग्रेफाइट दोहरे उपयोग वाली वस्तुओं के लिए अंतिम-उपयोगकर्ता और अंतिम-उपयोग के लिए सख्त समीक्षा की भी आवश्यकता जताई गई है।

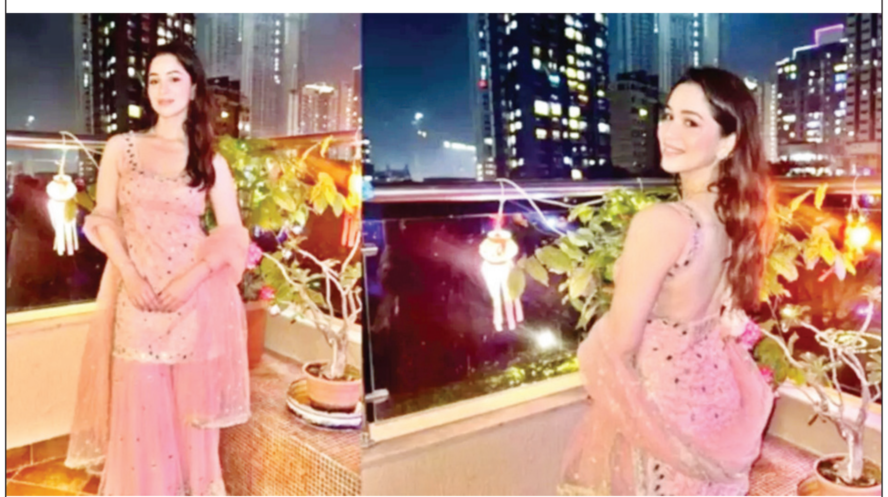

सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन में बतौर निदेशक शामिल हुईं सारा

नई दिल्ली, 04 दिसंबर (एजेंसियां) ।

महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन (एसटीएफ) में निदेशक के रूप में शामिल हो गई हैं। सचिन ने बुधवार को एक्स पर एक पोस्ट के जरिए उक्त जानकारी दी।

सचिन ने कहा कि उन्हें यह खबर साझा करते हुए बहुत खुशी हो रही है। सचिन ने कहा कि सारा ने खेल, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा के माध्यम से देश को सशक्त बनाने के लिए यह यात्रा शुरू की है।

उन्होंने कहा, मुझे यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि मेरी बेटी सारा निदेशक के रूप में एसटीएफ इंडिया में शामिल हो गई हैं। उनके पास यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन से क्लिनिकल और पब्लिक हेल्थ न्यूट्रिशन में मास्टर डिग्री है। वह खेल, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा के माध्यम से भारत को सशक्त बनाने की यात्रा पर निकल पड़ी हैं। यह एक अनुस्मारक के रूप में कार्य करती है कि कैसे वैश्विक शिक्षा पूर्ण चक्र में आ सकती है।

अपने शानदार करियर के दौरान, सचिन ने 664 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में 48.52 की औसत से 34,357 रन बनाए। सचिन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक 100 शतक और 164 अर्धशतक बनाए हैं। वह शतकों का शतक लगाने वाले एकमात्र खिलाड़ी हैं।

स्टोक्स आईसीसी पर भड़के स्टोक्स

लंदन । इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने न्यूजीलैंड के खिलाफ हुए मैच में धीमी ओवर गति के लिए लगाये जुर्माने पर नाराजगी जतायी है। आईसीसी ने इस मैच में धीमी ओवर गति के लिए दोनो ही टीमों पर ये जुर्माना लगाया। इससे दोनो को ही अंकों का नुकसान हुआ है और इंग्लैंड की टीम टेस्ट मैच जीतने के बाद भी आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल की रैस से बाहर हो गयी है। इस मुकाबले में धीमी ओवर गति के लिए आईसीसी ने दोनो ही टीमों के अंक भी काटे हैं। आईसीसी के इस फैसले से नाराज स्टोक्स ने सोशल मीडिया के जरिये आईसीसी पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि खेल 10 घंटे पहले खत्म हो गया, फिर भी धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना लगाया गया है। स्टोक्स ने सोशम मीडिया में अपनी पोस्ट में इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के अंक काटे जाने की खबर के साथ लिखा , बहुत अच्छे आईसीसी। खेल खत्म हुआ, अभी 10 घंटे का खेल बाकी था। फिर भी धीमी ओवर गति का जुर्माना लगा दिया। वहीं विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप 2023-25 के चक्र में अब तक इंग्लैंड के 22 अंक काट दिए गए हैं। जिसका मतलब ये है कि उसने करीब दो मैच जीतने के बराबर अंक खोये हैं। इसमें एक मैच जीतने पर 12 अंक मिलते हैं।

न्यूज ब्रीफ

टीम स्क्वैश चैंपियनशिप के लिए 8 सदस्यीय भारतीय टीम घोषित

नई दिल्ली। हांगकांग, चीन में 9 से 15 दिसंबर तक होने वाले डब्ल्यूएसएफ विश्व टीम स्क्वैश चैंपियनशिप में भारत आठ सदस्यीय टीम (पुरुष और महिला) भेजेगा। स्क्वैश इतिहास में पहली बार, पुरुषों और महिलाओं की स्पर्धाएँ एक साथ आयोजित की जाएंगी, जिसमें महिलाओं की स्पर्धा में 23 टीमें और पुरुषों की स्पर्धा में 26 टीमें शामिल होंगी। 9/12 वरीयता प्राप्त भारतीय पुरुष टीम पूल एफ में कोलंबिया और आयरलैंड के साथ प्रतिस्पर्धा करेगी। 10/12 वरीयता प्राप्त भारतीय महिला टीम को अपने पूल में कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा, जिसमें बेल्जियम (तीसरी वरीयता), कोलंबिया और इटली शामिल हैं। पूर्व एशियाई खेलों के पदक विजेता और राष्ट्रीय चैंपियन हरिंदर पाल सिंह संधू और जोशना चिनप्पा क्रमशः पुरुष और महिला टीमों के कोच होंगे। संयोग से, 19 बार की राष्ट्रीय चैंपियन जोशना के लिए यह पहला कोचिंग असाइनमेंट होगा। भारतीय टीम इस प्रकार है: पुरुष: अभय सिंह, वेलावन सेंथिलकुमार, वीर चोटरानी, सूरज चंद। महिला: अनाहत सिंह, आकांक्षा सालुंखे, निरुपमा दुबे, अंजलि सेमवाल।

एशियाई महिला हैंडबॉल चैंपियनशिप: भावना, मेनिका का शानदार प्रदर्शन भारत ने हांगकांग को हराया

नई दिल्ली। भारतीय महिला हैंडबॉल टीम ने भावना शर्मा और मेनिका के शानदार प्रदर्शन की बदौलत मंगलवार को हांगकांग के खिलाफ 31-28 से जीत के साथ 20वीं एशियाई महिला हैंडबॉल चैंपियनशिप (एडब्ल्यूएचसी) 2024 में अपने अभियान की शुरूआत की। चक दे इंडिया और भारत माता की जय के नारों के बीच भारत ने मैच की सकारात्मक शुरुआत की और टूर्नामेंट का अपना पहला गोल प्रियंका ठाकुर के जरिए किया, जिन्होंने 2022 एशियाई महिला जूनियर हैंडबॉल चैंपियनशिप में भारत की ऐतिहासिक जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। कुछ क्षण बाद, अनुभवी खिलाड़ी मेनिका ने अपना खाता खोला और भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। सैफ खेलों की स्वर्ण पदक विजेता कप्तान दीक्षा कुमारी ने पहले 30 मिनट की अवधि के भीतर तीन विपक्षी पेनल्टी रोककर इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे मध्यांतर तक भारत 16-10 से आगे रहा। हांगकांग ने पुनः आरंभ के बाद अपने खेल को और बेहतर बनाया और अपनी रणनीति में बदलाव किया। हालांकि, भारत ने अपने मजबूत बचाव के साथ विपक्षी टीम के हर प्रयास को असफल किया और अंततः शानदार जीत दर्ज की। भावना ने जूनियर चैंपियनशिप में अपने सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार के साथ प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार भी जीता। इससे पहले, कजाकिस्तान ने हैवीवेट चीन को 28-26 से हराया। दूसरे मैच में, जापान ने सेंटरबैक काहो नाकायमा के शानदार प्रदर्शन की बदौलत ईरान को 34-14 से हराया। मौजूदा चैंपियन दक्षिण कोरिया ने दिन के आखिरी मैच में सिंगापुर 47-5 के स्कोर के साथ हराया।

स्पेनिश फुटबॉलर ज़ारागोज़ा मेटाटार्सल हड्डी टूटने के कारण एक महीने तक रहेंगे मैदान से बाहर

मैड्रिड। ओसासुना के स्पेनिश फुटबॉलर ब्रायन ज़ारागोज़ा सोमवार रात को सेविला के खिलाफ़ 1-1 से ड्रॉ हुए मैच में अपने पैर की हड्डी टूटने के बाद 2025 की शुरुआत तक फिर से नहीं खेल पाएंगे। नवारे क्षेत्र के क्लब ओसासुना ने ज़ारागोज़ा की चोट के बारे में एक विज्ञप्ति में बताया कि उनके दाहिने पैर की पाँचवीं मेटाटार्सल हड्डी टूट गई है, मंगलवार को किए गए परीक्षणों से चोट की पुष्टि हुई। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि वह अपनी रिकवरी प्रक्रिया शुरू करने के लिए पैम्प्लोना लौटेंगे, लेकिन उनकी वापसी की कोई सटीक तारीख नहीं बताई गई, हालांकि यह संभावना नहीं है कि वह 2025 की शुरुआत तक खेल पाएंगे और संभवतः जनवरी के अंत तक पूरी तरह से फिट नहीं होंगे। ज़ारागोज़ा गुरुवार को सेउटा खेलने के लिए ओसासुना की कोपा डेल रे यात्रा और 2024 के अंत से पहले अलावेस, एस्पेनयोल और एथलेटिक क्लब बिलबाओ के खिलाफ ला लीगा खेलों से चूक जाएंगे। बायर्न म्यूनिख से लोन पर आए विंगर ने इस सीज़न में एक गोल और पांच असिस्ट के साथ प्रभावित किया है।

हरभजन सिंह, अभिनव बिंद्रा, गगन नारंग ने पाक के खिलाफ एशिया कप फाइनल से पहले भारतीय जूनियर हॉकी टीम को दीं शुभकामनाएं

मुंबई, 04 दिसंबर (एजेंसियां) ।

भारतीय हॉकी टीम पुरुष जूनियर एशिया कप फाइनल में अपने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से भिड़ने के लिए तैयार है। इस बहुप्रतीक्षित मुकाबले से पहले, अनुभवी भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह, बीजिंग ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा और ओलंपियन गगन नारंग ने बुधवार को भारतीय टीम को शुभकामनाएं दीं और उन्हें ट्रॉफी घर वापस लाने के लिए प्रोत्साहित किया।

हरभजन सिंह ने टीम को शुभकामनाएं देते हुए एक वीडियो संदेश में कहा, भारतीय हॉकी टीम को बहुत-बहुत बधाई जो आज पाकिस्तान के खिलाफ पुरुष जूनियर एशिया कप का फाइनल खेल रही है। दोस्तों, मैं आपको मैदान पर शुभकामनाएं देना चाहता हूं, भारत के लिए इसे जीतो। मुझे यकीन है कि आप यह कर सकते हैं। आओ भारत!

ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा ने अपने संदेश में मलेशिया के खिलाफ जीत के लिए युवा खिलाड़ियों की सराहना की और उन्हें पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल के लिए शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने कहा, सेमीफाइनल में मलेशिया के खिलाफ अविश्वसनीय जीत के लिए हमारी भारतीय जूनियर हॉकी टीम को बहुत-बहुत बधाई। जूनियर एशिया कप फाइनल में जगह बनाना एक अद्भुत उपलब्धि है और आपने पहले ही देश को इतना गौरवान्वित कर दिया है। आज रात जब आप पाकिस्तान के खिलाफ मैदान में उतरें, तो बस याद रखें, इस पल का आनंद लें और अपनी पसंद के अनुसार खेलें।

अपने कौशल पर भरोसा करें, एक-दूसरे पर भरोसा करें और उस लड़ाई की भावना को जीवित रखें। हम सभी आपकी जय-जयकार कर रहे हैं और आपको शुभकामनाएं दे रहे हैं। वहां जाओ और मजे करो।शुभकामनाएँ और जय हिंद।

गगन नारंग ने एक्स पर लिखा,आइए हमारी भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम का उत्साह बढ़ाएं जो आज रात पुरुष हॉकी जूनियर एशिया कप के फाइनल में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से भिड़ेगी। मेरे प्रिय मित्र पीआर श्रीजेश द्वारा प्रशिक्षित भारतीय टीम, रिकॉर्ड पांच बार खिताब जीतने वाली एशिया की एकमात्र टीम बनने का इतिहास रचने से केवल एक कदम दूर है। गुड लक इंडिया!,

भारतीय टीम ने पूरे टूर्नामेंट में असाधारण प्रदर्शन किया और अपने सभी पांच मैच जीते। उनकी जीतों में थाईलैंड पर 11-0 की प्रभावशाली जीत, जापान के खिलाफ 3-2 की कड़ी जीत, चीनी ताइपे पर 16-0 की प्रभावशाली जीत और ग्रुप चरण में कोरिया के खिलाफ 8-1 की जीत शामिल है। सेमीफाइनल में भारत ने मलेशिया पर 3-1 से मजबूत जीत हासिल की और फाइनल में प्रवेश किया।

गत चैंपियन के रूप में, भारत का लक्ष्य इस उच्च जोखिम वाले फाइनल में अपने लंबे समय से प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को हराकर अपना खिताब बरकरार रखना होगा।

टीपीएल 6 पहला दिन : बोपन्ना की राजस्थान रेंजर्स और विष्णु वर्धन की हैदराबाद स्ट्राइकर्स तालिका में शीर्ष पर

मुंबई, 04 दिसंबर (एजेंसियां) ।

टेनिस प्रीमियर लीग (टीपीएल) सीजन 6 के पहले दिन मुंबई के क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया में कई बेहतरीन और रोमांचक मैच खेले गए, जिसमें रोहन बोपन्ना जैसे खिलाड़ियों ने प्रशंसकों के लिए शानदार खेल दिखाया। मैच चारकोल रंग के कोर्ट पर खेले गए और मंगलवार को सभी आठ टीमों ने इसमें हिस्सा लिया। राजस्थान रेंजर्स, हैदराबाद स्ट्राइकर्स, यश मुंबई ईगल्स और चेन्नई स्मैशर्स ने टेनिस के रोमांचक दिन के अंत में शानदार जीत दर्ज की।

राजस्थान रेंजर्स और गुजरात पैंथर्स के बीच सीजन के पहले मैच में मुकाबला शुरू हुआ, जिसमें महिला एकल वर्ग में क्रिस्टीना दीनू का मुकाबला एकातेरिना काज़ियोनोवा से हुआ। क्रिस्टीना दीनू ने पहले गेम में कड़े मुकाबले में 14-11 के स्कोर के साथ जीत हासिल की। राजस्थान रेंजर्स के आर्थर फेरी ने पुरुष एकल में गुजरात पैंथर्स के सुमित नागल को इसी स्कोर (14-11) से हराया। राजस्थान रेंजर्स ने मिक्स्ड डबल्स वर्ग में अपनी जीत का सिलसिला जारी रखा, जिसमें रोहन बोपन्ना और क्रिस्टीना दीनू ने विजय सुंदर प्रशांत और एकातेरिना काज़ियोनोवा को 14-11 के स्कोर के साथ हराया। पुरुष युगल वर्ग में रोहन बोपन्ना और आर्थर फेरी की जोड़ी ने सुमित नागल और विजय सुंदर प्रशांत को 15-10 के स्कोर के साथ हराया, जिससे राजस्थान रेंजर्स ने गेम 57-43 से जीत लिया। हैदराबाद स्ट्राइकर्स और बंगाल विजार्ड्स के बीच पहले दिन दूसरा मैच खेला गया। हैरियट डार्ट और कामिला राखीमोवा ने महिला एकल वर्ग में 18-7 से जीत दर्ज की।

पुरुष एकल वर्ग में बेंजामिन लॉक ने निकी पूनाचा के खिलाफ कड़ी टक्कर दी और 16-9 के स्कोर के साथ जीत दर्ज की। मिश्रित युगल वर्ग में हैरियट डार्ट और विष्णु विनोद का मुकाबला कामिला राखीमोवा और श्रीराम बालाजी से हुआ। बंगाल विजार्ड्स ने 13-12 के स्कोर के साथ रोमांचक मुकाबला जीता। पुरुष युगल वर्ग में निकी पूनाचा और श्रीराम बालाजी ने बेंजामिन लॉक और विष्णु विनोद को 14-11 के स्कोर के साथ हराया, लेकिन हैदराबाद स्ट्राइकर्स ने 57-43 से मैच जीत लिया। दिन के तीसरे मैच में पंजाब पैट्रियट्स और यश मुंबई ईगल्स आमने-सामने थे। महिला एकल में एलिना अवनेस्यान ने ज़ेनेप सोनमेज़ के खिलाफ़ रोमांचक मुक़ाबले में 13-12 के स्कोर से जीत हासिल की। पुरुष एकल में यश मुंबई ईगल्स के करण सिंह ने पंजाब पैट्रियट्स के मुकुंद शशिकुमार के खिलाफ़ 18-7 के स्कोर से जीत दर्ज की। पंजाब पैट्रियट्स के साकेत मायनेनी और एलिना अवनेस्यान ने मिक्स्ड डबल्स श्रेणी में जीवन नेदुनचेजियान और ज़ेनेप सोनमेज़ के खिलाफ़ कड़े मुकाबले में 13-12 से जीत हासिल की।

नॉर्वे शतरंज 2025 टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए तैयार अर्जुन एरिगैसी

नई दिल्ली, 04 दिसंबर (एजेंसियां) ।

पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद के बाद क्लासिकल शतरंज रेटिंग में 2800-एलो बाधा पार करने वाले दूसरे भारतीय बने अर्जुन एरिगैसी, नॉर्वे शतरंज 2025 टूर्नामेंट में पदार्पण करने के लिए तैयार हैं।

2024 यूरोपीय शतरंज क्लब कप में टीम अल्कलॉइड का प्रतिनिधित्व करने वाले अर्जुन ने पांचवें दौर में सफेद मोहरों से रूस के दिमित्री आंद्रेइकिन को हराकर 2800-एलो मील का पत्थर हासिल किया। दिसंबर 2024 की फीडे रेटिंग सूची में उनकी रेटिंग 2801 है और वर्तमान में वे दुनिया में चौथे स्थान पर हैं।

अपनी शैली और विकास पर अर्जुन ने एक बयान में कहा, मैं अति-महत्वाकांक्षा और वस्तुनिष्ठता की कमी के कारण खेल हार जाता था, लेकिन अब मैं अपनी महत्वाकांक्षा को संतुलित तरीके से आगे बढ़ाने का प्रयास करता हूँ। नॉर्वे शतरंज 2025 टूर्नामेंट 26 मई से 6 जून तक एक विशिष्ट 6-खिलाड़ी डबल राउंड-रॉबिन प्रारूप के साथ होगा। टूर्नामेंट के लिए उत्सुकता बढ़ने के साथ, अर्जुन ने इस आयोजन के अभिनव प्रारूप के बारे में अपना उत्साह व्यक्त किया। उन्होंने कहा, नॉर्वे शतरंज के बारे में बहुत सारी रोमांचक चीजें हैं, लेकिन मेरे लिए, मैं कहूंगा कि समय नियंत्रण और आर्मगेडन प्रारूप मेरे लिए सबसे अलग हैं।

ला लीगा : एथलेटिक बिलबाओ का सामना रियल मैड्रिड से

मैड्रिड, 04 दिसंबर (एजेंसियां) ।

एथलेटिक क्लब बिलबाओ और रियल मैड्रिड बुधवार रात एथलेटिक के सैन मैम्स स्टेडियम में आमने-सामने होंगे, जिसमें एथलेटिक की नजरें क्लासिफिकेशन में चौथे स्थान को मजबूत करने पर होंगी। ऑरेलियन टचौमेनी चोट के बाद रियल मैड्रिड के लिए वापस आ गए हैं, लेकिन विनीसियस जूनियर को बाहर रखा गया है, साथ ही लंबे समय से अनुपस्थित रहने वाले दानी कार्वाजल, एडर मिलिटाओ और डेविड अलाबा को भी बाहर रखा गया है।

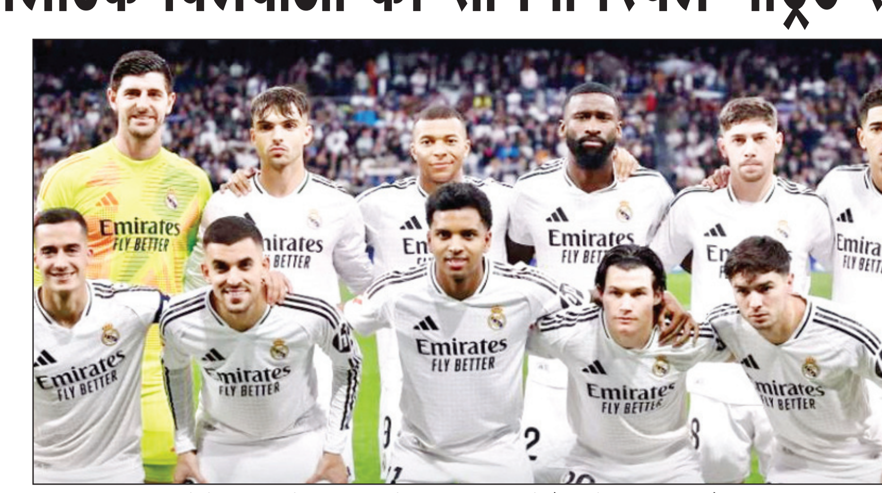

किलियन एमबाप्पे ने सप्ताहांत में अपने गोल के सूखे को समाप्त कर दिया, लेकिन गेटाफे के खिलाफ मौके गंवाने के बाद भी वे सुर्खियों में रहेंगे।

एथलेटिक ने रेयो वैलेकानो के खिलाफ 2-1 से जीत दर्ज कर मैड्रिड में प्रवेश किया, जिसमें दोनों गोल मिडफील्डर ओइहान सैंसेट ने किए, जिनके पिछले तीन गोलों ने उनकी टीम को छह अंक दिलाए हैं।

एथलेटिक खचाखच भरे मैदान में तेज गति बनाए रखने और मैड्रिड पर दबाव बनाने के साथ एमबाप्पे और रोड्रिगो की सर्विस को भी कम करने की कोशिश करेगा।

बुधवार को कोपा डेल रे में कई शीर्ष टीमें स्पेनिश खेल के तीसरे और चौथे स्तर के प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ मैदान में उतरेंगी। रेयो वैलेकानो का सबसे कठिन मैच तीसरे स्तर के यूनियनिस्टास डी सलामांका के खिलाफ है, जबकि खराब फॉर्म में चल रही बेटिस कैटलन की टीम सैंट आंद्रेउ के खिलाफ खेलेगी।

गिरोना लॉग्रोन्स का दौरा करेगी और विलारियल स्पेन के उत्तर-पश्चिम में पोंटेवेद्रा से भिड़ेगी, जबकि लेगानेस एस्टेपोना से और वालेंसिया एसडी एजिया से भिड़ेगी, जिसने पहले दौर में छठी श्रेणी के एस्कुएला पार्ला को कड़ी टक्कर दी थी।

पर्थ टेस्ट में जीत से टीम का आत्मविश्वास बढ़ा है : केएल राहुल

एडिलेड, 04 दिसंबर (एजेंसियां) ।

भारतीय क्रिकेट टीम इस समय पांच मैचों की टेस्ट सीरीज (बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी) के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरे पर है। सीरीज का पहला टेस्ट पर्थ में खेला जा चुका है। पहले मैच में भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया को 295 रनों से हराकर सीरीज में 1-0 से आगे है। अब 06 दिसंबर से एडिलेड में दोनों टीमों के बीच दूसरा टेस्ट (पिंक बॉल) खेला जाएगा। मैच से पहले भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल ने कहा कि पर्थ टेस्ट में जीत से टीम का आत्मविश्वास बढ़ा है।

राहुल ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि हम जिस तरह से खेले उससे वाकई बहुत खुश हैं और जब आप ऑस्ट्रेलिया जाते हैं, पहला मैच जीतते हैं और उसे उस तरह से जीतते हैं जैसा हमने पर्थ में जीता, तो इससे आपको बहुत आत्मविश्वास मिलता है। मेरा मतलब है कि पर्थ के बारे में बहुत कुछ कहा जाता है कि यह ऑस्ट्रेलिया का सबसे तेज विकेट है और यहां आने वाली टीमों को वास्तव में यहां संघर्ष करना पड़ा है। तो हां, हमे इससे काफी आत्मविश्वास मिला है।

इस सवाल पर कि आप किस स्थान पर बल्लेबाजी करेंगे उन्होंने एक अजीब जवाब दिया। राहुल ने कहा कि मुझे तो बताया गया है, लेकिन मुझे यह भी कहा गया है कि यह किसी से साझा न करूं। आपको पहले दिन (टेस्ट के) या शायद कल (गुरुवार) कप्तान (रोहित शर्मा) के आने का इंतजार करना होगा। राहुल ने इसके बाद कहा कि मैं बस प्लेइंग इलेवन में रहना चाहता हूं और टीम के लिए बल्लेबाजी करना चाहता हूं।

राहुल ने अलग-अलग जहगों पर बल्लेबाजी को लेकर कहा कि मेरे लिए सौभाग्य की बात है कि मैंने अलग-अलग जहगों पर बल्लेबाजी की है, इसलिए जब मुझे शुरू में अलग-अलग स्थानों पर बल्लेबाजी करने के लिए कहा गया तो यह मानसिक रूप से चुनौतीपूर्ण था लेकिन तकनीक के मामले में इतना नहीं। मानसिक रूप से उन पहली 20-25 गेंदों को कैसे खेलना है, मैं कौन से शॉट खेल सकता हूं, मैं कितनी जल्दी आक्रमण कर सकता हूं, मुझे कितना सतर्क रहना होगा। इसलिए ये ऐसी चीजें थीं जो शुरू में थोड़ी मुश्किल थीं, लेकिन अब जब मैं वनडे और टेस्ट क्रिकेट में खेल चुका हूं, तो इससे मुझे थोड़ा-बहुत अंदाजा हो गया है कि मुझे अपनी पारी को कैसे संभालना है और मुझे कैसे शुरुआत करनी है।

पर्थ में 295 रनों की रिकॉर्ड जीत के बाद भारत फिलहाल बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी सीरीज में 1-0 से आगे है। दूसरा टेस्ट शुक्रवार से एडिलेड में डे-नाइट फॉर्मेट में खेला जाएगा।

एसएफसी एनवायरनमेंटल टेक्नोलॉजीज ने आईपीओ के लिए डीआरएचपी किया दाखिल

मुंबई/नई दिल्ली,04 दिसंबर (एजेंसियां)।

एसएफसी एनवायरनमेंटल टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए पूंजी बाजार नियामक प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। कंपनी की योजना इस आईपीओ के जरिए 37 करोड़ रुपये जुटाने की है।

सेबी के पास जमा दस्तावेज के मुताबिक कंपनी इस आईपीओ के जरिए 185 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी करेगी। 1.08 करोड़ शेयरों की बिक्री ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के जरिए की जाएगी। इसके साथ ही ओएफएस के हिस्से के रूप में प्रमोटर साकेत चंद्र सिंह प्रताप सिंह ढंडोरिया और संदीप सुधाकर असोलकर सहित मौजूदा शेयरधारक अपने शेयर बेचेंगे। एसएफसी एनवायरनमेंटल टेक्नोलॉजीज में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 48.17 फीसदी है, जबकि शेष 51.83 फीसदी शेयर पब्लिक शेयरहोल्डर्स के पास हैं। कंपनी इस आईपीओ के तहत फ्रेश इश्यू से होने वाली आय का इस्तेमाल मुख्य रूप से कर्ज चुकाने और वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने के लिए करेगी। इस इश्यू के लिए आईआईएफएल कैपिटल सर्विसेज, जेएम फाइनेंशियल और नुवामा वेल्थ मैनेजमेंट को बुक रनिंग लीड मैनेजर नियुक्त किया गया है। सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) के साथ-साथ कंपनी के पास वेस्ट-वाटर ट्रीटमेंट सेगमेंट में 621 इंस्टॉलेशन है। कंपनी भारत में एक प्रमुख वेस्ट-वाटर ट्रीटमेंट मेथड सीक्वेंसिंग बैच रिएक्टर (एसबीआर) टेक्नोलॉजी में 80 फीसदी से ज्यादा बाजार हिस्सेदारी रखती है। इसके अलावा ये कस्टमर्स को ऑपरेशन और मेंटेनेंस सर्विसेज और अन्य संबंधित एक्सेसरीज भी प्रोवाइड करती है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

हिंदुओं का...

याचिकाकर्ता ने दावा किया कि सम्पत्ति के एक हिस्से पर जहां मस्जिद है, यह उनका है और इसे उन्हें सौंपा जाना चाहिए। इस मामले में मुस्लिम पक्ष ने हिंदू पक्ष की याचिका के खिलाफ कोर्ट में अपील भी डाली थी लेकिन उसे कोर्ट ने खारिज कर दिया था। वर्तमान में यह मामला कोर्ट के सामने लंबित है।अजमेर दरगाह बनाम शिव मंदिरः हिंदू पक्ष की याचिका में यह भी कहा गया है कि यहां भगवान शिव की पूजा-अर्चना और जलाभिषेक भी होता था। हिंदू पक्ष ने अपनी मांग के समर्थन में 1911 में लिखी एक किताब का जिक्र किया है। साथ ही उन्होंने दरगाह में मौजूद ढांचों को भी पुराने मंदिर का हिस्सा बताया है। हिंदू पक्ष ने कहा है कि अजमेर के तहखाने में गर्भगृह है। याचिका विष्णु गुप्ता ने दायर की है। विष्णु गुप्ता ने अब इस जगह की सही स्थिति जानने के लिए एक सर्वे की मांग की है। हिंदू पक्ष ने कहा है कि इसके साथ ही दरगाह के ही निकट अढ़ाई दिन का झोपड़ा मस्जिद को भी मंदिर तोड़ कर बनाया गया है।

संभल जामा मस्जिद बनाम हरिहर मंदिरः संभल के जिला न्यायालय में एक याचिका लगाई गई है। याचिका में कहा गया है कि संभल में स्थित जामा मस्जिद का निर्माण सदियों पुराने श्री हरि हर मंदिर पर किया गया था, जो भगवान कल्कि को समर्पित था और जिसे बाबर ने नष्ट कर दिया था। याचिकाकर्ताओं ने कहा है कि यह स्थल हिंदुओं के लिए धार्मिक महत्व रखता है और इसे मुगल काल के दौरान इसे जबरन मस्जिद में बदल दिया गया था। याचिकाकर्ताओं ने कोर्ट को बताया कि वर्तमान में यह संरक्षित स्मारक है। इसको लेकर कोर्ट ने 19 नवम्बर को सर्वे का आदेश दिया था। इसके बाद 24 नवम्बर को भी सर्वे होना था लेकिन इस दिन मुस्लिम भीड़ ने दंगा कर दिया। यह याचिका सुप्रीम कोर्ट के वकील और एडवोकेट विष्णु शंकर जैन के पिता हरि शंकर जैन, नोएडा के पार्थ यादव साथ अन्य याचिकार्ताओं ने लगाई है। याचिका लगाने वालों में और भी लोग शामिल हैं। उन्होंने कोर्ट से कहा है कि भगवान विष्णु और भगवान शिव के भक्त होने के नाते, उन्हें पूजा-अर्चना के लिए मंदिर में जाने का अधिकार है।

बदायूं जामा मस्जिद बनाम नीलकंठ महादेवः यूपी के बदायूं में स्थित शाही जामा मस्जिद पर हिंदू पक्ष ने दावा किया है। हिंदू पक्ष ने कहा है कि बदायूं की जामा मस्जिद असल में पौराणिक नीलकंठ महादेव मंदिर है। इसको लेकर हिंदू पक्ष ने जिला अदालत में याचिका दायर की है। इस मामले की अगली सुनवाई 10 दिसम्बर, 2024 को है। हिंदू पक्ष की तरफ से वादी मुकेश पटेल ने साल 2022 में अदालत में सबूत पेश करते हुए दावा किया था कि यह मस्जिद पहले नीलकंठ महादेव मंदिर थी। उनकी याचिका में जामा मस्जिद के अंदर हिंदुओं को पूजा का अधिकार देने की मांग की गई है। मुस्लिम इस याचिका को खारिज करने की मांग कर रहे हैं।

फतेहपुर की जामा मस्जिद बनाम कामाख्या मंदिरः उत्तर प्रदेश के फतेहपुर सीकरी में स्थित सलीम चिश्ती की दरगाह के खिलाफ भी हिंदुओं ने कोर्ट में याचिका दायर की है। हिंदुओं ने कहा है कि जहां आज फतेहपुर में जामा मस्जिद बनी हुई है, वहां कभी मां कामाख्या का मंदिर हुआ करता था। हिंदू पक्ष यहां बनी जामा मस्जिद के भी हिंदू मंदिर के परिसर में होने की बात कही है। हिंदू पक्ष की तरफ से यह याचिका वकील अजय प्रताप सिंह ने दायर की है। उन्होंने एएसआई के एक अधिकारी की एक पुस्तक का भी जिक्र अपनी याचिका में किया है। उन्होंने कहा है कि इस पुस्तक के अनुसार, यहां मस्जिद में हिंदू और जैन मंदिर के अवशेष से निर्माण किया गया है।

शाही ईदगाह बनाम कृष्ण जन्मस्थानः मथुरा में स्थित शाही ईदगाह वर्तमान में विवादित है और इसको लेकर न्यायालयों में कई याचिकाएं पड़ी हुई हैं। हिंदू पक्ष का कहना है कि मथुरा में स्थित श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर के बराबर में बनी शाही ईदगाह वाला ढांचा जबरन वही बना दिया गया जहां भगवान कृष्ण का जन्म हुआ था। इस जगह पर कब्जा करके ढांचा बनाया गया है। यहां अभी भी कई ऐसे सबूत हैं जो कि यह सिद्ध करते हैं कि यहां पहले एक मंदिर हुआ करता था। हिंदू पक्ष का दावा है कि भगवान श्रीकृष्ण का जन्म राजा कंस के कारागार में हुआ था और यह जन्मस्थान शाही ईदगाह के वर्तमान ढांचे के ठीक नीचे है। सन् 1670 में मुगल आक्रांता औरंगजेब ने मथुरा पर हमला कर दिया था और केशवदेव मंदिर को ध्वस्त करके उसके ऊपर शाही ईदगाह ढांचा बनवा दिया था और इसे मस्जिद कहने लगे। 13.37 एकड़ जमीन पर दावा करते हुए हिंदू यहां से शाही ईदगाह ढांचे को हटाने की मांग करते रहे हैं। इस मामले में सर्वे का आदेश निचली अदालत द्वारा दिया गया था लेकिन उस पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगाई है।

ज्ञानवापी मस्जिद बनाम काशी विश्वनाथः वाराणसी में काशी विश्वनाथ के बराबर में स्थित विवादित ज्ञानवापी मस्जिद में हिंदू पक्ष को शुरूआती सफलता भी मिली है। इस मामले में हिंदू पक्ष ने एएसआई सर्वे की मांग की थी। कोर्ट ने यहन एएसआई को सर्वे का आदेश भी दिया था। एएसआई की रिपोर्ट में बताया गया है कि ढांचे के भीतर मंदिर का अस्तित्व प्रमाणित करने वाली कई कृतियों को जानबूझकर छुपाकर रखा गया था। ये सभी कृतियां (मूर्तियां, शिलाएं, शिलालेख) उन तहखानों की जांच में मिले हैं, जिन्हें जानबूझकर दीवालों और मलबों के सहारे बंद कर दिया गया था। 31 जनवरी 2024 को एक आदेश में कहा गया था कि ज्ञानवापी परिसर के भीतर व्यास जी के तहखाने में हिंदू पूजा अर्चना कर सकते हैं, उन्हें झरोखा दर्शन की अनुमति भी दी गई थी। यह निर्णय आने के बाद प्रशासन ने रात में ही पूजा और आरती चालू करवा दी थी। मस्जिद कमिटी इसके खिलाफ पहले सुप्रीम कोर्ट भी गई थी जहां कोर्ट ने सुनवाई से इंकार कर दिया था।

कुव्वत उल इस्लाम मस्जिद बनाम हिंदू-जैन मंदिरः 2020 में दिल्ली की एक अदालत में कुतुब मीनार के भीतर मंदिर होने की बात कहते हुए वहां हिंदुओं को पूजा का अधिकार दिलाने हेतु याचिका दाखिल की गई थी। याचिका में दावा किया गया है कि कुतुब मीनार के भीतर ही हिंदू और जैन मंदिर परिसर स्थित है। याचिका में कहा गया है कि अंदर 27 मंदिर हुआ करते थे, जिनमें मुख्य रूप से जैन तीर्थंकर ऋषभदेव के अलावा भगवान विष्णु प्रमुख रूप से स्थापित हैं। और इन्हीं मंदिरों को तोड़ कर ही मस्जिद का निर्माण किया गया। इस मामले में को निचली अदालत ने खारिज कर दिया था, जिसे ऊपरी अदालत में चुनौती दी गई है।

दिल्ली की जामा...

देकर 20 दिसंबर तक जवाब मांगा है। विष्णु गुप्ता ने अपनी चिट्ठी में लिखा है कि जोधपुर और उदयपुर के सैकड़ों मंदिरों को तोड़कर औरंगजेब ने हिंदुओं को अपमानित करने के लिए उनके अवशेषों को दिल्ली की जामा मस्जिद की सीढ़ियों पर लगवा दिया। जामा मस्जिद एएसआई के नियंत्रण में है और वह इसके पीछे की सच्चाई पता लगाने के लिए उसका सर्वे कराए। मस्जिदों की सीढ़ियों के नीचे दबे मंदिरों के अवशेषों से हिंदुओं की भावना आहत होती है।

विष्णु गुप्ता ने कहा, मसीर-ई-आलमगीरी में लिखा है कि 24-25 मई 1689 को रविवार का दिन था। उस दिन खान जहां बहादुर जोधपुर से मंदिरों को तबाह करके लौटा। खान जहां बहादुर द्वारा मंदिरों को लूटने, प्रतिमाओं को खंडित करने और फिर उन्हें ध्वस्त कर के बाद बैल गाड़ियों से टूटी हुई मूर्तियों के अवशेष को दिल्ली रवाना कर दिया। इससे औरंगजेब बहुत खुश हुआ था। विष्णु गुप्ता का कहना है कि हिंदू सेना चाहती है कि दिल्ली स्थित जामा मस्जिद का एएसआई सर्वे कराए और उन मूर्तियों को बाहर निकाल कर फिर से मंदिरों में स्थापित किया जाए। इस सर्वे से मुगल आक्रांता औरंगजेब की क्रूरता और मंदिर तोड़ने की सच्चाई भी दुनिया के सामने आ सकेगी।

बता दें कि अजमेर के मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह का सर्वे कराने की मांग को लेकर भी उन्होंने एक याचिका दी है। इसके बाद कोर्ट ने अल्पसंख्यक मंत्रालय और एएसआई से जवाब मांगा है। इस याचिका के बाद विष्णु गुप्ता को जान से मारने की धमकी भी मिली है। तीन दिन पहले उन्हें कनाडा से के एक नंबर से धमकी भरा कॉल आया था। विष्णु गुप्ता को फोन करने वाले कॉल करने वाले कॉलर ने उन्हें सिर तन से जुदा करने की धमकी दी थी। विष्णु गुप्ता ने बताया था कि धमकी देने वाले ने कहा था, तेरा सिर कलम कर दिया जाएगा, गर्दन काट दी जाएगी। तुमने अजमेर दरगाह का केस फाइल करके बहुत बड़ी गलती कर दी है। अब तू नहीं बचेगा।

देवेंद्र फडणवीस...

लेकिन हम सभी को राज्य और देश के व्यापक हित में काम करना है। हम महाराष्ट्र की सभी उम्मीदों को पूरा करने की कोशिश करेंगे। अंत में मैं पीएम मोदी को धन्यवाद देता हूं।भाजपा विधायक दल की बैठक में देवेंद्र फडणवीस के नाम का प्रस्ताव भाजपा नेता चंद्रकांत पाटिल और सुनील मुगंटीवार ने रखा। उनके नाम का समर्थन सबसे पहले पंकजा मुंडे ने किया। भाजपा विधायक दल की इस बैठक में केंद्रीय पर्यवेक्षक केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण और गुजरात के सीएम विजय रूपाणी मौजूद थे। निर्मला सीतारमण ने कहा कि एकमत निर्णय आनंददायी होता है। आप सभी ने सही फैसला किया है।

आज शाम देवेंद्र फडणवीस, एकनाथ शिंदे और अजित पवार ने राजभवन पहुंचकर राज्यपाल से मुलाकात की। तीनों नेताओं से राज्यपाल के सामने सरकार बनाने के दावा पेश किया। राजभवन में महायुति नेताओं ने राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को विधायकों का समर्थन पत्र सौंपा। महाराष्ट्र चुनावों में महायुति की शानदार जीत के बाद देवेंद्र फडणवीस तीसरी बार राज्य के मुख्यमंत्री होंगे। भाजपा विधायक दल की बैठक में फडणवीस को अपना नेता चुने जाने के बाद तीनों नेताओं ने बुधवार को राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात की।

देवेंद्र फडणवीस ने कहा, हमने राज्यपाल से मुलाकात की है और राज्य में सरकार बनाने का दावा पेश करने के लिए समर्थन पत्र सौंपा है। राज्यपाल ने हमें कल शाम 5.30 बजे शपथ ग्रहण के लिए आमंत्रित किया है। फडणवीस ने कहा, मैंने कल एकनाथ शिंदे से मुलाकात की थी। उनसे आग्रह किया कि वो सरकार में शामिल हों। शिवसेना के सभी विधायक भी यही चाहते हैं। देवेंद्र फडणवीस ने कहा, आज माननीय राज्यपाल जी से भेंट कर उन्हें भाजपा, शिव-सेना और एनसीपी विधायकों का समर्थन पत्र सौंपा। मैं एकनाथ शिंदे जी का आभार व्यक्त करता हूं। उन्होंने मुख्यमंत्री के लिए मेरे नाम की सिफारिश की। अजित पवार ने भी इसी प्रकार का पत्र दिया है। इन सभी पत्रों को देखते हुए राज्यपाल ने सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में आजाद मैदान में शपथ ग्रहण होगा।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में अजित पवार ने कहा कि महाराष्ट्र में विकास की बात होगी और विकास पर ही नई सरकार का फोकस होगा। उन्होंने कहा कि पिछले ढाई साल में तीनों ने साथ मिलकर फैसले लिए हैं। आगे भी महाराष्ट्र के पक्ष में सामंजस्य से काम होगा। उल्लेखनीय है कि महायुति में तीन प्रमुख दल शिवसेना (एकनाथ शिंदे), एनसीपी (अजित पवार) और भाजपा शामिल हैं। महायुति ने 288 सदस्यीय विधानसभा में 230 सीटें जीतकर शानदार जीत हासिल की। भाजपा 132 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। एकनाथ शिंदे गुट और अजीत पवार-एनसीपी ने क्रमशः 57 और 41 सीटें हासिल कीं।

राहुल ने ...

लंबे जाम के कारण परेशानी झेलने वालों में छात्र और कर्मचारी भी थे जो समय से अपने काम पर नहीं पहुंच पाए।

संभल जाने की जिद कर रहे कांग्रेस नेता राहुल गांधी को गाजीपुर बॉर्डर पर रोक कर प्रशासन के अधिकारियों ने उन्हें बताया कि संभल में निषेधाज्ञा लागू होने की बात सर्वविदित है, फिर भी संभल जाने की जिद कानून सम्मत नहीं है। राहुल गांधी के इशारे पर कांग्रेसियों ने गाजीपुर बॉर्डर पर लगाए गए भारी अवरोधकों को तोड़कर आगे निकलने की कोशिश की। इससे मौके पर भारी अफरातफरी मच गई और लंबी दूरी तक सड़क जाम हो गई। पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच काफी देर तक लंबी बहस और धक्का मुक्की चलती रही और आम नागरिक परेशान होता रहा। इस अफरातफरी के माहौल में भी राहुल गांधी और प्रियंका गाधी ने गाड़ी पर खड़े होकर भाषण देना शुरू कर दिया। पहले से परेशान लोगों का इससे गुस्सा और भड़क गया। लोगों ने राहुल गांधी मुर्दाबाद के नारे लगाने शुरू कर दिए और विरोध करने वाले कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पीटा। पुलिस ने बीचबचाव करके मामला शांत कराया और राहुल गांधी को वापसी का रास्ता दिखाया।

6.69 लाख...

नागरिकों को साइबर अपराध की शिकायतें दर्ज कराने की सुविधा प्रदान करता है। यह एक ऐसा मंच है जो साइबर अपराध से संबंधित सभी जानकारी और सहायता प्रदान करने के लिए समर्पित है। इसके अलावा टोल फ्री हेल्पलाइन 1930 भी नागरिकों को ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराने और आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए सक्रिय है। साथ ही साइबर फ्रॉड मिशन सेंटर बड़े बैंकों, वित्तीय संस्थानों, पेमेंट एग्रीगेटर्स, दूरसंचार सेवा प्रदाताओं और राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों की कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ त्वरित कार्रवाई और समन्वय सुनिश्चित करता है।

गृह मंत्रालय ने दूरसंचार सेवा प्रदाताओं को निर्देश दिए हैं कि वे उन अंतरराष्ट्रीय फर्जी कॉल्स को रोकें, जिनमें भारतीय मोबाइल नंबर का उपयोग किया जाता है। यह कदम नागरिकों को साइबर धोखाधड़ी से बचाने के उद्देश्य से उठाया गया है। सरकार ने साइबर अपराधों के प्रति नागरिकों को जागरूक करने के लिए व्यापक जागरूकता अभियान शुरू किया है। डिजिटल सुरक्षा के महत्व और साइबर अपराधों से बचाव के तरीकों पर जोर दिया जा रहा है। यह अभियान लोगों को साइबर खतरों और उनसे बचने के उपायों के प्रति संवेदनशील बनाता है। भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (ख4सी) की अहम भूमिका साबित हो रही है। भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (ख4सी) की स्थापना विशेष रूप से साइबर अपराधों की निगरानी और उन पर कार्रवाई के लिए की गई है। यह केंद्र साइबर अपराधों के समन्वय और राष्ट्रीय स्तर पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करता है। इसका कार्यक्षेत्र बड़े पैमाने पर साइबर धोखाधड़ी, डिजिटल लेन-देन की सुरक्षा, और अन्य साइबर अपराधों से जुड़ी गतिविधियों को कवर करता है। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा उठाए गए ये कदम साइबर अपराधों के बढ़ते खतरे को रोकने के लिए अत्यंत प्रभावी साबित हो रहे हैं। भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (ख4सी) और नागरिक वित्तीय साइबर धोखाधड़ी रिपोर्टिंग तंत्र जैसे पहल ने न केवल साइबर अपराधों को नियंत्रित किया है, बल्कि नागरिकों को डिजिटल सुरक्षा का आश्वासन भी दिया है।

भारत में मोबाइल...

जेडस्केलर थ्रेटलैब्ज-2024 मोबाइल, आईओटी एंड ओटी थ्रेट रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत मोबाइल मालवेयर हमलों का सबसे बड़ा निशाना बन गया है। जून, 2023 से मई, 2024 के बीच दुनियाभर में जितने भी मोबाइल मालवेयर हमले हुए, उनमें सर्वाधिक 28 फीसदी भारत में किए गए। इसके बाद अमेरिका में 27.3 फीसदी और कनाडा में 15.9 फीसदी हमले हुए।

यह रिपोर्ट जून, 2023 से मई, 2024 के बीच खतरे वाले मोबाइल लेनदेन और साइबर हमलों वाले 20 अरब से अधिक डाटासेट के विश्लेषण के आधार पर तैयार की गई है। मालवेयर एक सॉफ्टवेयर है, जिसका इस्तेमाल मोबाइल या कंप्यूटर पर किसी की पहचान चोरी करने या गोपनीय जानकारी में सेंध लगाने के लिए किया जाता है। रिपोर्ट में बैंकिंग मालवेयर हमलों में 29 फीसदी और मोबाइल स्पाइवेयर हमलों में 111 फीसदी की चौंकाने वाली वृद्धि का खुलासा किया गया है। कहा गया है कि आधे मोबाइल हमले ट्रोजन (मालवेयर जो उपयोगकर्ताओं को दुर्भावनापूर्ण सॉफ्टवेयर डाउनलोड करने और चलाने के लिए प्रेरित करता है) के कारण होते हैं। इसलिए, वित्तीय क्षेत्र विशेष रूप से असुरक्षित है। स्पाइवेयर मालवेयर का ही एक प्रकार है। इससे किसी व्यक्ति की जानकारी के बिना उसकी निजी जानकारी चुराई जाती है। मालवेयर हमलों के मामले में पिछले साल इस सूची में तीसरे स्थान पर रहने वाला भारत अब शीर्ष पर पहुंच गया है। यह भारतीय उद्यमों के लिए मजबूत सुरक्षा उपायों को अपनाने की महत्वपूर्ण जरूरत को रेखांकित करता है। खासकर तेजी से डिजिटल बदलाव और बढ़ते साइबर खतरों के बीच।

भारतीय डाक सेवा भी साइबर हमलावरों का निशाना बन गई। एसएमएस संदेशों का इस्तेमाल कर हमलावर मोबाइल उपयोगकर्ताओं को ऐसे फिशिंग साइटों पर जाने के लिए कहते हैं, जो उन्हें क्रेडिट कार्ड विवरण दर्ज करने के लिए प्रेरित करती हैं। जेडस्केलर के सीआईएसओ-इंडिया के सुब्रत सिन्हा ने कहा, लीगेसी सिस्टम और असुरक्षित आईओटी/ओटी (इंटरनेट ऑफ थिंग्स/ऑपरेशनल टेक्नोलॉजी) परिवेश साइबर अपराधियों का प्रमुख निशाना बन रहे हैं। इन्हें लक्ष्य बनाकर हैकिंग के प्रयासों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि गूगल प्ले स्टोर पर 200 से अधिक ऐसे एप मिले, जो सुरक्षा के लिहाज से खतरनाक थे। वहीं, आईओटी मालवेयर लेनदेन में सालाना आधार पर 45 फीसदी की वृद्धि हुई है, जो आज साइबर खतरों की व्यापक प्रकृति को बताती है। सकारात्मक बात यह है कि मालवेयर उत्पत्ति स्थल के रूप में भारत ने सुधार किया है। वह एशिया-प्रशांत क्षेत्र में 5वें स्थान से 7वें स्थान पर पहुंच गया है।

सुखबीर बादल...

उनके साथ ही पंजाब में अकाली सरकार में मंत्री रहे सभी लोगों को सजाएं दी गई हैं। नारायण सिंह चौरा ने इसी ड्यूटी के दौरान कमर से अपनी पिस्टल निकाली और बादल पर फायरिंग करने की कोशिश की। ऐन मौके पर वहां मौजूद लोगों ने उसे पकड़ लिया और पुलिस को सौंप दिया।

चौरा 1984 में पाकिस्तान ट्रेनिंग के लिए जा चुका है। वह बब्बर खालसा इंटरनेशनल से जुड़ा रहा है। वह हथियारों की तस्करी में भी जुड़ा था। उसने एक किताब भी लिखी है। वह 2004 में बुड़ैल जेल से सीएम बेअंत सिंह के हत्यारे खालिस्तानी आतंकियों को भगाने का आरोपी भी है। उस पर आरोप है कि उसने बुडैल जेल की बिजली सप्लाई बाधित कर जगतार सिंह तारा, परमजीत सिंह भ्योरा और जगतार सिंह हवारा को भगाया था। इनके साथ एक और आतंकी देवी सिंह भी भाग गया था। नारायण सिंह इन आतंकियों से जेल में आकर मिलता भी था और और उन्हें खाना, कपड़े और पगड़ी समेत तमाम चीजें दे जाता था। बाद में वह जेल से भागने की प्लानिंग में शामिल हो गया। बताया गया कि परमजीत सिंह के कहने पर उसने जेल के पीछे के हिस्से में पहुंच कर कंटीली तारों पर एक चेन डाली जिससे बिजली गुल हो गई और मौके का फायदा उठा कर यह चारों आतंकी एक गुफा के सहारे जेल से भाग गए।

पंजाब पुलिस ने इस मामले में उसे 2013 में गिरफ्तार किया था। इससे पहले उसे भगोड़ा घोषित कर दिया गया था। चौरा को 2018 में जमानत मिली थी। नारायण सिंह चौरा के खिलाफ यूएपीए का केस दर्ज किया गया था। उसने इसके खिलाफ पुलिस पर ही मुकदमा दायर कर दिया था। उसने कहा था कि पुलिस द्वारा उसके फर्जी हस्ताक्षर बनाए गए। उसने 2015 में एक पत्र भी लिखा था, जिसे सिखों के एक आयोजन में पढ़ा गया था। इसमें खालिस्तान की बात की गई थी। नारायण सिंह चौरा सुखबीर सिंह बादल पर हमले के बाद अब पंजाब पुलिस की गिरफ्त में है।

भारत का उपकार...

उनकी बेटी शेख हसीना वाजेद और अवामी लीग के साथ भारत के करीबी संबंध रहे हैं। कूटनीति, क्षेत्रीय मामले हों या अंतरराष्ट्रीय मामले हों हर प्रकार से बांग्लादेश और भारत परस्पर सहयोगी रहे हैं। इमाम ने कहा, राजनीतिक स्थितियां बांग्लादेश का आंतरिक मसला है, लेकिन सत्ता बदलने के साथ जिस प्रकार से हिंदू अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया जा रहा है, उनके खिलाफ एकतरफा कार्रवाई की जा रही है, वह निंदनीय है।इमाम बुखारी ने कहा कि इस प्रकार की हरकतों का बचाव नहीं किया जा सकता है, इसे तुरंत रोकने की आवश्यकता है। साथ ही उन्होंने मोहम्मद यूनुस को संयुक्त राष्ट्र की अल्पसंख्यकों को समान नागरिक अधिकारों की सुरक्षा के मामले में सार्वभौमिक घोषणा को याद दिलाया। इसके तहत संयुक्त राष्ट्र का प्रत्येक सदस्य अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए बाध्य है। बांग्लादेश के करीबी सहयोगी और भरोसेमंद पड़ोसी के तौर पर यूनुस से अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा को रोकने की अपील करते हैं। इमाम बुखारी ने इसके साथ ही मुहम्मद यूनुस को बांग्लादेश के प्रति किए गए भारत के अहसानों को याद दिलाया कि किस प्रकार से बांग्लादेश की स्थापना के वक्त वहां के लाखों शरणार्थियों की देखभाल और वहां की विकास प्रक्रिया में भारत ने सहयोग दिया था। किसी भी प्रकार की आपदा हो भारत हमेशा बांग्लादेश के साथ खड़ा रहा। इन अहसानों के इतिहास को सरकार कभी भी भुला नहीं सकती है।

दूसरी तरफ, बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार के खिलाफ देशभर में जनसमूहों का जोरदार प्रदर्शन जारी है। बांग्लादेश में हो रही जातीय हिंसा के विरुद्ध रतलाम शहर में दोपहर को भारी जनसैलाब का विरोध प्रदर्शन देखा गया। पड़ोसी देश बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू, ईसाई, और बौद्ध समाज के साथ हो रहे अत्याचार और क्रूरता के खिलाफ इस आक्रोश में सर्व समाज ने हिस्सेदारी की। सर्व समाज ने कालिका माता मंदिर परिसर से एक रैली निकाली और कलेक्टर कार्यालय तक जुलूस के रूप में पहुंचकर राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन दिया।

रैली में सर्व समाज के हजारों लोगों की भागीदारी हुई। कालिका माता मंदिर परिसर में संतों के नेतृत्व में प्रदेश के मंत्री, जनप्रतिनिधि, हजारों महिलाएं, व्यवसाय जगत, और युवाओं की भारी संख्या देखी गई। जन आक्रोश महारैली में शामिल लोगों ने हाथों में तख्तियां और केसरिया ध्वज थाम रखे थे। रतलाम जिला कलेक्टर राजेश बाथम को सौंपे गए ज्ञापन में बांग्लादेश में हो रही अराजकता के खिलाफ आक्रोश जाहिर किया गया। ज्ञापन में बांग्लादेश में धर्मस्थलों, मंदिरों को निशाना बनाकर हमले करने, तोड़फोड़ करने, निर्दोषों की हत्या, महिलाओं के साथ दुष्कर्म और अभद्रता जैसी घटनाओं का विरोध किया गया। ज्ञापन में सर्व हिंदू समाज ने महामहिम राष्ट्रपति से अनुरोध किया कि बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हो रहे अत्याचारों को रोकने के लिए हर संभव कदम उठाए जाएं।

रैली में श्रृंगेरीमठ के मठाधीश आत्मानंद सरस्वती, अखंड ज्ञान आश्रम के देवस्वरूप महाराज, ज्योतिर्मठ वृंदावन के स्वामी नारायणगिरी, दत्त अखाड़ा उज्जैन के नीलभारती जी महाराज, पं. संजय शिवशंकर दवे, और प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्री चैतन्य काश्यप सहित कई संत और गणमान्य लोग उपस्थित रहे। आक्रोश रैली के संयोजक राजेश कटारिया ने कहा कि बांग्लादेश में छात्र आंदोलन को षड्यंत्रपूर्वक हिंसात्मक रूप दिया गया और अल्पसंख्यक समाज पर अत्याचार का सुनियोजित षड्यंत्र किया गया है। सोनाली जैन ने कहा कि बांग्लादेश में हो रही मानवता को झकझोरने वाली हिंसात्मक घटनाओं को रोकने के लिए भारत सरकार को तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। अल्पसंख्यक समाज के साथ पूरा भारतीय समाज मजबूती से खड़ा है। नीलकंठ धाम घटवास के संस्कार ऋषि पं. दिनेश व्यास ने भारतीय संस्कृति वसुधैव कुटुंबकम का उल्लेख करते हुए कहा कि पूरे विश्व के लोग हमारे भाई-बहन हैं। कुछ लोग मानवता को नष्ट करने के विचार से निरीह लोगों पर अत्याचार कर रहे हैं। हमें संकल्प लेना होगा कि संगठित रहेंगे। जनजाति सुरक्षा मंच के संरक्षण कैलाश निनामा ने कहा कि संगठन में शक्ति है। बांग्लादेश में हो रहे अल्पसंख्यकों के खिलाफ षड्यंत्र को रोकने के लिए हमें एकजुट होना होगा। विरोध प्रदर्शन में उपस्थित जनसमुदाय को आशीर्वाद देने के लिए संत और गणमान्य लोग मौजूद थे। इनमें दंडी स्वामी आत्मानंद जी सरस्वती (श्रृंगेरी मठ), स्वामी देव स्वरूप जी महाराज (अखंड ज्ञान आश्रम), स्वामी 1008 आनंद गिरि जी महाराज (अड़वानिया), ज्ञानी हंसराज सिंह (गुरुद्वारा दुख निवारण साहेब जावरा), स्वामी नील भारती जी महाराज (दत्त अखाड़ा), स्वामी शिवानंद जी महाराज (शक्तिपीठ सुजालपुर), स्वामी योगेश नाथ जी (जेठाना), स्वामी सुजानानंद जी महाराज (अखंड ज्ञान आश्रम), महर्षि संजय शिवशंकर दवे (वैदिक जागृति पीठ), सविता दीदी (ब्रह्मकुमारी आश्रम), परम पूज्य मनोज स्वामी (मांगल्य मंदिर), स्वामी सौरभ जी महाराज, आचार्य महेशानंद जी महाराज, आचार्य अशोक वशिष्ठ महाराज, आचार्य चेतन शर्मा, स्वामी अभिषेक गिरी महाराज उल्लेखनीय हैं।

रतलाम की इस विराट जन आक्रोश रैली ने स्पष्ट संदेश दिया कि भारत में बांग्लादेश में हो रहे अत्याचारों को लेकर जनता जागरूक और संगठित है। इस रैली के समर्थन में रतलाम शहर के सभी प्रमुख व्यवसायिक प्रतिष्ठान बंद रहे। यह बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ जन सामूहिक आक्रोश का प्रतीक बना। यह रैली एक सामाजिक और सांस्कृतिक एकजुटता का उदाहरण बनी, जिसमें हर वर्ग के लोगों ने हिस्सा लिया और मानवता के समर्थन में अपनी आवाज बुलंद की।

सुनामगंज में हिंदुओं ...

कट्टरपंथियों ने जिले के दोयरा बाजार इलाके में हिंदुओं के घरों और मंदिरों पर हमला किया। इसके साथ ही दो गुटों में बंटकर कट्टरपंथियों ने दोयरा पुलिस स्टेशन का भी घेराव कर लिया। ये एक हिंदू युवक आकाश दास पर कथित बेअदबी का आरोप लगाकर उसे खुद को सौंपने की मांग कर रहे थे। इस्लामवादियों युवक पर इस्लाम और कुरान के अपमान का आरोप लगाया है। खास बात ये कि मुस्लिम कट्टरपंथियों के साथ बांग्लादेशी आर्मी भी आकाश की तलाश में लग गई है। मुस्लिम कट्टरपंथियों ने दोयरा बाजार में ही एक हिंदू मंदिर में घुसकर तोड़फोड़ की। उसे पूरी तरह से तहस-नहस कर दिया। हैंडल ने बकायदा इसका वीडियो भी शेयर किया है, जिसमें देखा जा सकता है कि किस प्रकार से कट्टरपंथियों मंदिर की मूर्तियों को तोड़ा है। वहां पर रखी प्रत्येक चीज को नष्ट कर दिया गया। अब इलाके में बांग्लादेशी सेना को लगाया गया है,लेकिन वो भी कुछ कर नहीं रही है।गौरतलब है कि बांग्लादेश में शेख हसीना की सत्ता पलटने के बाद से लगातार मुस्लिम कट्टरपंथी इसी प्रकार के आरोप लगाकर हिंदुओं पर हमले करते रहे हैं। वक्त बदलने के साथ कट्टरपंथी सरकार का समर्थन पाकर पूरी तरह से बेखौफ हो गए हैं। अब वे खुलेआम हिंदुओं के खिलाफ जुलूस निकालते हैं और डायरेक्ट एक्शन का नारा लगाते हैं।

यूनुस और ...

कैसे अमेरिका का डीप स्टेट मोहम्मद यूनुस का इस्तेमाल बांग्लादेश और हिंदुओं को अपने स्वार्थ के लिए कमजोर करने के लिए कर रहा है? लोगों को उम्मीद है कि डोनाल्ड ट्रम्प इन डीप स्टेट तत्वों के खिलाफ आक्रामक कार्रवाई करेंगे, जिनके अमेरिका या मानवता के लिए कोई अच्छे इरादे नहीं हैं। पाकिस्तान बांग्लादेश का अब तक का सबसे बड़ा दुश्मन रहा है, लेकिन पाकिस्तान के साथ यूनुस का संबंध आतंकवादियों के प्रति उसकी सहानुभूति और भारत विरोधी रुख को दर्शाता है। हिंदू संतों, पेशेवरों और व्यापारियों ने बांग्लादेश के सामाजिक और आर्थिक उत्थान को बढावा देने के लिए कड़ी मेहनत की, कठिन समय के दौरान बड़ी संख्या में मुसलमानों की सहायता की। हालांकि, इन्हीं व्यक्तियों को क्रूरता से प्रताड़ित किया गया और उनकी हत्या कर दी गई। हिंदुओं को वास्तव में इस पैटर्न और वैचारिक पहलुओं को समझना चाहिए; सरल शब्दों में कहें तो, शत्रुबोध महत्वपूर्ण है।

हिंदुओं के खिलाफ अपराधों के खिलाफ कई राजनीतिक दलों, विशेष रूप से कई इंडी गठबंधन दलों की चुप्पी सभी हिंदुओं को एक स्पष्ट संदेश देती है। आप इन पार्टियों के लिए एक चुनावी उपकरण से ज्यादा कुछ नहीं हैं, और यदि आप इन ताकतों के खिलाफ एकजुट नहीं होते हैं, तो आप फिर से गुलाम हो जाएंगे। क्या ये पार्टियां हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों का मौन समर्थन कर रही हैं? क्या हिंदुओं ने कभी बॉलीवुड हस्तियों को हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों की आलोचना करते सुना है? दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र करोड़ों हिंदुओं का घर है।

बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ मुस्लिम कट्टरपंथियों की बर्बरताभरी हिंसा के बारे में चिंता या घृणा की आवाज़ें बहुत कम हैं। बांग्लादेशियों को याद रखना चाहिए कि हिंदुओं ने कभी किसी के साथ गलत नहीं किया है और भविष्य में ऐसा कभी नहीं करेंगे। लेकिन अब समय की आवश्यकता है कि हमारा अस्तित्व पूरी तरह से एकता को मजबूत करने, किसी भी अत्याचार के खिलाफ एकजुट होने, बचपन से आत्मरक्षा तकनीकों सहित सनातन संस्कृति को आत्मसात करने और धर्मांतरण से लड़ने पर निर्भर रहे। यह समय है कि संपूर्ण संत समुदाय, लाखों अनुयायियों के साथ मिलकर दुनिया को दिखाएं कि हम हिंदुओं के साथ किसी भी तरह का अन्याय या मानवता के खिलाफ कुछ भी बर्दाश्त नहीं करेंगे। दुनिया को व्यापक भलाई के लिए हिंदुओं की शक्ति देखने दें। सनातन धर्म किसी धर्म विरोधी नहीं है, बल्कि इसमें मानवता के लिए काम करके विश्व शांति को बढ़ावा देने की क्षमता है। सनातन धर्म का नुकसान मानवता और वैश्विक शांति के लिए एक नुकसान है। इसलिए, दुनिया में हर कोई जो शांति चाहता है, उसे यूनुस सरकार और उसके लोगों द्वारा हिंदुओं के खिलाफ किए गए अपराधों की कड़ी निंदा और कारवाई करनी चाहिए। यूनुस को यह समझने दें कि वह डीप स्टेट के समर्थन से मानव जाति के खिलाफ काम नहीं कर सकता।

ब्रिटिश कंजर्वेटिव सांसद बॉब ब्लैकमैन ने बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ अपराधों की कड़ी निंदा की, साथ ही इस्कॉन के पुजारी चिन्मय कृष्ण दास को जेल में डालने की निंदा करते हुए कहा कि धार्मिक अल्पसंख्यकों को सताया नहीं जाना चाहिए। ब्लैकमैन ने ब्रिटेन की संसद में इस मामले को उठाया, जिसमें अल्पसंख्यक हिंदू आबादी की दुर्दशा को उजागर किया गया, जिसके बारे में उनका दावा है कि उनके घरों और मंदिरों पर आगजनी और हमले सहित जानलेवा हिंसा की जाती है। बॉब ब्लैकमैन ने ब्रिटेन की संसद में बांग्लादेश में एक हिंदू भिक्षु की गिरफ्तारी पर सवाल उठाए। बांग्लादेश में इस्कॉन पर प्रतिबंध लगाने के प्रयास को हिंदुओं पर सीधा हमला बताया। दुनिया को यह जानने की जरूरत है कि भारत में अल्पसंख्यक सुरक्षित हैं और प्रगति कर रहे हैं, क्योंकि हिंदू बहुसंख्यक हैं। पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश दिखाते हैं कि जब हिंदू बहुसंख्यक नहीं होते हैं तो क्या होता है। पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश में अल्पसंख्यक, जहां मुस्लिम बहुसंख्यक हैं, कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। जबरन धर्म परिवर्तन, हत्या, बलात्कार और देश से निष्कासन के परिणामस्वरूप अल्पसंख्यक आबादी में नाटकीय रूप से कमी आई है। क्या मानवीय संगठन, बौद्धिक वर्ग और राजनीतिक नेता अल्पसंख्यकों के लिए इस सबसे खराब स्थिति के प्रति अंधे हैं? भारत में इसके विपरीत हो रहा है, जहां बहुसंख्यक हिंदू अल्पसंख्यकों को जीवन के सभी पहलुओं में फलने-फूलने की इजाजत दे रहे हैं।

संविधान के बारे में मूलभूत तथ्य यह है कि भारत का संविधान तभी तक सुरक्षित है, जब तक हिंदू बहुसंख्यक है। तो क्या हम यह मान लें कि जाति के आधार पर हिंदुओं को विभाजित करने का प्रयास करने वाली राजनीतिक और डीप स्टेट वास्तव में डॉ. अंबेडकर के संविधान का विरोध करती है? वे हिंदुओं की आस्था प्रणाली को कमजोर क्यों करना चाहते हैं? हिंदुओं को व्यापक शोध और विश्लेषण करना चाहिए। वे निस्संदेह हिंदू एकता के महत्व और विभाजित हिंदू समुदाय के निहितार्थों के बारे में जानेंगे। यह सूत्र वाक्य है कि एक हैं तो सेफ हैं। अगर बंटेंगे तो कटेंगे ही...

7 दिसंबर तक इन राशियों की बदलेगी किस्मत आर्थिक तंगी से मिलेगी निजात

ज्योतिषीय गणना के अनुसार, 04 दिसंबर का दिन कई राशि के जातकों के लिए मंगलकारी रहने वाला है। इस दिन मन के कारक चंद्र देव राशि परिवर्तन करेंगे। चंद्र देव के राशि परिवर्तन से (उहरपवीर त्रेल्लहरी 2024) राशि चक्र की सभी राशियों पर भाव अनुसार प्रभाव पड़ेगा। मन के कारक चंद्र देव की कृपा से कई राशि के जातकों को लाभ प्राप्त होगा। वहीं, कई राशि के जातकों को मानसिक तनाव से मुक्ति मिलेगी। कुंडली में चंद्रमा मजबूत रहने पर व्यक्ति को जीवन में सभी प्रकार के सुखों की प्राप्ति होती है।

चंद्र राशि परिवर्तन

ज्योतिषियों की मानें तो मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि पर चंद्र देव राशि परिवर्तन करेंगे। चंद्र देव 04 दिसंबर को देर रात 11 बजकर 59 मिनट पर धनु राशि से निकलकर मकर राशि में गोचर करेंगे। इस राशि में चंद्र देव कुल मिलाकर दो दिनों तक रहेंगे। इसके बाद मकर राशि से निकलकर कुंभ राशि में गोचर करेंगे।

धनु राशि

धनु राशि के स्वामी देवगुरु बृहस्पति हैं और आराध्य जगत के पालनहार भगवान विष्णु हैं। चंद्र देव के राशि परिवर्तन से धनु राशि के जातकों को धन लाभ हो सकता है। धर्म कर्म में रुचि बढ़ेगी। धार्मिक यात्रा के योग बनेंगे। करियर में सफलता मिल सकती है। कोई बड़ी खुशखबरी मिलेगी। इससे मन प्रसन्न रहेगा। मानसिक तनाव से मुक्ति मिलेगी। घर पर मेहमानों का आगमन होगा। रुके हुए धन की प्राप्ति होगी। निवेश से लाभ मिलेगा। ऊर्जा से लबरेज रहेंगे। जीवन में मनोवांछित फल की प्राप्ति और चंद्र देव की कृपा पाने के लिए सोमवार और शुक्रवार के दिन गाय के कच्चे दूध से भगवान शिव का अभिषेक करें। इस उपाय को करने से भगवान शिव की कृपा अवश्य प्राप्त होगी।

मीन राशि

वर्तमान समय में मीन राशि के जातकों पर साढ़े साती का प्रथम चरण चल रह है। इस राशि में शनिदेव 29 मार्च, 2025 को गोचर करेंगे। इसके लिए मीन राशि के जातकों को जीवन में विषम परिस्थिति से गुजरना पड़ रहा है। हालांकि, भगवान विष्णु की कृपा से दुख भी सुख में बीतेगा। उनकी कृपा से धन का अभाव नहीं होगा। परिवार वालों के साथ रिश्ते मधुर होंगे। बड़े भाई और बहन का प्यार और स्नेह मिलेगा। कार्य में बेहतर करेंगे। कारोबार में भी लाभ के योग हैं। सोमवार के दिन गंगाजल में काले तिल मिलाकर भगवान शिव का अभिषेक करें। इस उपाय को करने से शनि की बाधा दूर होगी।

गौ और विश्व संस्कृति

सम्पूर्ण मानव जाति की जड़ एक है, हम सभी एक ही शक्ति से उत्पन्न हुए हैं और उसी शक्ति में विलीन हो जाएँगे। अनंत काल से हमारे देव और देवियाँ भी एक ही रहे हैं, जिन शक्तियों की हम आराधना करते हैं वे भी एक से ही हैं, जैसे गौ, सर्प, इत्यादि।

गौ और उसके बछड़े में कुछ विशेष है, जिस कारण उन्हें सभी प्राचीन संस्कृतियों में पूजनीय माना गया है । वर्तमान काल में गौ पूजा को केवल भारतवर्ष से जोड़ा जाता है, किंतु इतिहास पर दृष्टि दौड़ाने से इस गोजातीय देवी की सर्वत्रता प्रत्यक्ष होती है।

मेसोपोटामियन नंदी को असाधारण बल तथा जनन-क्षमता के प्रतीक के रूप में पूजते थे । बेबीलोनियन देवताओं के चिह्न भी नंदी ही थे । प्राचीन काल के बेबीलोनियन, अस्सीरियन और पर्शियन उनके महलों के रक्षकों के रूप में महाकाय नंदी की प्रतिमा रखते थे जिस पर देवताओं की जागृति हेतु कई दैवी शिलालेख होते थे । इजिप्तवासी हेथॉर नामक गौ और एपिस नामक नंदी को पूजते थे । प्राचीन चीन और जापान में भी गौवंश को बहुत सम्मान दिया जाता था और इसीलिए उनका माँस खाना निषिद्ध था।

सिंधु घाटी की पुरातन द्रव्य मुद्राओं पर नंदी एक अत्यंत महत्त्वपूर्ण चिह्न था, नंदी भगवान् शिव के प्रिय हैं । ऋग्वेद में भी गौ को अदिति और अघन्य कहकर संबोधित किया गया है - अर्थात जिसकी हत्या करना या काटना अनुचित है।

जहाँ एक ओर गौमाता के दूध को अमृत कहा गया है, जो उत्तम आरोग्य प्रदान करता है, वहीं दूसरी ओर उसके माँस की तुलना विष से की गयी है, जिससे शरीर में रोग उत्पन्न होते हैं।

गौवंश की रक्षा करना समृद्धि का प्रतीक है। महाभारत में विराटनगर, जहाँ पांडवों ने उनके निर्वासन का आख़री वर्ष अज्ञातवास में गुजारा, में हुए युद्ध की विस्तारपूर्वक जानकारी दी गयी है । कौरवों ने विराटनगर के सभी गौवंश का अपहरण कर लिया था । तब पाण्डवों ने अपने 13 वर्षीय अज्ञातवास को दाव पर लगाकर गौ रक्षा हेतु शस्त्र उठाना उचित जाना। गौ का माहात्म्य कुछ ऐसा ही है ।

आधुनिक काल में भी जो इस अनोखे जीव की रक्षा हेतु कार्य करते हैं, वे कभी भी निराश नहीं होते । ध्यान फाउंडेशन के एक स्वयंसेवक जो जर्नलिस्ट हैं और गौसेवा में भी सक्रिय हैं, उन्होंने अपनी पहली नौकरी में एक पाँच पैरोंवाली गौ पर लेख लिखा । मात्र 3 महीने में उस लेख को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहाना मिली। गौ में कुछ रहस्यजनक बात तो है...जिसका अनुभव मैंने अपनी वर्षों की साधना में असंख्य बार किया है । जो गौ पालन करते हैं, वे बड़ी ही तेज़ी से प्रगति करते हैं । दुनिया की विभिन्न संस्कृतियां गौ संरक्षण और सेवा से होने वाले लाभ का उल्लेख करती हैं । इसी विश्व संस्कृति को सुरक्षित करते हुए ध्यान फाउंडेशन देश भर में 45 गौशालाओं के माध्यम से 70000 बचाए हुए गौवंश का संरक्षण कर रही है । आप भी इन गौशालाओं पर इस विचित्र शक्ति की सेवा के लाभ अनुभव कर सकते हैं।

– अश्विनी गुरुजी

रोजाना पूजा के समय करें इन मंत्रों का जप मानसिक तनाव से जल्द मिलेगी निजात

ज्योतिष शास्त्र में चंद्रमा को मन का कारक बताया गया है। कुंडली में चंद्रमा मजबूत होने से जातक को सकारात्मक लाभ मिलता है। हर शुभ कार्य में सफलता मिलती है। मन प्रसन्न रहता है। मां की सेहत अच्छी रहती है। वहीं, कमजोर चंद्रमा के चलते जातक को मानसिक तनाव की समस्या होती है। स्मरण शक्ति कमजोर होती है। इसके साथ ही घर में पानी की कमी होने लगती है। ज्योतिषियों की मानें तो चंद्र देव की पूजा करने से जातक को मानसिक तनाव से मुक्ति मिलती है। अगर आप भी तनाव से निजात पाना चाहते हैं, तो सोमवार के दिन भगवान शिव संग चंद्र देव की पूजा करें। वहीं, रोजाना पूजा के समय इन मंत्रों का जप करें। चंद्र देव के नामों का जप करने से तनाव की समस्या दूर हो जाती है।

चंद्र देव के 108 नाम

1. ॐ द्युतिलकाय नमः
2. ॐ द्विजराजाय नमः
3. ॐ ग्रहाधिपाय नमः
4. ॐ ग्रसितार्काय नमः
5. ॐ ग्रहमंडलमध्यस्थाय नमः
6. ॐ मेरुगोत्रप्रदक्षिणाय नमः
7. ॐ दांताय नमः
8. ॐ महेश्वरप्रियाय नमः
9. ॐ वसुसमृद्धिदाय नमः
10. ॐ विवस्वन्मंडलाग्नेयवासाय नमः
11. ॐ दिव्यवाहनाय नमः
12. ॐ चतुराय नमः
13. ॐ चतुरश्रासनारूढाय नमः
14. ॐ अव्ययाय नमः
15. ॐ कर्कटप्रभुवे नमः
16. ॐ करुणारससंपूर्णाय नमः
17. ॐ प्रियदायकाय नमः
18. ॐ अत्यंतविनयाय नमः
19. ॐ आत्रेयगोत्रजाय नमः
20. ॐ नयनाब्जसमुद्भवाय नमः
21. ॐ कुंदपुष्पोज्वलाकाराय नमः
22. ॐ धनुर्धराय नमः
23. ॐ दंडपाणये नमः
24. ॐ दशाश्वरथसंरूढाय नमः
25. ॐ श्वतगंधानुलेपनाय नमः
26. ॐ श्वेतमाल्यांबरधराय नमः
27. ॐ सितभूषणाय नमः
28. ॐ सितांगाय नमः
29. ॐ सितच्छत्रध्वजोपेताय नमः
30. ॐ सनकादिमुनिस्तुताय नमः
31. ॐ सर्वज्ञाय नमः
32. ॐ सर्वागमज्ञाय नमः
33. ॐ साधुवंदिताय नमः
34. ॐ स्ॐयजनकाय नमः
35. ॐ सकलार्तिहराय नमः
36. ॐ भुवनप्रतिपालकाय नमः
37. ॐ भव्याय नमः
38. ॐ भूच्छायाच्छादिताय नमः
39. ॐ निरामयाय नमः
40. ॐ निर्विकाराय नमः
41. ॐ निराहाराय नमः
42. ॐ निस्सपत्नाय नमः
43. ॐ जगदानंदकारणाय नमः
44. ॐ जगत्प्रकाशकिरणाय नमः
45. ॐ भवबंधविमोचनाय नमः
46. ॐ भक्तिगम्याय नमः
47. ॐ भायांतकृते नमः
48. ॐ सागरोद्भवाय नमः
49. ॐ सर्वरक्षकाय नमः
50. ॐ सामगानप्रियाय नमः
51. ॐ भक्तदारिद्र्यभंजनाय नमः
52. ॐ भद्राय नमः
53. ॐ मुक्तिदाय नमः
54. ॐ भुक्तिदाय नमः
55. ॐ मुक्तिदाय नमः
56. ॐ भक्तानामिष्टदायकाय नमः
57. ॐ सुरस्वामिने नमः
58. ॐ सुधामयाय नमः
59. ॐ जयफलप्रदाय नमः
60. ॐ जयिने नमः
61. ॐ शुभ्राय नमः
62. ॐ शुचये नमः
63. ॐ क्षयवृद्धिसमन्विताय नमः
64. ॐ क्षीणपापाय नमः
65. ॐ क्षपाकराय नमः
66. ॐ नित्यानुष्ठानदाय नमः
67. ॐ अमर्त्याय नमः
68. ॐ मृत्युसंहारकाय नमः
69. ॐ कामदायकाय नमः
70. ॐ कामकृताय नमः
71. ॐ कालहेतवे नमः
72. ॐ कळाधराय नमः
73. ॐ देवभोजनाय नमः
74. ॐ द्युचराय नमः
75. ॐ प्राकाशात्मने नमः
76. ॐ स्वप्राकाशाय नमः
77. ॐ अष्टदारुकुठारकाय नमः
78. ॐ अनंताय नमः
79. ॐ अष्टमूर्तिप्रियाय नमः
80. ॐ शिष्टपालकाय नमः
81. ॐ पुष्टिमते नमः
82. ॐ दुष्टदूराय नमः
83. ॐ दोषाकराय नमः
84. ॐ विदुषांपतये नमः
85. ॐ विश्वेशाय नमः
86. ॐ वीराय नमः
87. ॐ विकर्तनानुजाय नमः
88. ॐ ज्योतिश्चक्रप्रवर्तकाय नमः
89. ॐ जयोद्योगाय नमः
90. ॐ जितेंद्रियाय नमः
91. ॐ साधुपूजिताय नमः
92. ॐ सत्पतये नमः
93. ॐ सदाराध्याय नमः
94. ॐ सुधानिधये नमः
95. ॐ निशाकराय नमः
96. ॐ ताराधीशाय नमः
97. ॐ चंद्राय नमः
98. ॐ शशिधराय नमः
99. ॐ श्रीमते नमः
100. ॐ द्विभुजाय नमः
101. ॐ औदुंबरनागवासाय नमः
102. ॐ उदाराय नमः
103. ॐ रोहिणीपतये नमः
104. ॐ नित्योदयाय नमः
105. ॐ मुनिस्तुत्याय नमः
106. ॐ नित्यानंदफलप्रदाय नमः
107. ॐ सकलाह्लादनकराय नमः
108. ॐ पलाशसमिधप्रियाय नमः

शाम को दहलीज पर क्यों नहीं बैठना चाहिए?

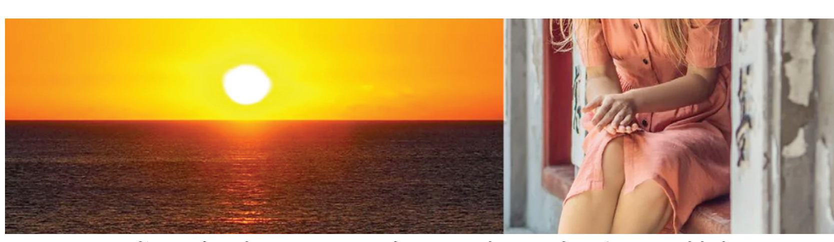

जीवन में भागदौड़ तो लगी ही रहती है, लेकिन फुर्सत निकालकर दादी-नानी के पास जरूर बैठा करें। क्योंकि बुजुर्गों ने अपने जीवन में कई-उतार चढ़ाव देखें हैं और अनुभव का ज्ञान प्राप्त किया है। इसलिए कहा जाता है कि बुजुर्गों के पास ज्ञान का अथाह भंडार होता है।

दादी-नानी की कहानियां और दादी-नानी के घरेलू नुस्खे के बारे में तो सभी लोग जानते हैं। लेकिन दादी-नानी के पास ज्ञान से जुड़ी भी कई बाते होती हैं, जो हम सुनते तो हमेशा ही हैं लेकिन उसपर शायद ही कभी गौर करते हैं।

दादी-नानी की रोक-टोक भले ही कुछ समय के लिए आपको अटपटी लगे, लेकिन इसके पीछे धार्मिक महत्व जुड़े होते हैं, जिसका असर घर की सुख-समृद्धि पर पड़ता है। आपने देखा होगा कि कई बार शाम होने के बाद जब आप दहलीज पर खड़े या बैठे होंगे तो दादी-नानी ने टोकर आपसे कहा होगा कि शाम होने के बाद दहलीज पर नहीं बैठना चाहिए। आइये धार्मिक दृष्टिकोण से जानते हैं कि आखिर दादी-नानी ऐसा क्यों कहती है।

सूर्यास्त के बाद दहलीज पर क्यों नहीं बैठना चाहिए

हिंदू धर्म शास्त्र के अनुसार घर के मुख्य द्वार का संबंध मां लक्ष्मी से होता है। मान्यता है कि शाम के समय मां लक्ष्मी का आगमन घर पर होता है। ऐसे में यदि दहलीज पर कोई व्यक्ति खड़ा होगा या बैठा रहेगा तो लक्ष्मी जी दहलीज से वापिस लौट जाएंगी। यही कारण है कि संध्या के समय दादी-नानी दहलीज पर बैठने से मना करती हैं। इसलिए इस बात का खास ध्यान रखें कि संध्या के समय चौखट पर न बैठें और ना ही यहां जूते चप्पल रखें। ऐसा करने से घर पर दरिद्रता आती है। शाम के समय घर के मुख्य द्वार पर दीप जलाएं और संभव हो तो शाम के समय मुख्य द्वार का दरवाजा खुला रखें।

मकर संक्रांति का क्यों है इतना महत्व, एक नहीं, बल्कि कई वजह बनाती हैं इसे खास

हिंदू धर्म में मकर संक्रांति को स्नान और दान-पुण्य आदि कार्यों के लिए काफी शुभ माना गया है। मकर संक्रांति के दिन गंगा या फिर किसी अन्य पवित्र नदी में स्नान करना भी शुभ माना जाता है।

मकर संक्रांति शुभ मुहूर्त

मकर संक्रांति पुण्य काल - सुबह 07 बजकर 33 मिनट से शाम 06 बजकर 56 मिनट तक

मकर संक्रांति महा पुण्य काल - सुबह 07 बजकर 33 मिनट से सुबह 09 बजकर 45 मिनट तक

मकर संक्रांति का क्षण - सुबह 07 बजकर 33 मिनट तक

संक्रांति करण - बालव

संक्रांति नक्षत्र - पुनर्वसु

सफल हुई भागीरथ की तपस्या

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, भागीरथ के कठोर तप के बाद मकर संक्रांति के दिन ही पवित्र नदी गंगा का धरती पर अवतरण हुआ था। और महाराज भागीरथ ने इसी दिन पर अपने पूर्वजों के लिए तर्पण किया था। हर साल मकर संक्रांति के अवसर पर ही पश्चिम बंगाल के गंगासागर में मेला भी लगता है, जिसमें लाखों की संख्या में भीड़ जुटती है।

जप-तप के लिए खास है यह दिन

मकर संक्रांति का दिन वह दिन भी है, जब सूर्य ग्रह का मकर राशि में प्रवेश करता है। इस दिन से सूर्य देव उत्तरायण हो जाते हैं। इस घटना को काफी शुभ माना जाता है। हिंदू शास्त्रों में उत्तरायण को देवताओं का दिन कहा गया है। ऐसे में मकर संक्रांति के दिन दान-पुण्य, स्नान, जप, तप आदि करने से साधक को शुभ फलों की प्राप्ति हो सकती है। इसी के साथ मकर संक्रांति पर खरमास का समापन भी होता है, जिससे विवाह आदि जैसे शुभ कार्य दोबारा शुरू हो जाते हैं।

भीष्म पितामह ने त्यागे थे प्राण

भीष्म पितामह को इच्छा मृत्यु का वरदान प्राप्त था। अर्थात वह अपनी इच्छा से अपने प्राणों का त्याग कर सकते थे। कई दिनों तक बाणों की शैय्या पर लेटे रहने के बाद उन्होंने प्राण त्यागने के लिए मकर संक्रांति को ही चुना। क्योंकि ऐसा माना जाता है कि यदि सूर्य के उत्तरायण होने पर देह त्याग किया जाए, तो उस आत्मा को जन्म-मरण के काल के मुक्ति मिल जाती है।

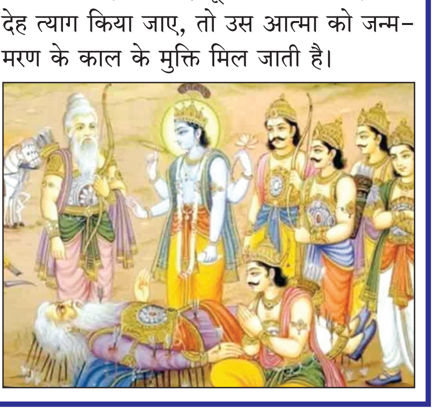

बेटीयों को पैर छूने पर बड़े बुजुर्ग क्यो करते है मना?

बड़े-बुजुर्ग के पास बैठना यानि अपने जीवन को संवारना है। दादी-नानी की छांव में रहकर क्रोध मिट जाते हैं और ज्ञान की प्राप्ति होती है, जिससे जीवन का अंधकार दूर हो जाता है। बड़े बुजुर्गों की सलाह से किए गए काम हमें नुकसान से बचाते हैं। क्योंकि इनके पास ज्ञान का अथाह भंडार होता है।

बुजुर्गों ने अपने जीवन में कई उतार-चढ़ाव देखें हैं और इन्हीं अनुभव के आधार पर वे सलाह देते हैं। दादी-नानी हमेशा हमें गलतियों पर टोका करती हैं। कई बार कुंवारी कन्याएं या घर की बेटियां उनके पैर छूने जाती हैं तो वह उन्हें यह कहकर रोक देती हैं कि अरे-अरे घर की बेटियां पैर नहीं छूती है।

दादी-नानी की बातें अंधविश्वास नहीं होती, बल्कि इसके पीछे वैज्ञानिक तथ्य या फिर धार्मिक महत्व जरूर जुड़े होते हैं।

धार्मिक दृष्टिकोण से आधार पर भी जानते हैं कि आखिर क्यों दादी-नानी बेटियों को पैर छूने से मना करती हैं।

क्यों पैर नहीं छूती बेटियां

दरअसल हिंदू धर्म में कन्या को देवी का स्वरूप माना जाता है। इसलिए लोग कन्याओं को ना ही पैर छूने देते हैं और ना ही चरण स्पर्श करवाते हैं। मान्यता है कि इनसे (बेटियों) चरण स्पर्श कराने से पाप लगता है। इसलिए कन्याओं को बिना पैर छूए ही उनके सिर पर हाथ फेर कर बुजुर्ग आशीर्वाद दे देते हैं। कई जगहों पर आज भी यह परंपरा निभाई जाती है।

पुरानी भारतीय परंपरा के अनुसार, माता-पिता भी अपनी बेटियों को पैर नहीं छूने देते हैं। वहीं कई जगहों पर ऐसी भी परंपरा है कि दामाद के चरण स्पर्श करने से पुण्य नष्ट होते हैं। वहीं मामा-मामी को अपने भांजा-भनिगी (भांजी) को भी पैर नहीं छूने देना चाहिए।

कंगाल को भी अमीर बना देगी चाणक्य की ये नीति, जीवन भर बरसता रहेगा धन

आचार्य चाणक्य को कौटिल्य या विष्णुगुप्त के नाम से भी जाना जाता है। प्राचीन भारत के महान विद्वान, कूटनीतिज्ञ और शिक्षक थे। उन्होंने भारतीय राजनीति, अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र और शास्त्रों के कई क्षेत्रों में योगदान दिया है। चाणक्य ने अर्थशास्त्र के जरिए शासन की नींव, कर व्यवस्था, युद्ध की रणनीतियां और राज्य प्रबंधन के पर काम किया।

चाणक्य का समाजशास्त्र भी उतना ही प्रभावशाली है, जिसमें उन्होंने मानव व्यवहार, समाज के नियमों और आदर्शों के बारे में अपने विचार रखे। उनका मानना था कि समाज में हर व्यक्ति का एक महत्व-पूर्ण स्थान है। समाज की प्रगति के लिए नैतिकता और कर्म का पालन बहुत जरूरी है।

चाणक्य की कूटनीति और राजनीतिक शास्त्र उतना ही शानदार है। उनका राजनीति शास्त्र उन कूटनीतिक रणनीतियों पर आधारित था, जो किसी भी राज्य या साम्राज्य की शक्ति को मजबूत करने के लिए जरूरी थीं। उनके विचार आज भी आधुनिक राजनीति, अर्थव्यवस्था और समाज में काम आते हैं।

धनवान बनने के लिए क्या करें?

आचार्य चाणक्य ने धनवान बनने के लिए कई तरीके बताए हैं। उनका मानना था कि आपकी गरीबी के पीछे गलत स्थान भी कारण होता है। उन्होंने कुछ ऐसी जगहें बताई हैं, जहां रहकर आप धनवान बन सकते हैं। इस आर्टिकल में उन जगहों के बारे में विस्तार से बताएंगे...

चाणक्य के अनुसार व्यक्ति के जीवन में तरक्की के लिए उसका निवास कहां यह बहुत मायने रखता है। अगर, किसी स्थान पर आसपास व्यापार या कारोबार करने वाले लोग न हों, तो वहां रहकर आपका धनवान बनना असंभव है।

ऐसी जगहों पर रहने वालों का जीवन गरीबी और निर्धनता में ही गुजर जाता है। इसके अलावा चाणक्य ने ऐसी जगह रहना भी आर्थिक दृष्टि से ठीक नहीं होता है, जहां वेदों को जानने वाला या ब्राह्मण न हो। ब्राह्मण ही धर्म की रक्षा करते हैं और बिना धार्मिक अनुशासन के जीवन में स्थिरता नहीं मिल सकती है।

चाणक्य के अनुसार जल जीवन है। ऐसे में ऐसी जगहों पर रहना, जहां नदी, तालाब या कुंआ की व्यवस्था न हो, जीवन असंभव होता है। जल के बिना जीवन में अनेक परेशानियां हो सकती हैं, इसलिए ऐसी जगहों पर धन नहीं आता है। किसी स्थान पर डॉक्टर न हो, तो वहां रहना स्वास्थ्य के लिए सही नहीं है। स्वास्थ्य समस्याओं के लिए चिकित्सकीय सहायता जरूरी है। इस प्रकार चाणक्य के अनुसार तरक्की के लिए सही जगह का चयन करना जरूरी है।

पुष्पा 2 ने एक मिलियन टिकट सेल कर रचा इतिहास

कमाए 50 करोड़, कल्कि 2898 एडी समेत तोड़ा इन फिल्मों का रिकॉर्ड

अल्लू अर्जुन स्टारर मोस्ट अवेटेड फिल्म पुष्पा 2 द रूल वर्ल्डवाइड रिलीज होने के लिए बॉक्स ऑफिस की दहलीज पर खड़ी है. पुष्पा 2 द रूल आगामी 5 दिसंबर को रिलीज के लिए तैयार है. अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना के फैंस के दिल की धड़कनें तेज होती जा रही हैं. पुष्पा 2 द रूल की एडवांस बुकिंग की बात करें तो फिल्म छप्पर फाड़ कमाई कर रही ह। एडवांस बुकिंग के मामले में पुष्पा 2 द रूल टिकट सेल करके बहुत आगे निकल गई है। अब पुष्पा 2 द रूल ने एड़वांस बुकिंग में मौजूदा साल 2024 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म कल्कि 2898 एडी को बहुत पीछे छोड़ दिया है। इसके अलावा पुष्पा 2 द रूल ने केजीएफ और बाहुबली 2 को भी पछाड़ दिया है।बता दें, बुकमायशो पर पुष्पा 2 ने 1 मिलियन टिकट सेल कर केजीएफ 2, बाहुबली 2 और कल्कि 2898 एडी को पछाड़ दिया है. सैकनिल्क के अनुसार, पुष्पा 2 एडवांस बुकिंग में पहले दिन 3 लाख टिकट सेल किए थे. वहीं, अब पुष्पा 2 बुक मायशो डॉट कॉम पर सबसे तेज एक मिलियन टिकट सेल करने वाली फिल्म बन गई है। इस रेस में पुष्पा 2 ने कल्कि 2898 एडी और बाहुबली 2 को पीछे छोड़ दिया है। साथ ही फैंस के चहेते के एक्टर यश स्टारर ब्लॉकबस्टर फिल्म केजीएफ 2 को भी पछाड़ दिया है. बता दें, हैदराबाद, बेंगलुरु, मुंबई, दिल्ली एनसीआर और पुणे में पुष्पा 2 को लेकर बड़ा क्रेज है।

सैकनिल्क की मानें तो पुष्पा 2 ने 21,781 शो के लिए 11,65,285 टिकट सेल कर 36,22,44,215 करोड़ रुपये कमा लिए हैं. पुष्पा 2 ने सबसे ज्यादा तेलुगू (2डी) में 3939 शो के लिए 4,98,149 टिकट सेल कर , 17,65,76,982.07 करोड़ रुपये कमा लिए हैं. वहीं, हिंदी (2डी) 12,516 शो के लिए पुष्पा 2 ने 4,23,610 टिकट सेल कर 12,18, 01137.98 करोड़ रुपये कमा लिए हैं. वहीं, तमिल (2डी) में 1092 शो के लिए 50,290 टिकट सेल कर 83,51,820.55 करोड़ रुपये कमा लिए हैं। वहीं, ब्लैक सीट को मिलाकर पुष्पा 2 ने एडवांस बुकिंग में 49.79 करोड़ रुपये कमा लिए हैं.पुष्पा 2 की एडवांस बुकिंग के आंकड़ों को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि अल्लू अर्जुन की फिल्म 50 करोड़ रुपये से ज्यादा से ओपनिंग कर सकती है। वहीं, पुष्पा 2 मौजूदा साल की सबसे बड़ी ओपनिंग लेने वाली प्रभास स्टारर फिल्म कल्कि 2898 एडी 95 करोड़ (इंडिया) 180 करोड़ (वर्ल्डवाइड) का रिकॉर्ड तोड़ सकती है.बता दें, पुष्पा 2 को सुकुमार ने बनाया है. पुष्पा 2 में देवी श्री प्रसाद का तड़क-भड़क म्यूजिक सुनने को मिलेगा। वहीं, मूवी मैत्री मेकर्स ने फिल्म को प्रोड्यूस किया है और सुकुमार के साथ अल्लू अर्जुन की यह चौथी फिल्म है।

विष्णु मंचू फिल्म कन्नप्पा से मंचू अवराम का पहला लुक जारी

तेलुगू स्टार विष्णु मंचू के बेटे और दिग्गज मोहन बाबू के पोते अवराम मांचू अपकमिंग फिल्म कन्नप्पाळ से अपने अभिनय करियर की शुरुआत करने के लिए तैयार हैं। कन्नप्पा (थिन्नाडू) के बचपन के रूप में अवराम का पहला लुक जारी किया गया।पोस्टर में अवराम का दमदार अंदाज दिख रहा है। वह काली मां की मूर्ति के सामने खड़े हैं। अवराम अपने पिता के बचपन का किरदार निभा रहे हैं।पिता बच्चे के एक्टिंग डेब्यू को लेकर काफी उत्साहित हैं। विष्णु ने कहा, अवराम को कन्नप्पा के रूप में देखना मेरे लिए एक भावनात्मक अनुभव रहा है। यह फिल्म हमारे परिवार में पीढ़ियों से चला आ रहा एक सपना है। मुझे इस तरह की प्रतिष्ठित भूमिका के माध्यम से अवराम को दुनिया के सामने पेश करने पर बेहद गर्व महसूस हो रहा है। मैं स्क्रीन पर इसे देखने के लिए बेहद उत्साहित हूं।कन्नप्पा के रूप में अवराम की भूमिका तेलुगू फिल्म उद्योग में मांचू परिवार की समृद्ध परंपरा को जारी रखती है।इस फिल्म में मोहनलाल, प्रभास, अक्षय कुमार, मोहन बाबू सरथकुमार, ब्रह्मानंदम और काजल अग्रवाल सहित कई बेहतरीन कलाकार हैं।कन्नप्पा की कहानी पौराणिक योद्धा कन्नप्पा के इर्द-गिर्द घूमती है, जिन्हें भगवान शिव के सबसे बड़े भक्तों में से एक माना जाता है, जिसने उन्हें महादेव के भक्तों के बीच प्रसिद्ध बना दिया। एक शिकारी से योद्धा और फिर संत बनने की यात्रा ने उन्हें नयनार

की उपाधि दिलाई।फिल्म की घोषणा पिछले साल श्रीकालहस्तीश्वर मंदिर में की गई थी, जो फिल्म की कथा में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है क्योंकि यह वह स्थान है जहां कन्नप्पा ने स्वेच्छा से अपनी आंखें बंद कर ली थीं और भगवान शिव से आशीर्वाद प्राप्त किया था और पूजनीय बन गए थे।24 फ्रेम्स फैक्ट्री और एवीए एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित, कन्नप्पा का निर्देशन मुकेश कुमार सिंह ने किया है।

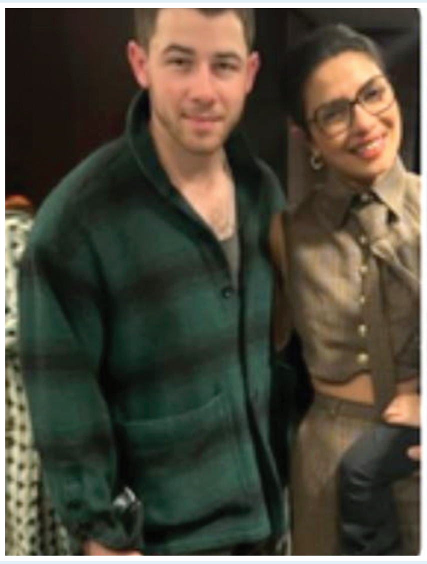

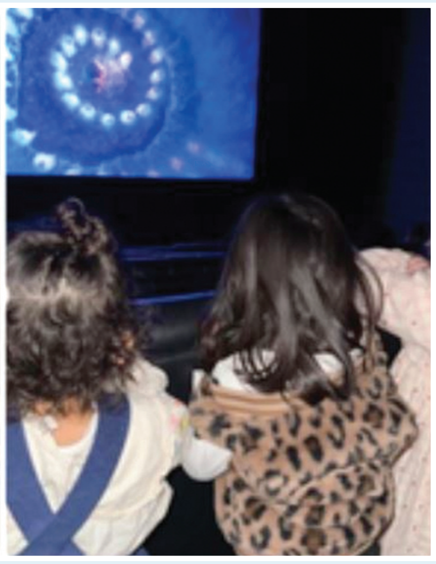

शादी की सालगिरह पर प्रियंका ने देखी मालती की फेवरेट मोआना 2, बोलीं- 'खास तोहफा'

'देसी गर्ल' प्रियंका चोपड़ा और निक जोनास आज अपनी शादी की छठी सालगिरह मना रहे हैं। इस खास मौके पर 'देसी गर्ल' ने लाडली मालती मैरी चोपड़ा के साथ 'मोआना 2' फिल्म थिएटर में देखी, जिसकी झलक उन्होंने सोशल मीडिया पर दिखाई है।

शादी की छठी सालगिरह पर मालती के साथ अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर खूबसूरत पोस्ट शेयर कर 'सिटाडेल' अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने कैप्शन में लिखा, हमारी सालगिरह पर यह क्या खास तोहफा है। मालती की पसंदीदा 'मोआना' हमारे दोस्तों और परिवार के साथ देखना खास रहा। 'मोआना 2' बहुत मजेदार है! शानदार स्क्रीनिंग के लिए डिज्नी और डिज्नी एनिमेशन को धन्यवाद। यहां पर सभी बच्चों ने बेहतरीन समय बिताया। अब सिनेमाघरों में भी। इसके साथ ही प्रियंका ने अपने हबी निक जोनस पर पोस्ट टैग किया।

शेयर की गई तस्वीरों में प्रियंका चोपड़ा बेहद ग्लैमरस नजर आ रही हैं। पहली तस्वीर में 'ग्लोबल स्टार' एक शीशे के पास सेल्फी लेती तो दूसरी तस्वीर में मालती थिएटर में छोटे बच्चों के साथ 'मोआना' देखती नजर आ रही है। तस्वीर को उनकी दोस्त अनीता चटर्जी ने भी शेयर किया है, जिसमें प्रियंका मालती के साथ निक भी नजर आ रहे हैं। प्रियंका और निक साल 2018 में 1 और 2 दिसंबर को राजस्थान के जोधपुर उम्मेद भवन पैलेस में शाही अंदाज में शादी की थी। जोड़े ने ईसाई और हिंदू रीति रिवाजों के साथ एक-दूजे का हाथ थामा था। प्रियंका साल 2022 के जनवरी में सरोगेसी के जरिए बेटी की मां बनी थी। कपल ने बेटी का नाम मालती मैरी चोपड़ा जोनस रखा है। इंडस्ट्री की सफल अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा की झोली में बडे. प्रोजेक्ट्स हैं। प्रियंका एक्शन-थ्रिलर 'सिटाडेल' के बाद जल्द ही 'सिटाडेल 2' में नजर आएंगी। सीरीज में ग्लोबल स्टार के साथ हॉलीवुड अभिनेता रिचर्ड मैडेन भी दिखेंगे। इसके अलावा 'देसी गर्ल' के पास इदरीस एल्बा और जॉन सीना के साथ 'हेड्स ऑफ स्टेट' और कार्ल अर्बन के साथ 'द ब्लफ' भी है। प्रियंका की झोली में फरहान अख्तर की अपकमिंग 'जी ले जरा' भी है, जिसमें उनके साथ कैटरीना कैफ और आलिया भट्ट भी लीड रोल में हैं।

मेरे लिए छोटे भाई की तरह हैं अनुराग कश्यप : पीयूष मिश्रा

अभिनेता, गीतकार और गायक पीयूष मिश्रा ने आईएएनएस से बात की। इस दौरान वर्सेटाइल अभिनेता ने कहा कि अनुराग कश्यप मेरे लिए छोटे भाई की तरह हैं। गीतकार एक एल्बम के लिए गाने लिख रहे हैं, जो कि साल 2025 में रिलीज होने को तैयार है।

पीयूष मिश्रा ने हाल ही में अनुराग कश्यप की दो फिल्मों के लिए गीत लिखे हैं। मिश्रा ने आईएएनएस से कहा, अनुराग मेरे लिए छोटे भाई की तरह हैं। मुझे याद है कि जब वह दिल्ली में कॉलेज के छात्र थे, तब वह मेरा नाटक देखने आते थे। आप अनुराग से उनके टैलेंट को लेकर जब पूछेंगे कि आप इतना कुछ कैसे कर लेते हैं तो वह जवाब बड़ी मासूमियत के साथ देते हुए कहते हैं, मैं प्रतिभाशाली नहीं हूं, बल्कि ऊपर वाले की मेहरबानी है। ग्वालियर में जन्मे और नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा से ग्रेजुएट मिश्रा ने कहा, राजधानी के रंगमंच पर उनका दौर सिर्फ रोमांटिक नहीं था। हालांकि, कई लोग ऐसा समझते हैं। बेशक मैं पूरी तरह से अपने काम में डूबा रहता था और दिन में 10 घंटे से अधिक काम करता था। इस बात को लेकर मैं काफी गर्व में रहता था और इसके अलावा मुझे कुछ भी नहीं समझ में आता था। उन्होंने कहा कि मैं रिहर्सल के लिए जल्दी निकल जाता और नशे में घर लौटता था। मुझे नहीं पता कि मेरी पत्नी प्रिया इन चीजों को कैसे संभालती थी। अभिनेता ने एक्टिंग में अपने पहले काम को लेकर कहा, वह समय मुश्किल भरा था। मणिरत्नम की फिल्म 'दिल से' में एक छोटी सी भूमिका निभाने के बाद दिल्ली वापस आना बेहद दुखद था। मनोज बाजपेयी, आशीष विद्यार्थी और गजराज राव जैसे कई दोस्त उस वक्त वहां पर आए। मैं चालीस साल का था, मेरा पहला बेटा पैदा हुआ और इसके बाद मुझे समझ में आया कि मैं अभी नहीं निकला तो फिर नहीं निकल पाऊंगा। उस वक्त मैं घबराया हुआ था। अभिनेता 'मकबूल', 'गैंग्स ऑफ वासेपुर', 'गुलाल' और 'रॉकस्टार' जैसी फिल्मों में शानदार भूमिका में नजर आ चुके हैं।

यू आर द लास्ट वन, नताशा स्तांकोविक ने कही अपने दिल की बात

एक्ट्रेस और मॉडल नताशा स्तांकोविक और भारतीय क्रिकेटर हार्दिक पांड्या ने शादी के चार साल बाद इस साल जुलाई में अपने तलाक की घोषणा की थी। एक्ट्रेस अपने दोस्त अलेक्जेंडर एलेक्स को लेकर काफी ज्यादा सुर्खियों में है। एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर इन दिनों काफी ज्यादा एक्टिव रहती है और अपनी लाइफ के अपडेट फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं।हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर की है।

उनकी इस पोस्ट के बाद फैंस ने तरह-तरह की अटकलें लगाना शुरु कर दिया है। इस पोस्ट में एक्ट्रेस ने लिखा कि यू आर द लास्ट वन, सो बी द बेस्ट वन। इसके साथ ही उन्होंने व्हाइट दिल इमोजी भी शेयर किया है। एक्ट्रेस ने हाल ही में हार्दिक से अपने अलग होने का ऐलान कर दिया था। सोशल मीडिया पर जैसे ही दोनों के अलग होने का पोस्ट सामने आया, तो इंटरनेट पर हलचल बढ़ गई और किसी को भी भरोसा नहीं हुआ कि दोनों अलग हो रहे हैं। हार्दिक से अलग होने के बाद नताशा को अक्सर उनके बेस्ट फ्रेंड अलेक्जेंडर एलेक्स के साथ देखा जाता है। वहीं एक्ट्रेस ने एक बार सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी भी शेयर की थी कि एक्ट्रेस और एलेक्स दोनों काफी अच्छे दोस्त हैं, लेकिन यूजर्स ये मानने के लिए तैयार ही नहीं है और यूजर्स अलग- अलग कयास लगा रहे हैं। दरअसल, एक्ट्रेस ने ये पोस्ट दिसंबर के लिए डाला था। जिसमें उन्होंने लिखा था कि हे दिसंबरज् यू आर द लास्ट वन, सो बी द बेस्ट वन। इसी के साथ उन्होंने एक व्हाइट दिल वाला इमोजी भी लगाया था। वहीं अब लोग इस पोस्ट के बाद अलग-अलग अटकलें लगा रहे हैं। लोगों को लग रहा है कि एक्ट्रेस का इशारा कई और ही है। इन दिनों नताशा अकेली हैं, तो जाहिर है कि उनका एक हल्का-सा इशारा लोगों में चर्चा का विषय बन सकता है।

बॉसी लुक में करिश्मा तन्ना ने बरपाया कहर

बॉलीवुड एक्ट्रेस करिश्मा तन्ना हमेशा अपनी खूबसूरती और फैशन स्टेटमेंट्स के कारण सोशस मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। उनका कातिलाना अवतार इंटरनेट पर आते ही बवाल मचाने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस करिश्मा तन्ना ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं।एक्ट्रेस करिश्मा तन्ना अपनी एक्टिंग और खूबसूरती से अक्सर सोशल मीडिया फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका कातिलाना अंदाज इंटरनेट पर आते ही छा जाता है।अब हाल ही में एक्ट्रेस करिश्मा तन्ना ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग लुक देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं।करिश्मा तन्ना जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके लुक पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं।इन फोटोज में आप देख सकते हैं करिश्मा तन्ना ने बेहद ही शानदार बेज लुक में कोट और शॉर्ट्स पहना हुआ है, एक्ट्रेस अपने इस लुक में बेहद ही शानदार नजर आ रही हैं।खुले बालों को मैसी लुक देकर और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस करिश्मा तन्ना ने अपने आउटलुक को बेहद ही शानदार तरीके से निखारा है।बता दें कि एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और आए दिन अपने नए-नए लुक्स में फोटोज पोस्ट करती रहती हैं।

शरवरी वाघ ने स्टाइलिश आउटफिट में कराया फोटोशूट

बॉलीवुड एक्ट्रेस शरवरी वाघ हमेशा अपने स्टनिंग और हॉट लुक्स से सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। उनका कातिलाना लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से बवाल मचाने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस शरवरी वाघ ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन फोटोज में उनका सिजलिंग अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।मुंजिया फेम शरवरी वाघ पिछले कुछ समय से सोशल मीडिया पर सुर्खियों में बनी हुई हैं। उनका कातिलाना अवतार इंटरनेट पर आते ही छा गया है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट ग्लैमरस फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं।इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस बेहद ही स्टनिंग और हॉट लुक में फोटोशूट करवाती हुई नजर आ रही हैं। बता दें कि शरवरी वाघ जब भी अपनी फोटोज इंस्टा पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं।हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। शरवरी वाघ ने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान ब्राउन कलर की कोट लुक मं ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो बेहद ही शानदार नजर आ रही हैं।खुले बाल, कानों में इयररिंग्स और ग्लैम मेकअप कर के एक्ट्रेस शरवरी वाघ ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। साथ ही कैमरे के सामने स्टनिंग पोज देती हुई एक्ट्रेस हॉट फोटोज क्लिक करवा रही हैं।इंडियन हो या फिर वेस्टर्न लुक एक्ट्रेस शरवरी वाघ अपने हर एक लुक में बेहद ही शानदार नजर आती हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

कोई पुराना मित्र आज आपसे आर्थिक मदद मांग सकता है और यदि आप उसकी आर्थिक मदद करते हैं तो आपके आर्थिक हालात थोड़े तंग हो सकते हैं। किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से मिली आकस्मिक अच्छी ख़बर आपके पूरे परिवार के लिए ख़ुशी के लम्हे लाएगी। कुछ लोगों के लिए नया रोमांस ताज़गी लाएगा और आपको ख़ुशमिज़ाज रखेगा। आपको अपने भागीदार को आपकी योजना से जुड़े रहने के लिए मनाने में दिक़्क़त होगी। आप अपने जीवनसाथी के प्यार की मदद से ज़िन्दगी की मुश्किलों का आसानी से सामना कर सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपको कई दिक़्क़तों और मतभेदों का सामना करना पड़ सकता है, जिस वजह से आप झुंझलाहट और बेचैनी महसूस करेंगे। लम्बे अरसे को मद्देनज़र रखते हुए निवेश करें। पुराने संपर्क और दोस्त मददगार रहेंगे। आपको अपने प्रिय को ख़ुद के हालात समझाने में दिक़्क़त महसूस होगी। सहकर्मियों और वरिष्ठों के पूरे सहयोग के चलते दफ़्तर में काम तेज़ रफ़्तार पकड़ लेगा। परिवार की जरुरतों को पूरा करते–करते आप कई बार खुद को वक्त देना भूल जाते हैं। लेकिन आज आप सबसे दूर होकर अपने आप के लिए वक्त निकाल पाएंगे।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपका धन कहां खर्च हो रहा है इसपर आपको नजर बनाए रखने की जरुरत है नहीं तो आने वाले समय में आपको परेशानी हो सकती है। बच्चे आपके दिन को बहुत मुश्किल बना सकते हैं। प्यार–दुलार के हथियार का इस्तेमाल कर उन्हें समझाएँ और अनचाहे तनाव से बचें। याद रखें कि प्यार ही प्यार को पैदा करता है। कोई अच्छी ख़बर या जीवनसाथी/प्रिय से मिला कोई संदेश आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। इस राशि के बच्चे आज खेलकूद में दिन बिता सकते हैं, ऐसे में माता–पिता को उनपर ध्यान देना चाहिए क्योंकि चोट लगने की संभावना है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आपका बचाया धन आज आपके काम आ सकता लेकिन इसके साथ ही इसके जाने का आपको दुख भी होगा। अपने जीवनसाथी का बोझ दूर करने के लिए घरेलू कामकाज में हाथ बटाएँ। इससे आपको साथ में काम करने का आनंद मिलेगा और जुड़ाव महसूस होगा। रोमांस रोमांचक होगा– इसलिए उससे संपर्क करें जिससे आप प्रेम करते हैं और दिन का भरपूर लुत्फ़ लें। कार्यालय में सबकुछ आपके पक्ष में जाता नज़र आ रहा है। आपके पास समय तो होगा लेकिन बावजूद इसके भी आप कुछ ऐसा नहीं कर पाएंगे जो आपको संतुष्टि दे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

ज़िंदगी की ओर उदास नज़रिया रखने से बचें। आज आपको अपनी संतान की वजह से आर्थिक लाभ होने की संभावना नजर आ रही है। इससे आपको काफी खुशी होगी। किसी धार्मिक स्थल या संबंधी के यहाँ जाने की संभावना है। व्यक्तिगत मार्गदर्शन आपके रिश्ते में सुधार लाएगा। कामकाज के मोर्चे पर आपको सबसे स्नेह और सहयोग प्राप्त होगा। आज के समय में अपने लिए वक्त निकाल पाना बहुत मुश्किल है। लेकिन आज ऐसा दिन है जब आपके पास अपने लिए भरपूर समय होगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

जिन लोगों ने किसी रिश्तेदार से पैसा उधार लिया था उनको आज वो उधार किसी भी हालत में वापस करना पड़ सकता है। आपसी संवाद और सहयोग आपके और आपके जीवनसाथी के बीच रिश्ते को मज़बूत बनाएगा। मुहब्बत का सफ़र प्यारा, मगर छोटा होगा। आप लम्बे समय से दफ़्तर में किसी से बात करना चाह रहे थे। आज ऐसा होना मुमकिन है। मुमकिन है कि आपके अतीत से जुड़ा कोई शख़्स आज आपसे संपर्क करेगा और इस दिन को यादगार बना देगा। जीवनसाथी की ख़राब सेहत का असर आपके काम–काज पर भी पड़ सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप अपनी भावनाओं पर क़ाबू रखने में दिक़्क़त महसूस करेंगे – आपका अजीब रवैया लोगों को भ्रमित करेगा और इसलिए आपमे झुंझलाहट पैदा करेगा। होशियारी से निवेश करें। किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से मिली आकस्मिक अच्छी ख़बर आपके पूरे परिवार के लिए ख़ुशी के लम्हे लाएगी। प्रेम के दृष्टिकोण से आपके लिए यह दिन विशेष रहने वाला है। आपको कार्यक्षेत्र में अच्छे फल पाने के लिए अपने काम करने के तरीके पर गौर करने की जरुरत है नहीं तो आप बॉस की नजरों में आपकी नकारात्मक छवि बन सकती है। मौज–मस्ती के लिए घूमना संतोषजनक रहेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपकी व्यक्तिगत समस्याएँ मानसिक शांति को भंग कर सकती हैं। मानसिक दबाव से बचने के लिए कुछ रोचक और अच्छा पढ़ें। परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियाँ सभी को ख़ुश रखेंगी। प्यार के मामले में आज आप ग़लत समझे जा सकते हैं। आपको इंटरव्यू के दौरान दिमाग़ ठण्डा रखने और ख़ुद को अभिव्यक्त करने की ज़रूरत है। अगर आपको लगता है कि कुछ लोगों की संगति करना आपके लिए ठीक नहीं है और उनके साथ रहकर आपका समय बर्बाद होता है तो उनका साथ आपको छोड़ देना चाहिए । अपने जीवनसाथी से बात करें और कुछ मस्तीभरी योजना बनाएँ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा–ख़ासा मुनाफ़ा देंगे। आपका ज्ञान और हास–परिहास आपके चारों ओर लोगों को प्रभावित करेगा। आपके महंगे तोहफ़े भी आपके प्रिय के चेहरे पर मुस्कान लाने में नाकाम साबित होंगे, क्योंकि वह उनसे क़तई प्रभावित नहीं होगा/ होगी। आज के दिन कार्यालय का माहौल बढ़िया बना रहेगा। काम को समय पर निपटाकर जल्दी घर जाना आज आपके लिए अच्छा रहेगा इससे आपके परिवार वालों को भी खुशी मिलेगी और आप भी तरोताजा महसूस करेंगे। जीवनसाथी की ओर से मिले तनाव के चलते सेहत पर बुरा असर पड़ना मुमकिन है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

अतिरिक्त धन को रिअल एस्टेट में निवेश किया जा सकता है। दोस्तों के साथ घूमना–फिरना मज़ेदार रहेगा। लेकिन ज़्यादा पैसे ख़र्च न करें, नहीं तो आप खाली जेब लेकर घर पहुँचेंगे। आपके प्रिय के कड़वे शब्दों के कारण आपका मूड ख़राब हो सकता है। जो लोग विदेश व्यापार से जुड़े हैं उन्हें आज मनमाफिक फल मिलने की पूरी उम्मीद है। इसके साथ ही नौकरी पेशा से जुड़े इस राशि के जातक आज अपनी प्रतिभा का पूर्ण इस्तेमाल कार्यक्षेत्र में कर सकते हैं। खाना, साफ़–सफ़ाई या कोई और घरेलू चीज़ इसका कारण हो सकती है

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपकी सकारात्मक सोच पुरस्कृत होगी, क्योंकि आप अपनी कोशिशों में क़ामयाबी पा सकते हैं। लम्बे अरसे को मद्देनज़र रखते हुए निवेश करें। बच्चे आपको घरेलू काम–काज निबटाने में मदद करेंगे। जो लोग प्रेम के संगीत में डूबे हुए हैं, वही इसकी स्वर–लहरियों का आनन्द ले सकते हैं। अपने बॉस/वरिष्ठों को घर पर बुलाने के लिए अच्छा दिन नहीं है। इस राशि के छात्र छात्राओं को आज के दिन पढ़ाई में मन लगाने में दिक्कतें आ सकती हैं। आज आप अपना कीमती समय दोस्तों के चक्कर में बर्बाद कर सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपनी सेहत को ध्यान में रखकर चीखने–चिल्लाने से बचें। निवेश करना कई बार आपके लिए बहुत फायदेमंद साबित होता है आज आपको यह बात समझ में आ सकती है क्योंकि किसी पुराने निवेश से आज आपको मुनाफा हो सकता है। अपनी नई परियोजनाओं के लिए अपने माता–पिता को विश्वास में लेने का सही समय है। आज किसी ऐसे इंसान से मिलने की संभावना है जो आपके दिल को गहराई से छूएगा। आज आपके बॉस का बढ़िया मिज़ाज पूरे कार्यालय के माहौल को अच्छा बना देगा। आज अपने प्रेमी के साथ वक्त बिता पाएंगे और उनके सामने अपने जज्बातों को रख पाएंगे।

गुरुवार का पंचांग

दिनांक : 05 दिसंबर 2024 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2081
मास : मार्गशीर्ष , शुक्ल पक्ष
तिथि : चतुर्थी दोपहर 12:51 तक
नक्षत्र : उत्तराषाढा सायं 05:27 तक
योग : वृद्धि दोपहर 12:27 तक
करण : विष्टि दोपहर 12:51 तक
चन्द्रराशि : मकर
सूर्योदय : 06:32, सूर्यास्त 05:41 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:28 , सूर्यास्त 05:52 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:22 , सूर्यास्त 05:43 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:22 , सूर्यास्त 05:33 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : विनायक चतुर्थी व्रत , भद्रा दोपहर 12:51 तक

✻ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ✻
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसान हित में उठाए मजबूत कदम : सैनी

चंडीगढ़,04 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसान हित में व्यापक काम किए हैं। किसानों को योजनाओं का लाभ मिला है। बीती रात मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी चंडीगढ़ से नई दिल्ली तक शताब्दी ट्रेन में सफर के उपरांत नई दिल्ली में रेलवे स्टेशन पर मीडिया से बातचीत कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसानों के कल्याण में केवल अनेक योजनाओं को लागू किया है, उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत करने का काम किया है। किसानों को किसान सम्मान निधि के तहत 6000 रुपए वार्षिक मदद दी जा रही है। इससे किसानों को बीज, खाद खरीदने में मदद मिलती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने पहले यह दुष्प्रचार किया कि फसलों पर एमएसपी बंद हो जाएगी, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फसलों की एमएसपी को बढ़ाने का काम किया है। कांग्रेस के राज में किसानों को फसलों की जो एमएसपी दी जा रही थी, वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासन काल में डेढ़ गुना ज्यादा कर दी गई है। इसके साथ–साथ आज प्रदेश सरकार न केवल किसानों को एमएसपी का भाव दे रही है बल्कि फसल का एक–एक दाना भी खरीद रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसान की फसल के खराब होने पर कांग्रेस के राज में कोई सुनवाई नहीं थी। किसानों को मुआवजे के रूप में महज 5 से 10 रुपये मिलते थे। अब हमारी सरकार में किसानों को फसलों के खराब होने पर पूरा मुआवजा दिया जाता है।

सैनी ने कहा कि वर्ष 2014 से पहले जितनी भूमि पर फसल होती थी, अब प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत डेढ़ गुना भूमि में अब ज्यादा सिंचाई की जा रही है। ज्यादा क्षेत्रफल तक सिंचाई की सुविधा देने से किसान की पैदावार बढ़ाने का काम भाजपा सरकार ने किया है। प्रदेश में वर्ष 2014 के बाद धान, गेहूं व अन्य फसलों का क्षेत्रफल बढ़ा है। इसके साथ–साथ फसलों की पैदावार और किसानों की आमदनी भी बढ़ी है।

राईजिंग राजस्थान पर किया जा रहा मुख्य सडकों, सर्किलों व चौराहों का सौंदर्यीकरण

जयपुर,04 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट–2024 (09 से 11 दिसम्बर) की तैयारियों को लेकर जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा 64 लाख रूपए की लागत से मुख्य सडकों, सर्किलों, चौराहों एवं मीडियन का शरद ऋतु के सीजनल फुलवारियों से सौन्दर्यीकरण किया जा रहा है।

जयपुर विकास आयुक्त आनन्दी ने बताया कि जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा राईजिंग राजस्थान समिट की तैयारियों हेतु जयपुर शहर के मुख्य सडकों, सर्किलों, चौराहों एवं मीडियन जैसे – अमर जवान ज्योति, स्टेच्यू सर्किल, अम्बेडकर सर्किल, गांधी सर्किल, सिविल लाईन्स, बजाज नगर मोड तिराहा, रामबाग चौराहा, राजमहल चौराहा, सैन्ट्रल पार्क, जवाहर सर्किल, टोंक रोड, जेएलएन मार्ग, भवानी सिंह रोड, रामनिवास बाग, जयपुर विकास प्राधिकरण केम्पस आदि स्थानों पर विभिन्न प्रकार के फूलदार पौधों के गमलें सौन्दर्यकरण की दृष्टि से रखें जाकर संधारित किये जायेंगे। जिससे जयपुर पधारने वाले निवेशकों, पर्यटकों एवं आमजन को रंग–बिरंगे फूलों का मनमोहक एवं प्रदूषण मुक्त वातावरण मिलेगा।जेडीए द्वारा फुलवारी में मुख्यतः गुलदाउदी, पिटूनिया, साल्विया, सिनेरिया, गजेनिया, पेंजी व पनसेटिया इत्यादि प्रजाति के पौधों के गमलें रखें जाकर संधारित किये जायेंगे।

जिसके अंतर्गत 39500 सीजनल फुलवारी मय गमलें एवं 72400 सीजनल फुलवारी रोपित की जायेंगी। उक्त सौन्दर्यकरण कार्य पर जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा लगभग 64 लाख रू. व्यय किये जा रहे हैं।

निवेश अनुकूल नीतियां प्रदेश के विकास में नया अध्याय : भजनलाल शर्मा

जयपुर,04 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित एक समारोह में प्रदेश के सर्वांगीण विकास को गति प्रदान करने के लिए 9 नई नीतियों का अनावरण किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर सम्बोधित करते हुए कहा कि ये नीतियां राजस्थान को देश का अग्रणी राज्य बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। इनसे न केवल निवेश आकर्षित होगा, बल्कि लाखों युवाओं को रोजगार के अवसर भी मिलेंगे। इन नीतियों में नवाचारों एवं नये प्रयोगों का समावेश किया गया है, जिससे प्रदेश की आर्थिक प्रगति, समृद्धि और रोजगार सृजन सुनिश्चित होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ये नीतियां हमारे राज्य के लिए रोडमैप होने के साथ ही राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में आने वाले निवेश की बढ़ोतरी का महत्वपूर्ण आधार भी हैं। यह राज्य के विकास के लिए एक नया अध्याय है, जिनके माध्यम से राज्य में निवेश अनुकूल वातावरण तैयार करने एवं प्रदेश की अर्थव्यवस्था को दोगुना करने के लक्ष्य की प्राप्ति में मदद मिलेगी। उन्होंने उद्योगपतियों और निवेशकों से प्रदेश की विकास यात्रा में भागीदार बनने का आह्वान करते हुए कहा कि हमारा संकल्प 'विकसित राजस्थान' का है, और ये नीतियां उस दिशा में हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान एमएसएमई नीति–2024 प्रदेश के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम बनाएगी। इससे एमएसएमई को ऋण पर अतिरिक्त ब्याज सब्सिडी, तकनीकी उन्नयन और गुणवत्ता प्रमाणन में सहायता मिल सकेगी। शर्मा ने कहा कि निर्यात को बढ़ावा देने लिए लाई गई नई नीति निर्यातकों को दस्तावेजीकरण, तकनीकी अपग्रेडेशन और अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों में भागीदारी के लिए मदद करेगी। इससे लॉजिस्टिक लागत में कमी आएगी और राजस्थान के उत्पाद वैश्विक स्तर पर पहचान बना सकेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के जिलों के विशिष्ट उत्पादों और शिल्पों को बढ़ावा देने के लिए ओडीओपी नीति लाई गई है, जिससे कारीगरों, शिल्पकारों, कृषकों और उत्पाद निर्माताओं की आय में वृद्धि होगी। इस नीति की मदद से ओडीओपी उत्पादों के लिए एकीकृत बुनियादी ढांचे का विकास किया जाएगा और इन्हें विभिन्न प्रकार की वित्तीय सहायता भी मिलेगी।

शर्मा ने कहा कि राज्य में क्लस्टर आधारित विकास के जरिए शिल्पकारों और लघु उद्योगों की उत्पादकता और गुणवत्ता में सुधार किया जाएगा। इसके माध्यम से राज्य में हस्तशिल्प, हथकरघा और एमएसएमई क्षेत्र की उत्पादकता, गुणवत्ता एवं कार्यक्षमता को बढ़ाकर उन्हें वैश्विक बाजार के अनुरूप विकसित किया जाएगा। मुख्यमत्री ने कहा कि एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, कॉमिक्स और एक्सटेंडेड रिएलिटी के क्षेत्र में राजस्थान को अग्रणी बनाने के उद्देश्य से –तत्रछ दठ नीति–2024 लागू की जा रही है। यह नीति प्रदेश की स्थानीय प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करेगी। साथ ही, इस क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए अटल इनोवेशन स्टूडियो और एक्सेलेरेटर स्थापित किए जाएंगे। शर्मा ने कहा कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था में पर्यटन उद्योग का अहम योगदान है। प्रदेश में टूरिज्म को नई दिशा देने के लिए राजस्थान पर्यटन इकाई नीति – 2024 लाई गई है। इस नीति के माध्यम से पर्यटन से जुड़े निवेशकों व उद्यमियों को आकर्षित करते हुए निजी क्षेत्र में पर्यटन इकाइयों की स्थापना को बढ़ावा दिया गया है।

मनरेगा के कार्यों में पारदर्शिता के लिए राजस्थान में ई–एमबी लागू करने की तैयारी

जयपुर,04 दिसंबर (एजेंसियां)। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के तहत होने वाले कामों में पारदर्शिता लाने और अनियमितताओं को रोकने के लिए अब ई–एमबी (ई–मेजरमेंट बुक) व्यवस्था लागू की जा रही है। राजस्थान सरकार ने इसकी तैयारी पूरी कर ली है। इस नई व्यवस्था के तहत निर्माण कार्यों का मूल्यांकन ऑनलाइन किया जाएगा, जिससे पहली बार इंजीनियरों की भी जवाबदेही तय हो सकेगी। मनरेगा आयुक्त पुष्पा सत्यानी ने इस बारे में विस्तार से बताया कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी (मनरेगा) के निर्माण कार्यों का मूल्यांकन डिजिटल रूप में किया जाएगा।

ई–एमबी यानी ई–मेजरमेंट बुक व्यवस्था के तहत, निर्माण कार्यों का मूल्यांकन डिजिटल रूप से किया जाएगा। अब इंजीनियरों को मौके पर किए गए कार्य का आकलन करके 7 दिन के भीतर इसे मनरेगा सॉफ़्ट पोर्टल पर अपलोड करना होगा। इस प्रक्रिया के बाद ही मजदूरी और सामग्री भुगतान संभव होगा।

इंजीनियरों को तय समय में मूल्यांकन पूरा करना होगा। इससे देरी और तारीखों में हेराफेरी की संभावना खत्म होगी। ई–एमबी पोर्टल पर अपलोड की गई जानकारी कोई भी देख सकता है। इससे मौके पर हुए काम और किए गए भुगतान के बीच का अंतर स्पष्ट होगा। ऑनलाइन प्रक्रिया और जियोटैगिंग की मदद से यह सुनिश्चित होगा कि काम सही तरीके से और तय समय पर पूरा हुआ है।

तथ्यों पर आधारित है द साबरमती फ़ाइल्स : दिया कुमारी

जयपुर ,04 दिसंबर (एजेंसियां)। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने आज सैंकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ एंटरटेनमेंट पैराडाइस में फ़िल्म द साबरमती फ़ाइल्स को देखा और फिल्मांकन की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि विपक्ष बरसों से तथ्यों को तोड़ मरोड़ कर ग़लत नेरेटिव सेट करने में लगा रहा। द साबरमती फ़ाइल्स फ़िल्म तथ्यों और सच्ची घटनाओं पर आधारित है जिसे सभी को देखना चाहिए।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि फ़िल्में समाज का आईना होती हैं और द साबरमती फ़ाइल्स ने अपनी इस भूमिका को बखूबी निभाया है। फ़िल्म के कलाकारों को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि इस फ़िल्म के अभिनेताओं की जितनी तारीख़ की जाये कम ही होगी।

जीआरपी पुलिस ने 40 लाख 73 हजार के साथ युवक को किया गिरफ्तार

यमुनानगर,04 दिसंबर (एजेंसियां)। जिले के जीआरपी थाना पुलिस की टीम ने रादौर रोड स्थित रेलवे बाईपास अंडर ब्रिज पुल के पास एक युवक को 40 लाख 73 हजार 500 रुपये के साथ गिरफ्तार किया। थाना प्रभारी सत्य प्रकाश के अनुसार, पुलिस अपनी टीम के साथ रेलवे स्टेशन पर आने–जाने वाले लोगों की चेकिंग कर रही थी, तभी उन्हें एक युवक पर शक हुआ, जो पिठू बैग लेकर इधर–उधर भागने की कोशिश कर रहा था। पुलिस ने युवक को पकड़ा और बैग की तलाशी ली, जिसमें से यह बड़ी रकम बरामद हुई।

गिरफ्तार युवक की पहचान अक्षय कुमार के रूप में हुई, जो यमुनानगर के चौधरी कॉलोनी, आजाद नगर का निवासी है। पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया और मामले की जांच शुरू कर दी। थाना प्रभारी सत्य प्रकाश ने उच्च अधिकारियों को इस घटना की जानकारी दी और एसपी महोदय सुमित कुमार के आदेश के बाद आयकर विभाग के अधिकारियों से भी इस मामले में संपर्क किया गया। पुलिस पूछताछ में अक्षय कुमार ने बताया कि वह यह रकम यमुनानगर के शादीपुर निवासी असलम खान से लेकर आया था। हालांकि, युवक कोई भी दस्तावेज या प्रमाण नहीं दिखा सका कि यह पैसा वैध है। इसके बाद इस मामले की जानकारी पंचकूला आयकर विभाग को दी गई और आरोपी युवक को आयकर विभाग के हवाले कर दिया गया।

प्लंबर की किस्मत चमकी डेढ़ करोड़ की लॉटरी लगी

सिरसा, खैरपुर,04 दिसंबर (एजेंसियां)। जिंदगी में कभी भी बड़ा चमत्कार हो सकता है, इसका ताजा उदाहरण खैरपुर के रहने वाले प्लंबर मंगल सिंह हैं। मंगल, जो अपनी पत्नी और बेटी के साथ किराये के मकान में रहते हैं, की किस्मत उस वक्त बदल गई जब उनकी डेढ़ करोड़ की लॉटरी लग गई।

मंगल सिंह ने बताया कि वह पिछले 5–6 सालों से लगातार लॉटरी खरीद रहे थे, लेकिन कभी इतनी बड़ी जीत की उम्मीद नहीं थी। बीती रात करीब 9 बजे, लॉटरी एजेंट का फोन आने के बाद उन्हें पता चला कि उनकी टिकट ने यह बड़ी रकम जीती है।

सुबह होते ही मंगल सिंह के घर पर बधाई देने वालों की भीड़ जुटने लगी। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा, मैं सबसे पहले अपने परिवार के लिए एक पक्का मकान बनाऊंगा। इसके अलावा, अपनी बेटी के भविष्य के लिए निवेश करूंगा और समाज सेवा के लिए भी कुछ करूंगा। मंगल ने बताया कि प्लंबिंग का काम करने से उनका गुजारा मुश्किल से चलता था, लेकिन अब इस पैसे से वे अपना काम बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। इस घटना ने मंगल और उनके परिवार को नई उम्मीदों और सपनों से भर दिया है।

अम्बाला छावनी पहले टुकड़ों–टुकड़ों में बंटा हुआ था : अनिल विज

अम्बाला,04 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि अम्बाला छावनी में रेलवे लाइनों को क्रास करने की जितनी भी बंदिशे थी वह सभी उन्होंने अब दूर कर दी हैं, अम्बाला छावनी अब जहां तक फैलना चाहते फैल सकता है।

विज ने यह बात आज रंगिया मंडी में अम्बाला–सहारनपुर रेलमार्ग पर 21.48 करोड़ रुपए की लागत से नन्हेड़ा रेलवे ओवरब्रिज के उद्घाटन अवसर पर आपार जनसमूह को संबोधित करते हुए कहे। उन्होंने कहा आज रेलवे ओवरब्रिज का उद्घाटन किया गया है जिसका सभी को बहुत लाभ होगा। ऊर्जा व परिवहन मंत्री अनिल विज ने कहा कि अम्बाला छावनी पहले अम्बाला–सहारनपुर और अम्बाला दिल्ली रेलमार्ग पर रेल फाटकों की वजह से टुकड़ों–टुकड़ों में बंटा हुआ था, इस कारण यह आगे नहीं बढ़ पा रहा था। यहां रंगिया मंडी में रेलवे फाटक था जहां से लोग आगे नहीं आ सकते थे, इसी प्रकार घसीटपुर, शाहपुर और मच्छौंडा में रेलवे फाटक था जहां से आगे नहीं जा सकते थे। अब उन्होंने चारों जगह पर पुल मंजूर करवाए। शाहपुर में रेलवे अंडर पास बनकर तैयार हो चुका है, घसीटपुर में भी अंडरपास बनकर तैयार है जहां से जीटी रोड तक सड़क जुड़ेगी। इसी प्रकार आज रंगिया मंडी का रेलवे ओवर ब्रिज बनकर तैयार है जबकि मच्छौंडा में रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण जल्द प्रारंभ किया जाएगा।

स्कूलों में बिजली, पानी, टॉयलेट और बेंच तक नहीं दे पा रही हरियाणा सरकार : हुड्डा

चंडीगढ़,04 दिसंबर (एजेंसियां)। भाजपा सरकार दलित, पिछड़े वर्ग, गरीब व किसान वर्ग के बच्चों को हर एक सुविधा और शिक्षा से वंचित करना चाहती है। इसलिए नए स्कूल बनाना तो दूर, भाजपा सरकार पहले से स्थापित स्कूलों में बिजली, पानी, टॉयलेट और बैठने के लिए बेंच तक मुहैया नहीं करवा रही है। यही वजह है कि अभिभावकों का सरकारी स्कूलों से भरोसा उठता जा रहा है और सरकार शिक्षा तंत्र को धीरे–धीरे प्लानिंग के तहत निजी हाथों में सौंप रही है। ये कहना है पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा का।

हुड्डा ने सरकारी स्कूलों की हालत पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि प्रदेश के शिक्षा तंत्र की सच्चाई सबके सामने आ चुकी है। स्कूलों की खस्ता हालत से नाराज हाई कोर्ट ने पिछले दिनों बीजेपी–जेजेपी सरकार पर 5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया था। यह किसी भी सरकार के लिए शर्मसार करने वाला झटका था। लेकिन ऐसा लगता है कि इस झटके के बाद भी भाजपा सत्ता के नशे में मदमस्त सो रही है और वो हरियाणा के शिक्षा तंत्र को नीतिगत तरीके से बर्बाद कर रही है। खुद शिक्षा मंत्री ने भी माना है कि स्कूलों में टीचर्स की भारी कमी है और ड्रॉ आउट रेट बहुत ज्यादा है।लेकिन सवाल ये है कि 10 साल से सत्ता में होने के बावजूद बीजेपी ने स्कूलों की हालत सुधारने के लिए क्या किया? बीजेपी ने सत्ता में आते ही टीचर्स की भर्तियां बंद कर दी। इस सरकार ने 10 साल में अब तक एक भी जेबीटी की भर्ती नहीं की। आज हालत ये है कि शिक्षा विभाग में 50 हजार पद खाली पड़े हुए हैं। स्कूलों में जो टीचर्स नियुक्त हैं, उनसे भी सरकार पढ़ाई का काम छुड़वाकर कभी मंडी व मेलों में ड्यूटी करवाती है तो कभी परिवार पहचान पत्र बनाने जैसे कामों में। भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि बीजेपी सरकार ने सरकारी स्कूलों के बच्चों को प्राइवेट स्कूलों में भेजने के लिए बाकायदा नीति बनाई है। सरकार का कहना है कि जो बच्चे सरकारी स्कूल छोड़कर प्राइवेट में जाएंगे, उन्हें सरकार द्वारा प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। यहां तक कि प्राइवेट स्कूलों को भी सरकार द्वारा सरकारी स्कूल गोद लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इसी सरकार ने मर्जर के नाम पर करीब 5000 स्कूलों को बंद करने का फरमान सुनाया है।भाजपा सरकार द्वारा हाई कोर्ट में दिए गए हलफनामे से पता चलता है कि आज हरियाणा के 131 सरकारी स्कूलों में पीने का पानी तक नहीं है। 236 स्कूलों में बिजली कनेक्शन नहीं दिया गया। हर घर शौचालय का नारा देने वाली सरकार ने 538 स्कूलों में लड़कियों के लिए एक भी शौचालय नहीं बनवाया। 1047 स्कूलों में तो लड़कों के लिए भी शौचालय नहीं है। छात्रों के लिए स्कूलों में 8240 और क्लासरूम की जरूरत है। हैरानी की बात यह है कि सुविधाओं व संसाधनों का इतना टोटा होने के बावजूद शिक्षा विभाग ने 10,676 करोड़ रूपये की ग्रांट को बिना इस्तेमाल के सरकार को वापिस भेज दिया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.